अंक – 08 (मासिक) वर्ष – 16 फरवरी, 2021 मूल्य 20/–

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Div./244/2020-2022
Desp. Date - 02 February, 2021

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

माहेश्वरी ऑफ द ईयर 2020

शिक्षा के भगीरथ
बजरंगलाल तापड़िया

रिटेल के राजा
राधाकिशन दम्मानी

संस्कार पुरूष
डॉ. संजय मालपानी

श्री माहेश्वरी मेलापक

वैवाहिक डायरेक्ट्री
श्री माहेश्वरी मेलापक 2021
का प्रकाशन प्रारंभ

Visit us
@ www.srimaheshwaritimes.com

देखें प्रति मंगलवार
SMT NEWS
VIDEO NEWS BULLETIN

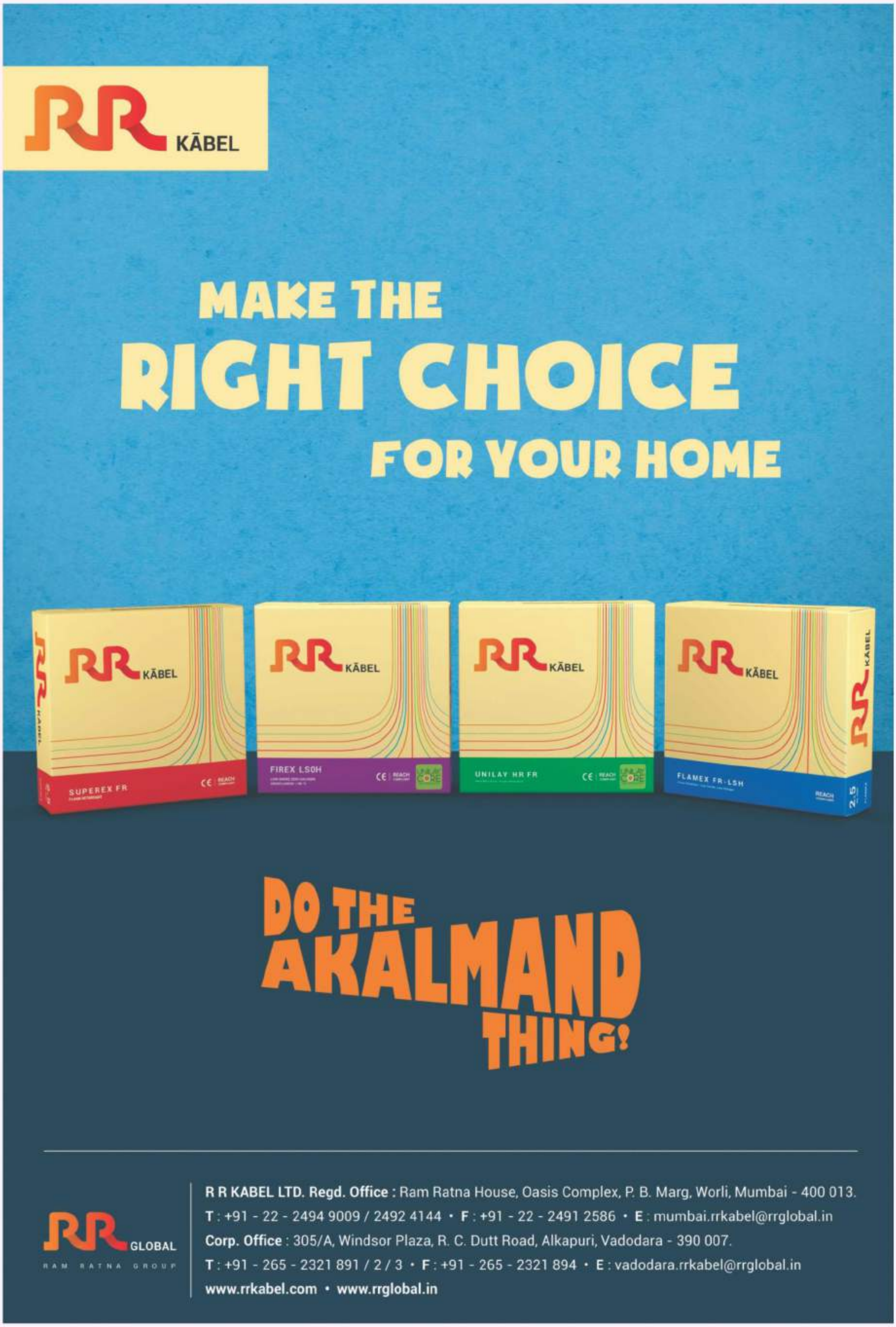

RR KĀBEL
MAKE THE
RIGHT CHOICE
FOR YOUR HOME
SUPEREX FR
FIREX LSOH
UNILAY HR FR
FLAMEX FR-LSH
DO THE
AKALMAND
THING!
RR GLOBAL
RAM RATNA GROUP
R R KABEL LTD. Regd. Office : Ram Ratna House, Oasis Complex, P. B. Marg, Worli, Mumbai - 400 013.
T : +91 - 22 - 2494 9009 / 2492 4144 • F : +91 - 22 - 2491 2586 • E : mumbai.rrkabel@rrglobal.in
Corp. Office : 305/A, Windsor Plaza, R. C. Dutt Road, Alkapuri, Vadodara - 390 007.
T : +91 - 265 - 2321 891 / 2 / 3 • F : +91 - 265 - 2321 894 • E : vadodara.rrkabel@rrglobal.in
www.rrkabel.com • www.rrglobal.in

अपनों के लिए अपनी पत्रिका
श्री माहेश्वरी टाईम्स
RNI-MPHIN/2005/14721
▸▸ अंक-08 ▸▸ फरवरी 2021 ▸▸ वर्ष-16

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री रामकुमार टावरी (दिल्ली)

अतिथि सम्पादक
मदनलाल मालपाणी

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
▸ सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
■ PNB A/c. No. : 0459002100043471
IFSC- PUNB0045900
■ ICICI A/c. No. : 030005001198
IFSC- ICIC0000300
Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

जिसका चरित्र पारदर्शी वही योग्य 'राजा'

विचार क्रान्ति

महाभारत कुल कलह की कथा है। पाण्डु पुत्र युधिष्ठिर आदि पाँच भाई बाल्यकाल से ही प्रतिभावान, गुरुजनों के आज्ञाकारी, व्यवहार में विनम्र और सबके हितैषी थे इसलिए लोकप्रिय थे। इसके उलट धृतराष्ट्र के दुर्योधन आदि सभी सौ पुत्र उद्दंड, अवज्ञाकारी और कटु वचनों का व्यवहार करने के कारण लोक में तिरस्कृत होते थे। जैसे-जैसे समय बीता दोनों पक्षों के मूल स्वभाव के अनुरूप उनके गुण विकसित होते गए। पाण्डवों में सहृदयता, साहचर्य, संयम और सर्वस्वीकार्य फलित हुआ जबकि कौरवों ने छल, कपट, ईर्ष्या और अहंकार के काँटे फले। परिणाम में कौरव नष्ट हो गए और पाण्डवों को राज्य, सम्पत्ति, मान आदि सब मिला।

इतिहास साक्षी है, जो भी छल, कपट, ईर्ष्या, लोभ, मोह, मद, क्रोध आदि का आचरण करता है, वह अपने अवगुणों के कारण एक दिन नष्ट हो जाता है। ऐसा व्यक्ति लाख शिक्षित, धनी, बलशाली, पद प्रतिष्ठित और प्रतिभाशाली हो मगर परिवार से लेकर समाज तक उसका दुर्व्यवहार और दुराचरण उसे नाश की नियति तक लाकर खड़ा कर देते हैं। विशेषकर जब यह 'फ़ितरत' जाति व कुटुम्ब के लोगों के साथ की जाए तो करने वाले का अंत उसकी कुटुम्बीजन ही कर डालते हैं। ठीक वैसे ही जैसा महाभारत में हुआ।

पितामह भीष्म धृतराष्ट्र और दुर्योधन के चरित्र को जानते थे, जो कुटुम्बियों से ही छल करके नाश, दुःख और अपमान के भागी बने। इसलिए जब युधिष्ठिर उनके पास राजधर्म का उपदेश लेने पहुँचे तो भीष्म ने सबसे अधिक महत्व चरित्र की शुचिता, सद्कर्म और कुटुम्बियों से सद् व्यवहार का दिया। महाभारत के शांतिपर्व के 80वें अध्याय में भीष्म ने युधिष्ठिर को सचेत करते हुए कहा, 'ज्ञातिभ्यश्चैव बुद्धयेथा मृत्योरिव भयं सदा।' अर्थात् तुम अपने कुटुम्बीजनों से सदा उसी प्रकार भय मानना जैसे लोग मृत्यु से डरते हैं।

ऐसा इसलिए कि यदि स्वजनों के प्रति व्यक्ति का आचरण निष्पक्ष और व्यवहार पारदर्शी होता है तो वे सहयोगी होते हैं अन्यथा विरोधी हो जाए तो शत्रु से अधिक कष्टदायक बन जाते हैं। भीष्म ने कहा था, 'अज्ञातिनोऽपि न सुखा नावज्ञेयास्ततः परम' अर्थात् जिसके कुटुम्बी या सगे-सम्बन्धी नहीं होते वह सुखी नहीं रहता। इसलिए कभी भी कुटुम्बियों की अवहेलना नहीं करना चाहिए।

जिसे अपनी जाति या कुटुम्ब में 'राजा' बने रहना हो, उसे सबकी शांति के शांतिपर्व के इन सूत्रों का अवश्य अनुसरण करना चाहिए। सबके प्रति समान भाव और मधुर व्यवहार ही राजा को 'राजा' बनाए रखता है। ऐसे में राजा का यही कर्तव्य है कि 'सम्मानयेत् पूजयेच्च वाचा नित्यं च कर्मणा। कुर्याच्च प्रियमेतेभ्यो नाप्रियं किञ्चिदाचरेत्।।' अर्थात् 'राजा' का कर्त्तव्य है कि वह सदा अपने जातीय बंधुओं का वाणी और क्रिया द्वारा आदर-सत्कार करे। वह प्रतिदिन उनका प्रिय ही करता रहे, कभी कोई अप्रिय कार्य न करे।

■ डॉ. विवेक चौरसिया

सम्पादकीय

कर्मण्येवाधिकारस्ते...

गीता को विश्व में इसलिए मान्यता मिली क्योंकि गीता कहती है, 'कर्म करो फल की चिंता मत करो'। योगीराज श्रीकृष्ण का वचन है कि आपके योगक्षेम की जिम्मेदारी उनकी है। जिसने इस ज्ञान को हासिल कर लिया, उसके रास्ते की सारी बाधाएं तिरोहित होंगी। वह अपनी हर मंजिल को पा सकता है।

यह निष्काम कर्म क्या है? यह कैसे काम करता है? इसका प्रतिफल क्या है? यह सब जानना हो तो हमें अपने समाज के उन लोगों के व्यक्तित्व और कृतित्व को जानना होगा, जो आज सफलता के ध्रुव तारे हैं। श्री माहेश्वरी टाइम्स ने अपने सालाना अवार्ड 'माहेश्वरी ऑफ द ईयर' के लिए ऐसे ही तीन सितारों का चयन किया है जिनका कृतित्व हम सब के लिए प्रेरणा पुंज है। आपसे चर्चा की शुरुआत गीता से इसलिए की क्योंकि इन तीन हस्तियों में एक डॉ. संजय मालपानी हैं, जिन्होंने गीता पर काफी काम किया है। उन्हें गीता विशारद की उपाधि से नवाजा जा चुका है। धर्म और शिक्षा की सेवा में डॉ. मालपानी परिवार का योगदान सभी के लिए आदर्श है। स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा, योग और अन्य कई क्षेत्रों में अपनी सेवाओं से देश का भविष्य संवारने वाले डॉ. मालपानी की कड़ी में बजरंगलाल तापड़िया भी हैं। उन्होंने सरकारी स्कूलों को सुधारने का बीड़ा उठाया ताकि यह स्कूल भी निजी स्कूलों से प्रतियोगिता कर सकें। इन स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को भी अच्छा वातावरण मिले। माहेश्वरी ऑफ द ईयर की इस श्रृंखला में राधाकिशन दम्मानी भी हैं, जिन्होंने रिटेल कारोबार के क्षेत्र में डी - मार्ट जैसी सौगात देकर अपना लोहा मनवाते हुए समाज की सेवा में भी यथायोग्य योगदान दिया। इन समाजसेवियों के व्यक्तित्व और कृतित्व को शब्दों में समेटना नामुमकीन है। हमने तो बस कोशिश भर की है। इन्हें माहेश्वरी ऑफ द ईयर अवार्ड के चुनते वक्त हम गौरवान्वित हैं। इनके साथ ही हम महेश बैंक हैदराबाद के चेयरमैन निर्वाचित होने पर रमेश बंग को हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं। साथ ही कामना करते हैं कि महेश बैंक आपके नेतृत्व में उत्तरोत्तर उन्नति करेगा।

यहां यह बताते हुए भी हमें खुशी हो रही है कि श्री माहेश्वरी टाइम्स एक और प्रयास करने जा रहा है- 'कर्मयोगी सम्मान।' भक्ति चैनल के साथ मिल कर श्री माहेश्वरी टाइम्स समाज के 100 ऐसे कर्मयोगियों को सम्मानित करेगा, जिन्होंने अपनी - अपनी विधा में अनूठा काम किया है और जिनका कर्म दूसरों के लिए प्रेरणा बना है। जिन्होंने अपनी सामर्थ्य से ऊपर उठ कर समाज की सेवा में योगदान किया है। ऐसे सम्मानीय व्यक्तित्वों से समाज को परिचित कराने के लिए श्रीमाहेश्वरी टाइम्स इनके व्यक्तित्व पर आधारित पुस्तक का प्रकाशन करेगा तथा वीडियो तैयार कर उन्हें चैनल के माध्यम से प्रसारित करेगा ताकि सम्पूर्ण समाज उनके व्यक्तित्व और कृतित्व से प्रेरणा ले सके। यह आयोजन महेश नवमी के अवसर पर होगा। श्री माहेश्वरी टाइम्स की टीम ऐसे व्यक्तित्वों के बारे में जानकारी एकत्र कर रही है। यदि आपके संज्ञान में भी ऐसे व्यक्तित्व हैं तो हमें जानकारी दे सकते हैं।

समाज ने दो खास व्यक्तित्वों को खोया भी है। राजनीति के क्षेत्र में लंबे समय तक सक्रिय रहे श्याम होलानी से लगभग सभी लोग परिचित हैं। उनका देहावसान समाज के लिए भी बड़ी क्षति है। इसी तरह सामाजिक क्षेत्र के मूर्धन्य व्यक्तित्व प्रेम बाहेती का भी देहावसान हुआ है। प्रेम बाहेती को इंदौर के मोक्षधाम को सुसज्जित करने के लिए पहचाना जाता है। जहां जाने में लोग कतराते हैं, बाहेतीजी ने वहां लगातार सेवा देकर मुक्तिधाम को संवार दिया। दोनों विभूतियों को श्रीमाहेश्वरी टाइम्स की ओर से भी श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं।

हमारे देश ने कोरोना संक्रमण पर पूर्ण विजय का ऐलान करते हुए वैक्सीन देकर देशवासियों को कोरोना के भय से मुक्त किया है। इसके लिए निश्चित तौर से भारत सरकार बधाई की पात्र है। केवल वैक्सीन ही नहीं दी बल्कि इसे हरेक व्यक्ति तक पहुंचाने का पर्याप्त बंदोबस्त भी किया है। कोरोना पर यह विजय निश्चित ही हर भारतवासी के लिए गौरव का विषय है। इस अंक में भी आप वह सब पठनीय सामग्री पाएंगे जिसकी आपको अपेक्षा रहती है। श्री माहेश्वरी टाइम्स का अगला अंक महिलाओं को समर्पित होगा। इस अंक के बारे में अपनी राय से अवगत कराना न भूलें। जय महेश....

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

अतिथि सम्पादकीय

एक समर्पित समाजसेवी व समाज चिंतक के रूप में पहचान रखने वाले मलकापुर नागपुर (महा.) निवासी श्री मदनलाल मालपाणी का जन्म 26 जून 1956 को मलकापुर में श्री रामेश्वर मालपाणी के यहाँ हुआ था। आपकी प्रारम्भिक स्कूली शिक्षा कक्षा 10वीं तक मलकापुर में हुई, फिर इंदौर में पढ़ते हुए यहीं से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की। इसके पश्चात कुछ समय गाजरागीयर्स देवास में नौकरी की और फिर मलकापुर से अपने स्व-व्यवसाय की शुरूआत कर दी। वर्तमान में आपका "एव्हरशाईन रूफिंग एंव क्लेडिंग" के नाम से नागपुर में प्रोफाइल शीट वितरण का सुस्थापित व्यवसाय है, जिसका वर्धा रोड पर कार्यालय है। इस व्यवसाय को वर्तमान में आपके पुत्र देख रहे है। श्री मालपानी वर्ष 1992 - 94 तक विदर्भ प्रादेशिक युवा संगठन अध्यक्ष रहे और इस दौरान 7-8 वर्षों से निष्क्रिय संगठन को पुनः सक्रिय किया। पुनर्गठित विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी संगठन में वर्ष 2010-16 तक दो सत्रों में सचिव तथा वर्ष 2016-19 तक निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष रहे। इनके साथ ही श्री मालपानी 10 अन्य सामाजिक संस्थाओं से सम्बद्ध हैं, जिनमें से 6 के संस्थापक भी हैं।

समाजसेवा के मूल सिद्धांत को समझें

माहेश्वरी समाज वर्तमान में औद्योगिक व आर्थिक ही नहीं बल्कि सामाजिक रूप से भी अत्यंत प्रतिष्ठित समाज के रूप में सम्पूर्ण राष्ट्र में दीर्घ समय से प्रतिष्ठित है। समाज की इस प्रतिष्ठा का कारण उसके संस्कार तो हैं ही, साथ ही समाज की संगठनात्मक व्यवस्था भी है, जिसने उसे वह शक्ति प्रदान की जिसके बल पर हम उन्नति के शिखर की ओर चलते चले गये। वर्तमान में भी हमारा सामाजिक संगठन का ताना बाना सुसंगठित तो है, लेकिन इसमें राजनीति के हावी होने के आरोपो के चलते सामान्य जमीन से जुड़े कार्यकर्ता की संगठन से बढ़ती दूरियाँ संगठनात्मक सशक्त श्रंखला को कमजोर कर सकती है, जो गहन चिंतन का विषय है। युवा पीढ़ी को यह भी समझाना होगा कि आखिर समाजसेवा क्यों होती है?

यह मत सोचो कि परिवार ने, समाज ने, राष्ट्र ने हमें क्या दिया? सोचो यह कि हमने परिवार को, समाज को, राष्ट्र को क्या दिया? हम हमारे समाज को एक विशाल संयुक्त परिवार मानते हैं, जिनके प्रतिनिधित्व के रुप में 'तन' महासभा तथा युवा संगठन एवं महिला संगठन 'दो भुजा' मानते है, जो श्रंखलाबद्ध संगठन के रूप में तहसील तथा ग्राम स्तर तक कार्यरत हैं। जैसे हमारे हाथ की पाँचों ऊँगलियां एक समान नहीं हैं, परंतु पाँचों ऊँगलियां मिलाकर ही मुठ्ठी बनती है,उसी प्रकार हमारे इस विशाल परिवार में, आर्थिक, मानसिक,शारीरिक क्षमताओं में असमानता हो सकती है, क्रियाशीलता में असमानता हो सकती है,परंतु अनुशासन ,अधिकार हम सबके लिये एक समान हैं। परिवार में कहीं किसी को तकलीफ है, कमतरता है, जरूरत है, तो वह पूरी करने की हमारी जबाबदारी है, और सबको लेकर आगे बढ़ने का हमारा दायित्व है। जीवन के हर मोड़ पर सदा स्मरण रहे-

"झुकता वही है, जिसमें जान होती है,
अकड़े रहना,मुर्दे की पहचान होती है।"

हमारे दैनंदिन जीवन में ऐसी कई घटना देखने में आयी होंगी कि कई ऐसे परिवार, जिनकी पीढ़ी दर पीढ़ी, परिवार के सपूतो के नेतृत्व की वजह से मान, मर्यादा, धन, संपन्नता बढ़ती गयी और शिखर पर पहुँचे। लेकिन उनकी मात्र एक पीढ़ी में आये कपूत नेतृत्व की वजह से पीढ़ियों से संचित मान, मर्यादा, धन, संपन्नता नष्ट हो गयी।

यही बाते समाज संगठन, संस्था पर भी लागू होती है। हम देखते हैं किसी भी परिवार को, संगठन को, संस्था को खडा करने में, उसे बढ़ाने में, मजबूत करके एक सम्मानित मुकाम तक पहुचाने मे कितने ही सपूतो की मेहनत,समर्पण और त्याग की आहुतियां लगती है, तब कहीं जाकर एक सशक्त परिवार, समाज संगठन, संस्था आकार लेती है और इसको मटीयामेट करने में एक कपूत का स्वार्थ और महत्वाकांक्षा ही काफी होती है, जैसे एक मछली सारे तालाब को गंदा कर सकती है। कहते हैं, अत्याचार सहने वाला, अत्याचार करने वाले से ज्यादा दोषी होता है, यही बात परिवार में, समाज में, संगठन व संस्था में भी लागू होती है। क्योंकि गलत के विरूद्ध मौन, गलत को स्वीकृति प्रदान करता है, इससे उसे बढ़ावा मिलता है। यह उत्कर्ष को ना सिर्फ रोकता है, अपितु अधोगति की ओर बढ़ाता है।

आओ हम जहां भी रहें, जागरूक रहें, सचेत रहें, विघ्नसंतुष्टो का विरोध करें और अपने परिवार की, समाज की, संगठन की, संस्था की अधोगति को रोकें, यह हमारी नैतिक जवाबदेही बनती है। समाज संगठन के सुदृढ स्वास्थ के लिये व्यर्थ की टीका-टिप्पणियों से, स्वार्थ और राजनीति से बचें। पद के दायित्व को और गरिमा को समझें, दूसरो को समझाने के पहले खुद का आकलन कर लेवें। भगवान महेश सभी को सद्बुद्धि देवें, सद्कर्म करने की प्रवृत्ति देवें, सच बोलने की शक्ति दें तथा सतस्वरूप का ज्ञान देवें।

अंत में मैं श्री माहेश्वरी टाईम्स द्वारा प्रतिष्ठित 'माहेश्वरी ऑफ द ईयर 2020' अवार्ड से सम्मानित डी मार्ट के प्रमुख श्री राधाकिशन दम्मानी, संस्कारों की ज्योति जलाते गीता परिवार के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष डॉ. संजय मालपानी तथा शिक्षा के कायाकल्प को समर्पित उद्यमी श्री बजरंगलाल तापड़िया को बहुत-बहुत बधाई देते हुऐ उनकी समर्पित सेवाओं को नमन करता हूँ। साथ ही ए.पी. महेश बैंक नवनिर्वाचित चेयरमैन श्री रमेश बंग को बहुत बहुत शुभकामनाऐं एवं बधाई भी देता हूँ।

मदनलाल मालपानी
अतिथि सम्पादक

श्री खीवंज माताजी

■ टीम SMT

इस स्तम्भ में आप माहेश्वरी समाज की कुलदेवियों के दर्शन कर रहे हैं। श्रृखंला में प्रस्तुत है- खीवंज माताजी। भारत को विश्व में परमाणु शक्ति का दर्जा दिलाने वाले राजस्थान के पोकरण में स्थित माताजी स्वयं-भू शक्ति है। केवल माहेश्वरी समाज ही नहीं हर वर्ग समुदाय यहां से आशीर्वाद प्राप्त कर अपने जीवन को धन्य समझता है। आईए चलें माताजी की यात्रा पर

खीवंज माताजी माहेश्वरी जाति की भूतड़ा खांप की कुलदेवी है। इसके अतिरिक्त भूतड़ा परिवार में भूतड़ा, चेचाणी, देवदतमाणी, देवगट्टानी, चौधरी तथा सर्राफ आदि नख वाले लोग भी इन्हें अपनी कुलदेवी मानते हैं।

मातेश्वरी का आदि-अनादि मंदिर राजस्थान के जैसलमेर जिले के ग्राम पोकरण में स्थित है। पोकरण के दक्षिण में 4 किमी दूर बाड़मेर राजमार्ग पर एक पहाड़ी पर शोभायमान मातेश्वरी की मूर्ति चट्टान के अन्दर से स्वयं जागृत रूप में प्रकट है जिसकी विशेष मनुष्य आकृति नहीं है। माताजी का स्वरूप बड़ा ही तेजस्वी व अत्यंत ही चमत्कारी है। मन्दिर पर लगे स्तम्भ राजा विक्रमादित्य कालीन हैं जिससे ज्ञात होता है कि मंदिर आठवीं शताब्दी से पहले का बना हुआ है। मुगलकाल में औरंगजेब द्वारा इस मन्दिर को नष्ट करने का प्रयास करने पर माताजी के अद्‌भुत चमत्कार से भयभीत औरंगजेब ने पुनः निर्माण करवाया था। उस समय से यह ऐतिहासिक मन्दिर विद्यमान है। मन्दिर तक पक्की सड़क है।

मातेश्वरी को लाल वस्त्र,लाल पुष्प व फलों में अनार अति प्रिय हैं। यहां अखण्ड ज्योत जलती रहती है। वर्ष में दो बार चैत्र शुक्ल पक्ष व आसोज शुक्ल पक्ष नवरात्रि में यहाँ मेला लगता है जिसमें दूर-दूर से यात्री सम्मिलित होने आते हैं। शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से नवरात्रि से स्थापना, पूजन व अखण्ड पाठ चलता है, अष्टमी को हवन होता है। रात्रि में सत्संग व जागरण के पश्चात नवमी के दिन महाप्रसादी का आयोजन किया जाता है।

मातेश्वरी मन्दिर की व्यवस्था, अखण्ड ज्योत व पूजन सुचारु चलाने के लिए एवं मन्दिर का पूर्ण जीर्णोद्धार करवाने के लिए सन् 1982 में एक संचालक मण्डल (ट्रस्ट) का गठन किया गया जिसे राज्य सरकार द्वारा पंजीकृत करवाया गया है। मंदिर में रहने-ठहरने की अच्छी व्यवस्था है। यहां पहुंचने के लिए सभी प्रकार के साधन उपलब्ध हैं।

चुनाव-ए.पी. महेश कोऑपरेटिव बैंक का...

महेश बैंक की जंग में 'बंग' बने विजेता

न्यायालय के आदेश से घोषित हुआ चुनाव परिणाम -15 में से 10 पदों पर मिली संस्थापक पैनल को जीत

बहुप्रतिक्षित महेश बैंक के चुनाव परिणाम गत 8 जनवरी को अंततः उच्च न्यायालय में कानूनी-दावपेंच, आरोप-प्रत्यारोप और हंगामे के बीच जारी कर दिए गए। चुनाव अधिकारी ने उच्च न्यायालय के आदेश पर रोके गए चार ईवीएम के मतों की गणना के पश्चात चुनाव परिणाम जारी किए। इस चुनाव परिणाम में संस्थापक पैनल (रमेश बंग) ने 10 निदेशक पद और फाउण्डर्स पैनल (भगवती देवी बल्दवा) ने 5 निदेशक पद हासिल किए। इन ईवीएम के मतों की गणना वैसे तो न्यायालय के मार्गदर्शन में 25 दिसम्बर को हो गई थी, लेकिन न्यायालय के आदेशानुसार परिणाम अभी तक लिफाफे में बंद ही थे।

हैदराबाद। बैंक की निर्धारित प्रक्रिया अनुसार ए.पी. महेश बैंक कोऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड के निर्देशक मंडल के 15 पदों हेतु चुनाव गत 21 दिसम्बर को हुए थे। इसमें दो पैनल आमने सामने थे। इसमें रमेशकुमार बंग के नेतृत्व वाले संस्थापक पैनल तथा भगवती बल्दवा के नेतृत्व वाले फाउंडर्स पैनल के बीच सभी 15 पदों पर टक्कर थी। मतदान पश्चात् मतगणना प्रारम्भ हुई। लगभग 90 प्रतिशत मतों की गणना पूर्ण हो चुकी थी, तभी बोगस मतों का आरोप लगाते हुए फाउंडर्स पैनल ने हंगामा प्रारम्भ कर दिया था। इसे देखते हुए चुनाव अधिकारी द्वारा बीच में ही मतगणना रोक दी गई, जिससे संस्थापक पैनल के सदस्य भी नाराज हो गये थे। इसके बावजूद रुकी हुई मतगणना प्रारम्भ नहीं हुई। फिर यह मामला न्यायालय चला गया।

न्यायालय के आदेश से पूर्ण हुई थी मतगणना

महेश बैंक के चुनावों की मतगणना को बीच में ही रोकने के खिलाफ उच्च न्यायालय में दाखिल की गयी तीन याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए अदालत ने शेष मतगणना तत्काल पूरी करने के निर्देश दिये थे। निर्देश का पालन करते हुए चुनाव अधिकारी ने सभी प्रत्याशियों को सूचित किया कि मतगणना उसी दिन 25 दिसम्बर को शाम 5.30 बजे होगी। लगभग 7 बजे इच्छुक प्रत्याशियों को मतगणना केंद्र के भीतर बुलाया गया। हालांकि यहां भी काफी देर तक प्रक्रिया विधिवत रूप से शुरूआत नहीं हो सकी, लेकिन फिर अदालत के आदेशों की पूर्ति को ध्यान में रखते हुए यह प्रक्रिया रात 8.50 बजे पूरी कर ली गयी। इसमें शेष 4 ईवीएम की मतगणना पूर्ण कर ली गई। फिर यह परिणाम न्यायालय के पास यह सुरक्षित रखा गया। चुनाव प्राधिकरण के दोनों पैनलों से एक सदस्य और निर्दलीय प्रत्याशियों के प्रतिनिधि के हस्ताक्षर ईवीएम से निकाली गयी रिपोर्ट्स पर प्राप्त कर उन्हें लिफाफे में बंद कर दिया गया गया।

न्यायालय के आदेश से परिणाम की घोषणा

न्यायालय के आदेशानुसार, गृहकल्पा भवन, नामपल्ली स्थित कार्यालय में गत 8 जनवरी दोपहर 2 बजे से रोकी गयी ईवीएम मशीनों के मतों की गणना प्रारंभ की गई है। मतगणना पूर्ण होने के बाद चुनाव अधिकारी ईस्थर रानी जॉन ने चुनाव परिणामों की सभी उम्मीदवारों के समक्ष घोषणा की। जारी चुनाव परिणाम में संस्थापक पैनल के रमेश कुमार बंग (7,812 मत), मुरली मनोहर पल्लोड़ (7,273 मत), लक्ष्मीनारायण राठी (7,195 मत), पुरुषोत्तमदास मानधना (7,148 मत), गोविन्द नारायण राठी (7,053 मत), रामप्रकाश भण्डारी (6,963 मत), प्रेम कुमार बजाज (6,488 मत) ने जीत हासिल की। इसी प्रकार फाउण्डर्स पैनल की ओर से भगवती देवी बल्दवा (7,575 मत), कैलाश नारायण भांगड़िया (7,170 मत), अनिता सोनी (7,021मत), भगवान पंसारी (6,736 मत) और अरुण कुमार भांगड़िया (6,689 मत) ने सफलता हांसिल की।

टेण्डर मतों पर फिर हुआ विवाद

पहले बोगस मतों का मुद्दा फाउण्डर्स पैनल न्यायालय ले गई थी। इसके समाधान के बाद जब चुनाव परिणाम घोषित हुआ तो फाउण्डर्स पैनल ने टेण्डर मतों का मुद्दा उठा लिया। फाउण्डर्स पैनल की ओर से भगवती देवी बल्दवा व अन्य उम्मीदवारों ने टेंडर वोट की गणना न करने

के प्रति कड़ी आपत्ति जतायी और इन वोटों की गणना किए बिना परिणाम जारी करने पर रोक लगाने की मांग की। इस मामले को लेकर काफी देर तक हंगामा खड़ा हुआ और फाउण्डर्स पैनल की ओर से टेंडर वोट की जानकारी तुरंत देने की माँग की गई। हंगामे को रोकने के लिए आबिड्स पुलिस थाने के इंस्पेक्टर अंजय्या को बुलाया गया। उन्होंने हस्तक्षेप कर हंगामे को शांत करवाया और कार्यालय के कमरे से निर्वाचित उम्मीदवारों को छोड़कर अन्य सभी लोगों को बाहर भेज दिया। इसके बाद चुनाव अधिकारी ने बताया कि अदालती आदेश के चलते ही वे टेंडर वोट संबंधी उन्हें प्राप्त 8 लिफाफे नहीं खोल रही हैं। टेंडर वोट संबंधी सभी लिफाफे अदालत में जमा करवाए जाएँगें। उन्होंने बताया कि उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार ही उन्होंने आज बचे हुए ईवीएम के मतों की गणना करने के बाद चुनाव परिणाम जारी किए हैं और कल चुने गए बैंक के निदेशकों की बैठक के बाद महेश बैंक की चुनाव प्रक्रिया समाप्त हो जाएगी और उनकी जिम्मेदारी भी पूर्ण हो जाएगी।

बंग सर्वसम्मति से बने चेयरमेन

महेश बैंक के नवनिर्वाचित निदेशक मण्डल की प्रथम बैठक बैंक के बंजारा हिल्स स्थित प्रधान कार्यालय भवन के निदेशक कक्ष में सम्पन्न हुयी। चुनाव अधिकारी श्रीमती ईस्थर रानी जॉन द्वारा बुलाई गयी बैठक में निर्वाचित निदेशकों के रूप में रमेशकुमार बंग, श्रीमती भगवती देवी बलदवा, सीए मुरली मनोहर पलोड, लक्ष्मीनारायण राठी, कैलाशनारायण बी.पुरूषोत्तमदास मानधना, गोविंदनारायण राठी, श्रीमती अनिता सोनी, रामप्रकाश भन्डारी, बृजगोपाल असावा, भगवान पंसारी, श्रीमती पुष्पा बूब, अरुणकुमार भांगडिया, बदरीविशाल मूंदड़ा, प्रेमकुमार बजाज के नामों की घोषणा करने के बाद चेयनमैन, सीनियर वाइस चेयरमैन एवं वाइस चेयरमैन पद के लिये नामांकन मांगे। सर्वसम्मति से चेयरमैन पद पद रमेशकुमार बंग, सीनियर वाइस चेयरमैन पद पर पुरुषोत्तमदास मानधना एवं वाइस चेयरमैन पद पर लक्ष्मीनारायण राठी को निर्वाचित घोषित करते हुए बताया कि सत्र का कार्यकाल 5 वर्ष का रहेगा। महेश बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक उमेशचंद असावा ने चुनाव अधिकारी द्वारा निदेशक मण्डल के नवनिर्वाचित सदस्यों की घोषणा करने के बाद सभी का बैंक की ओर से पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया।

जीत का मनाया जश्न

अंतिम परिणाम के बाद संस्थापक पैनल ने हर्षोल्लास से अपनी जीत का जश्न मनाया। सीताराम बाग स्थित द्रोपदी गार्डन में ढोल नगाड़ों के बीच आयोजित हुए विजयोत्सव में नवनिर्वाचित चेयरमेन रमेश कुमार बंग, सीनियर वाइस चेयरमैन पुरुषोत्तम मानधना, वाइस चेयरमैन लक्ष्मीनारायण राठी सहित निर्वाचित निदेशकगण बद्रीविशाल मूंदड़ा, बृजगोपाल असावा, गोविंद नारायण राठी, मुरली मनोहर पलोड, प्रेम कुमार बजाज, पुष्पा बूब, रामप्रकाश भंडारी का भव्य स्वागत सम्मान किया गया। इस अवसर पर डॉ. आर.एम. साबू, पार्षद शंकर यादव, गौतम लोढा, चैनसुख काबरा, गौतम गुगलिया, दामोदर विजयवर्गीय, नरेंद्र गोयल, सतीश सरायवाला, शकुंतला नावंदर, छंगालाल नावंदर, रमेश असावा, गिरधारीलाल डागा, वेणु गोपाल बांगड़, श्रीनिवास असावा, ओमप्रकाश टावरी, जियागुड़ा गोशाला क्लाथ मर्चेंट असोसिएशन, दाहिमा समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद तथा सिखवाल प्रगति समाज सहित नगरद्वय की विविध संस्थाओं के प्रतिनिधियों तथा विभिन्न क्षेत्रों के कार्यकर्ताओं ने संस्थापक पैनल के सभी निर्वाचित सदस्यों का मंचीय सम्मान ढोल नगाड़ों के साथ किया। मंचीय कार्यक्रमों का संचालन रामपाल अट्टल ने किया।

विभिन्न संस्थाओं ने भी किया सम्मान

हिमायतनगर स्थित होटल में संस्थापक पैनल के निर्वाचित निदेशकों का अभिनंदन कार्यक्रम समाजसेवी बालाप्रसाद अमितकुमार नावन्दर द्वारा आयोजित किया गया। श्री नावन्दर ने कहा कि श्री बंग ने अपने सुदीर्घ सामाजिक जीवन में कर्मठता, उत्साह और लगन से न केवल हैदराबाद में बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी माहेश्वरी समाज में अपनी विशिष्ट पहचान बनायी है। समर्पित सेवाओं के कारण ही हर कोई इनकी कार्यशैली का प्रशंसक है। संस्थापक पैनल के उम्मीदवारों ने इनके नेतृत्व में हर बार अनेक धुरंधरों को पराजित किया है। अभिनंदन से अभिभूत रमेशकुमार बंग ने कहा कि इस सम्मान के अधिकारी सभी कार्यकर्ता हैं। नवनिर्वाचित वाइस चेयरमैन लक्ष्मीनारायण राठी ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर निवर्तमान निदेशक रामपाल अट्टल, चैनसुख काबरा, श्रीनिवास असावा, श्रीकान्त ईन्नाणी, सीए किशनगोपाल मणियार के साथ सुरेशनारायण काकाणी आदि भी उपस्थित थे।

देवपुरा को पीएच.डी. उपाधि

नाथद्वारा। मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय उदयपुर के गृहविज्ञान विभाग के अंतर्गत श्रीनाथद्वारा निवासी प्रियंका देवपुरा को पीएच.डी. उपाधि प्रदान की गई। उन्हें ''राजस्थान के चयनित क्षेत्रों मे दृष्टिहीन बालकों का व्यक्तिव विकास एवं स्वयं की चुनोतियों व उनके अभिभावकों की चुनोतियों का एक अध्ययन'' विषय पर किए शोध के लिए पीएच. डी. उपाधि प्रदान की गई। ज्ञातव्य है कि प्रियंका देवपुरा प्रतिष्ठित साहित्यकार श्रीनाथद्वारा निवासी स्व. श्री भगवती प्रसाद देवपुरा की सुपोत्री एवं श्याम प्रकाश देवपुरा, प्रधानमंत्री साहित्य मण्डल की सुपुत्र हैं। इन्हें पूर्व मे स्नातकोत्तर परीक्षा में भी उन्हें स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ था।

गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन

कोलकाता। माहेश्वरी सभा द्वारा अपनी शाखा एवम् संबंधित संस्थाओं के सहयोग से देश के 72 वें गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया गया। विशिष्ट समाज बंधुओं एवम् सभा के सभासदों की उपस्थिति में सुबह लगभग 11:00 बजे भगवान उमा - महेश एवम् राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की मूर्तियों को माल्यार्पण के पश्चात श्री माहेश्वरी विद्यालय के स्काउट ग्रुप द्वारा सलामी धुन के मध्य झंडोत्तोलन तथा राष्ट्र गान का सामूहिक गायन किया गया। माहेश्वरी सभा के उप सभापति किशन लाल सोनी ने अपने संक्षिप्त वक्तव्य में सभी को गणतंत्र दिवस की बधाई दी। सभा मंत्री पुरषोत्तम दास मूंधड़ा,भवन समिति मंत्री सुरेश बागड़ी,विद्यालय मंत्री केशव भट्टड़,संगीतालय मंत्री महेश दम्मानी,सेवा समिति मंत्री गोपी मूंधड़ा,सभा और क्लब कार्यकारिणी सदस्य राकेश मोहता, नंद किशोर डागा आदि समाजजन उपस्थित थे।

'कोरोना भगावत कथा' का लोकसभा अध्यक्ष ने किया विमोचन

उज्जैन। प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति अलंकरण से सम्मानित श्री महाकालेश्वर की नगरी उज्जैन के अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त लेखक व हास्य कवि स्वामी मुस्कुराके शैलेन्द्र व्यास द्वारा लोक डाउन के पैनिक दौर में सोश्यल मीडिया एवम यू ट्यूब पर 45 दिवसीय कोरोना भगावत कथा का प्रसारण 12 अप्रैल से 27 मई 2020 तक किया गया था। ये प्रधानमंत्री नरेंद्रमोदी के संदेशों पर भी आधारित है। हास्य व्यंग्य के कोरोना संदेशों को खूब पसंद किया गया। कोरोना से जंग स्वामी मुस्कुराके संग की ''कोरोना भगावत

कथा'' की स्मारिका का लोकार्पण लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भारत में वैक्सीन डे के अवसर पर कोटा, (राजस्थान) में किया। इस अवसर पर जन मानस से कोरोना के नियमो के पालन की अपील भी श्री बिड़ला ने की। श्री बिड़ला ने स्मारिका के संदेशों की मुक्त कंठ से प्रंशसा की, साथ ही कहा कि वे इसे लोकसभा के संसद सत्र में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को भी भेंट करेंगे। इस अवसर पर स्वामी मुस्कुराके ने वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य पगड़ी पहनाकर श्री बिड़ला का अभिनन्दन कर आकर्षक स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया। इस अवसर पर कोटा की सुप्रसिद्ध कलाकार बरखा जोशी, हेमा व्यास, स्वामी व्यास एवं साहिबा व्यास की विशेष उपस्थिति रही।

वैक्सीन लगवाने में माहेश्वरी चिकित्सक आगे

देवास के डॉ. धूत तथा उज्जैन के डॉ. सुनील राठी ने लगावाया पहला वैक्सीन डोज

उज्जैन। विश्व की सबसे बड़ी महामारी कोरोना का पहला डोज वैक्सीन भारत में स्वास्थ्य कर्मचारियों को लगाया गया। इसमें देवास के डॉ. के. के. धूत तथा उज्जैन के डॉ. सुनील राठी जैसे ख्यात चिकित्सकों ने भी टीका लगवाकर स्वास्थ्य कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया।

जानो गीता-बनो विजेता स्पर्धा में मनीषा राठी प्रथम

उज्जैन। दिशा डेल्फ़ी पब्लिक स्कूल कोटा एवं गीता परिवार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'जानो गीता बनो विजेता' के 51 वीडिओ प्रश्नोत्तरी में उज्जैन की मनीषा शैलेंद्र राठी को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। इसके लिये प्रमाणपत्र, प्रशस्तिपत्र एवं आकर्षक उपहार कोरियर द्वारा प्रदान किया गया। समस्त स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

वर्कशॉप बढ़ते कदम का हुआ आयोजन

कोटा। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के अंतर्गत कम्प्यूटर नेटवर्किंग एंड एडवांस तकनीकी शिक्षा समिति द्वारा त्रि-दिवसीय 'BE SMART WITH A SMART PHONE- WORKSHOP 'बढ़ते क़दम' का आयोजन 16 से 18 जनवरी तक हुआ। प्रथम दिवस उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के सभापति श्याम सोनी, प्रमुख अतिथि अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष आशा माहेश्वरी, विशेष अतिथि अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की महामंत्री मंजु बांगड आदि थे। सभी भूतपूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षायें, सभी राष्ट्रीय समिति प्रभारी, सभी प्रदेश अध्यक्ष व सचिव, समिति प्रदेश संयोजिकाएँ, ज़िला सह संयोजिकाएँ,

स्थानीय संगठन समिति सदस्यायें एवं सभी प्रदेशों से आयीं सदस्यायें उपस्थिति थीं। कार्यशाला में प्रशिक्षकों ने महासभा के 'सम्पर्क ऐप' एवं 'ज़ूम ऐप' के बारे में भी जानकारी दी। दिनेश राठी ने दर्शकों के प्रश्नों के उत्तर देकर उनकी शंकाओं का समाधान भी किया गया।

कार्यक्रम के द्वितीय दिवस की अतिथि अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष ज्योति राठी थी। राष्ट्रीय भूतपूर्व अध्यक्ष गीता मूँदड़ा एवं सुशीला काबरा ने कार्यशाला की समीक्षा की। कार्यशाला के तृतीय दिवस में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा माहेश्वरी, विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय महामंत्री मंजु बांगड एवं राष्ट्रीय संगठन मंत्री शैला कलंत्री थीं। तृतीय दिवस की कार्यशाला में 'यूट्यूब चैनल कैसे बनायें व कैसे चलायें' टेलीग्राम ऐप, ई-लर्निंग, एक्सल शीट आदि की जानकारी शामिल थी। समिति प्रमुख ममता मोदानी ने अपना मनोगत प्रस्तुत किया। समिति आंचलिक सह प्रभारी भाग्यश्री चांडक, शोभा लखोटिया, विनीता डाड, सुशीला माहेश्वरी, अंकिता राठी आदि का सहयोग रहा।

कोरोना वैक्सीन को डॉ. सोमानी की स्वीकृति

दिल्ली। देश को कोरोना महामारी की दो वैक्सीन की परमिशन देने का श्रेय माहेश्वरी समाज के महानियंत्रक (ड्रग कंट्रोलर-जनरल ऑफ इंडिया) डॉ. वी.जी. सोमानी को है। डॉ. सोमानी की धर्मपत्नी डॉ. किरण बंकटलाल ललावतट ने इंदौर के एम.व्हाय. चिकित्सालय से एम.एस. जनरल सर्जरी की उपाधि प्राप्त की है और वर्तमान में वे अरबिंदो मेडिकल कॉलेज में प्रोफेसर सर्जरी के पद पर कार्यरत हैं। उल्लेखनीय है कि देश में दो कंपनीयों की वेक्सीन को भारत सरकार ने कोरोना के खिलाफ मंजूरी दे दी हैं। इस दोनों वेक्सीन की टेस्टिंग ओर आपातकालीन परिस्थितियों में इस्तेमाल की मंजूरी डॉ. सोमानी ने दी है। डॉ. सोमानी मूलतः महाराष्ट्र के परभणी जिले से हैं। इतनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी डॉ. सोमानी को दी गई थी, यह माहेश्वरी समाज के लिए गौरव का विषय है। इस उपलब्धि पर आपका सर्वत्र अभिनंदन हो रहा हैं। ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (DCGI) के निदेशक डॉ वेणुगोपाल सोमानी ने लोगों को भारत बायोटेक और ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका द्वारा दो कोविड -19 टीकों की सुरक्षा के बारे में आश्वासन दिया, क्योंकि उन्होंने इस के लिए अंतिम स्वीकृति दी थी। डॉ.सोमानी ने सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा निर्मित डीसीजीआई ने कोविद -19 टीकों को विकसित करने के लिए कड़ी मेहनत की है।

सूर्य नमस्कार स्पर्धा में गट्टानी द्वितीय

उदयपुर। गत 14 जनवरी को सुकृपा फाउण्डेशन, उदयपुर द्वारा मकर संक्रांति उत्सव पर आयोजित सूर्यनमस्कार प्रतियोगिता में 73 वर्षीय मुरलीधर गट्टानी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। श्री गट्टानी को इसके लिये मेडल एवं योग्यता पुरस्कार प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस प्रतियोगिता में 45 प्रतियोगियों ने भाग लिया था। सुकृपा फाउण्डेशन के संस्थापक अध्यक्ष सुरेश पालीवाल ने सभी को पुरस्कार भी वितरित किये। इस अवसर पर तिल और गुड़ का अल्पाहार एवं कोरोना काढ़ा भी वितरित किया गया। उल्लेखनीय है कि इस प्रतियोगिता में श्री गट्टानी ने 108 सूर्यनमस्कार लगाये थे।

मकर संक्रांति पर सेवा कार्य

कोलकाता। मकर संक्रांति एंव मल मास के अवसर पर मध्य कोलकाता माहेश्वरी सभा महिला एवं युवा संगठन द्वारा 100 डिब्बे कचौड़ी सब्जी और 200 पैकेट गोंद के लड्डू बांटे गये। श्याम सुंदर बागड़ी, संजय झंवर, सुशील बागड़ी, गिरधर बागड़ी, अशोक द्वारकानी, आशा राठी, विजय मुन्धड़ा, रेखा मिमानी, कविता सादानी, पद्मा राठी, नीरु मुन्धड़ा, सुशीला सोमानी और मंजू चांडक के सहयोग एवं उपस्थिति से यह सेवा कार्य सम्पन्न हुआ। आशा राठी द्वारा 9 कंबल भी गरीबो में बांटे गए। मध्य कोलकाता माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा निर्मला मल्ल को पाँच दिवसीय सेवा कार्य के लिये 3100/- की राशि सेवा हेतु प्रदान की गई। महिला संगठन मंत्री पुष्पा मुन्धड़ा ने उक्त जानकारी दी।

वरिष्ठ पेंशन का किया वितरण

अमरावती। माहेश्वरी आधार समिति शहर के अत्यल्प आय वाले माहेश्वरी परिवार, विधवा महिलाओं व वरिष्ठजन, अपंग जरूरतमंद परिवारों के सहायतार्थ अखिल भारतीय ट्रस्टों की तर्ज पर गठित अपने आपमें अनोखा ट्रस्ट है। समिति द्वारा वरिष्ठ पेंशन हेतु 10,000/- (दस हजार) कन्यादान हेतु 10,000/-रु. उपचार हेतु उसे 5 हजार तथा मृत्योपरांत क्रियाकर्म हेतु 10 हजार रुपए की सहायता विगत 7 वर्षों से प्रदान की जा रही है। इसमें अब तक करीब 60 - 65 परिवारों को अठ्ठाइस लाख रुपये से ज्यादा की राशि का वितरण किया जा चुका है।

समिति में माहेश्वरी समाज के करीब 180 सभासद हैं। समिति को घनश्याम कासट परिवार एवं ओमप्रकाश नावंदर परिवार का प्रमुख योगदान व संरक्षण प्राप्त है। इसी शृंखला में हिराका वरिष्ठ पेंशन योजना का शुभारम्भ गत वर्ष महासभा अध्यक्ष श्याम सोनी एवं जिलाधिकारी शैलेष नवाल द्वारा किया गया था। गत दिनों माहेश्वरी भवन धनराज लेन अमरावती में हिराका वरिष्ठ पेंशन के अंतर्गत इस सत्र के 4000/- रु. के चेक करीब 50 - 55 लोगों को वितरित किए गए। इस अवसर पर स्व. सरलादेवी सत्यनारायण लोहिया स्मृति किराना व जीवनावश्यक सामग्री उनकी स्मृति में 5वीं बार किया गया। इसके लिये डॉ. लोहिया द्वारा हर वर्ष 60000रु. की अनुग्रह राशि माहेश्वरी आधार समिति को दी जाती है।

मंच पर अध्यक्ष श्यामदास कासट, प्रमुख अतिथि पंचायत सचिव जगदीश कलंत्री, पंचायत अध्यक्ष केसरीमल झंवर आधार समिति अध्यक्ष ओमप्रकाश नावंदर, बंकटलाल राठी के साथ लोहिया परिवार से डॉ. सत्यनारायण लोहिया, ओमप्रकाश लोहिया, दीपक कुमार लड्ढा, श्यामसुंदर परताणी, वंदना परताणी उपस्थित थे।

मानो तो मौज है...
वरना... समस्या तो रोज है...
कुदरत ने तो, आनंद ही आनंद दिया है,
दुःख तो हमारी खोज हैं।

पुलिस को किया नमन

चंद्रपुरा। 31 दिसम्बर की रात को जब कुछ नागरिक नव वर्ष मनाने में मग्न और तल्लीन रहते हैं। तब भी चंद्रपूर पुलिस के सभी कर्मचारी व अधिकारी नागरिकों की सुरक्षा हेतु अत्यंत ठंडे वातावरण में अपने सुख एवं आराम का त्याग करके ईमानदारी से अपने कार्यस्थल पर कार्यरत रहते हुए अपनी सेवाएं प्रदान करते रहे थे। इसी बात का ध्यान रखते हुए रात में कार्यरत रहने वाले चंद्रपुर पुलिस के सभी कर्मचारियों एवं अधिकारियों को उनके कार्यस्थल पर पहुंचकर जे सी आय चंद्रपूर ईलीट के सदस्यों द्वारा गरम चाय वितरित की गई। जे सी आय चंद्रपूर ईलीट संस्था के नवनिर्वाचित अध्यक्ष आनंद मूंधडा ने जे सी आय संस्था के माध्यम से पुलिस अधिकरियों एवं कर्मचारियों को नमन किया एवं उनका धन्यवाद व्यक्त किया। इस अवसर पर जयंत निमगड़े, आशीष मूंधड़ा, बिपिन भट्टड़, पार्थ कांचर्लावार एवं रुपेश राठी आदि उपस्थित थे।

रक्तदान शिविर संपन्न

भीलवाड़ा। बसंत बिहार गाँधीनगर माहेश्वरी क्षेत्रीय सभा युवा व महिला संगठन द्वारा गणेश मंदिर धर्मशाला में आयोजित रक्तदान शिविर में 85 यूनिट रक्त संग्रहण किया गया। शिविर का शुभारम्भ जिला अध्यक्ष दीनदयाल मालू, सचिव देवेंद्र सोमानी, नगर अध्यक्ष केदारमल जागेटिया, सचिव अतुल राठी, जिला सचिव सत्येंद्र बिड़ला, जिला युवा अध्यक्ष प्रदीप पलोड़, नगर युवा अध्यक्ष हरीश पोरवाल आदि ने किया। शिविर में 15 युवाओं ने पहली बार रक्तदान किया व आठ महिलाओं तथा तीन जोड़ों ने भी रक्तदान किया। इसमें नेगेटिव ग्रुप वाले भी पांच रक्तदाता आये। युवा अध्यक्ष हरीश कांकाणी ने सभी अथितियों का दुपट्टा पहना कर स्वागत किया। क्षेत्रीय सभा के अध्यक्ष शांति लाल अजमेरा ने आभार व्यक्त किया। हरीश कांकाणी ने बताया कि क्षेत्रीय सभा के ओम नारानीवाल, राधेश्याम सोमानी, राजेन्द्र बिड़ला, शंकर लाल काबरा, अरविन्द राठी, घनश्याम बल्दवा, पवन राठी, रामनारायण लढ़ा, बद्रीनारायण राठी, मनीष अजमेरा, महिला सचिव लीला काबरा, शशि अजमेरा लीला राठी आदि उपस्थित थे।

साक्षी माहेश्वरी को मिला गोल्ड

जयपुर। साक्षी माहेश्वरी पुत्री कमल मंधना को राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर से एम.कॉम. बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर गोल्ड मेडल से नवाजा गया। साक्षी को 8 जनवरी 2021 को आयोजित दीक्षांत समारोह में यह गोल्ड मेडल प्रदान किया गया।

माहेश्वरी बने कैट प्रदेश उपाध्यक्ष

धार। कॉन्फ़ेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की मध्यप्रदेश इकाई द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय महामंत्री की अनुशंसा पर धार के वरिष्ठ कर सलाहकार एवं वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश महामंत्री महेश माहेश्वरी को प्रदेश का उपाध्यक्ष बनाया गया। समस्त स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

विवेकानंद जयंती का आयोजन

ब्यावर (राज.)। भारत विकास परिषद, स्थानीय शाखा द्वारा विवेकानंद जयंती के अवसर पर गत 12 जनवरी शाम 6 बजे से 8.30 बजे तक सुभाष सर्किल, अजमेरी गेट पर 'रंगोली सज्जा' व 'स्वामीजी का सानिध्य' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संरक्षक-लक्ष्मदास गुरनानी, शाखा अध्यक्ष - राजेन्द्र काबरा, उपाध्यक्ष-आलोक गुप्ता सचिव-प्रशान्त पाबुवाल आदि मौजूद रहे।

नववर्ष कैलेंडर का विमोचन

भीलवाड़ा। श्री महेश बचत एवं साख समिति समिति के संयोजक शांतिलाल डाड के सानिध्य में प्रदीप पलोड अध्यक्ष माहेश्वरी युवा संगठन, सुशील मरोठिया सचिव महेश प्रगति संस्थान, राहुल सोमानी डायरेक्टर न्यूवेव व मधु काबरा अध्यक्ष काशीपुरी माहेश्वरी महिला संस्थान के आतिथ्य में नववर्ष 2021 के कैलेंडर का विमोचन हुआ। विमोचन समिति के वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य राजेश सोमानी, रामेश्वर सोमानी, रामनिवास लड्डा, राम किशन सोनी, राजेंद्र प्रसाद कालिया, बद्री प्रसाद सोमानी, महावीर लढ़ा आदि द्वारा किया गया। महिला मंडल अध्यक्ष सुधा चांडक व मंत्री अमिता मूंदड़ा द्वारा अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। समिति के अध्यक्ष जगदीश इनानी व मंत्री नारायण लाहोटी द्वारा कैलेंडर की संपादकीय सलाहकार चेतना जागेटिया, निशा सोनी, अनीता सोमानी व संदीप लढ़ा का आभार व्यक्त किया गया। मंच का संचालन दिनेश काबरा द्वारा किया गया।

मूंदड़ा अध्यक्ष काबरा सचिव

चंद्रपूर। गत 5 जनवरी जे सी आय चंद्रपूर एलीट संस्था द्वारा चेप्टर के 12 वें पदग्रहण समारोह का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसमें वर्ष 2020-21 के लिए अध्यक्ष आनंद मुंधडा और सचिव अनुप काबरा चुने गये। जे सी आय चंद्रपूर ईलाइट संस्था के वर्ष 2019-20 के अध्यक्ष सी ए प्रतीक सारडा और सचिव रुपेश राठी अपने पद से निवृत्त हुए एवं वर्ष 2020-21 के लिए नई कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में चंद्रपूर महानगरपालिका के आयुक्त राजेश मोहीते एवं प्रमुख वक्ता के रूप में जे सी आय इंडिया के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मेघनाथ जानी, विशेष अतिथि के रूप में अंचल अध्यक्ष अनूप गाँधी एवं विधि समारोह अधिकारी के रूप में अंचल उपाध्यक्ष शिवराज टेकाडे उपस्थित थे।

वृद्धाश्रम को गीजर्स भेंट

जयपुर। श्री माहेश्वरी महिला परिषद् द्वारा जनसेवी कार्यों की श्रृंखला में 29 दिसम्बर को परिषद् की सदस्याओं की ओर से कृष्णधाम वृद्धाश्रम, विद्याधर नगर के निवासियों की सुविधार्थ 15 लीटर के 3 स्टोरेज गीजर्स भेंट किए गए। वृद्धाश्रम प्रभारी मंत्री मालचन्द्र बाहेती ने परिषद् की सदस्याओं का स्वागत किया एवं वृद्धाश्रम की ओर से महिला परिषद को धन्यवाद दिया। कोरोना काल में स्वास्थ्यवर्द्धक विटामिन सी टेबलेट्स भी आश्रमवासियों को परिषद् की ओर से भेंट की गईं। महिला परिषद अध्यक्ष रजनी माहेश्वरी ने बताया कि संगठन मंत्री शशि लखोटिया द्वारा वृद्धाश्रम हेतु गीजर्स की आवश्यकता की जानकारी दिए जाने पर जनकल्याण के इस नेक कार्य में स्वैच्छिक आर्थिक सहयोग देने में परिषद कार्यकारिणी की कई सदस्याएं अग्रणी रहीं। परिषद सचिव स्नेहलता साबू एवं कोषाध्यक्ष अल्पना शारदा ने सभी सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

मच्छरदानियों का किया वितरण

चंद्रपुर। स्थानीय गवर्नमेंट हॉस्पिटल में जे सी आय चंद्रपूर एलीट संस्था द्वारा मकर संक्रांति के उपलक्ष्य और अँचल अध्यक्ष अनूप गाँधी के जन्मदिन के अवसर पर पूर्व अँचल अध्यक्ष भारत बजाज व जे सी आय चंद्रपूर एलीट अध्यक्ष आनंद मुंधडा के नेतृत्व में छोटे नवजात शिशु के लिए 100 मच्छरदानी वितरित की गई। इनका वितरण अँचल अध्यक्ष श्री गाँधी के हाथो किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के पीछे प्रकल्प निर्देशक श्रेयस सुराणा और साकेत कोतपल्लीवार का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर अन्य सदस्य सचिव अनूप काबरा, आशीष पोद्दार, पीयूष माहेश्वरी, योगेश तोषनीवाल, आश्विन सारडा आदि सदस्यों ने सहकार्य किया।

वनवासियों की सहायता

जूनापानी। वनांचलो के गाँव के गरीब आदिवासी परिवारों को 150 गर्म कंबल, कपड़े व बर्तन बांटे गये। उपरोक्त सामानो में दानदाता प्रकाश राठी, सूरजनारायन मोहता, घनश्याम सोमानी, आरती ज्वेलर्स, आर.आर.ज्वेलर्स, मोनू अग्रवाल, हरी ज्वेलर्स आदि का योगदान रहा।

स्व. श्री माहेश्वरी की स्मृति सभा सम्पन्न

मथुरा। प्रतिष्ठित समाचार पत्र अमर उजाला के सह संस्थापक स्व. श्री मुरलीलाल माहेश्वरी की 32वीं पुण्यतिथि पर स्मृति सभा का आयोजन माहेश्वरी परिवार मथुरा द्वारा किया गया। माहेश्वरी परिवार के रितेश माहेश्वरी ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि स्व. श्री माहेश्वरी के निर्देशन में उनकी अथक मेहनत व प्रयास से जो एक पौधा लगाया गया था वह आज एक वटवृक्ष बन चुका है। अमर उजाला समाचार पत्र समूह ने पत्रकारिता जगत में एक बहुमूल्य कीर्तिमान स्थापित किया है। स्मृतिसभा में उपस्थित परिवार के समस्त लोगों ने भी उनका स्मरण करते हुए अपने विचार व्यक्त किये। स्मृति सभा में रितेश माहेश्वरी, संतोष कुमार माहेश्वरी, मन्तोष कुमार माहेश्वरी, कृष्ण कुमार माहेश्वरी, संजीव कुमार माहेश्वरी, राजकुमार माहेश्वरी आदि उपस्थित थे।

यदि आप नहीं जानते हैं तो पूछिये।
यदि किसी बात से सहमत नहीं है तो चर्चा करिए।
यदि आपको कुछ पसंद नहीं है तो बताइये,
लेकिन चुप रहकर किसी निर्णय तक मत पहुँचिए ?

रीना डाड हुई सम्मानित

भीलवाड़ा। राष्ट्र भाषा हिन्दी प्रचार समिति महाराष्ट्र पुणे द्वारा संस्था का वार्षिक राष्ट्रीय स्तर का सम्मान प्रति वर्ष जनवरी के प्रथम सप्ताह में घोषित किया जाता है एवं राष्ट्रीय हिन्दी दिवस 14 सितंबर को सम्मान समारोह में भेंट किया जाता है। इस श्रृंखला में वर्ष 2020 के लिए संस्था का राष्ट्रीय स्तर का यह वार्षिक 'राष्ट्र भाषा हिन्दी प्रचार सम्मान' भीलवाड़ा की श्रीमती रीना डाड को भेंट किया जा रहा है। श्रीमती डाड विभिन्न शैक्षणिक, सामाजिक, सांस्कृतिक व सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से हिन्दी के प्रचार प्रसार में अपना योगदान दे रही हैं।

कल आज और कल की प्रस्तुति

कोटा। गत 26 दिसम्बर को कम्प्यूटर नेटवर्किंग एवं एडवांस तकनीकी शिक्षा समिति ने नाटिका ''कल, आज और कल'' 27 प्रदेशों की समिति संयोजिकाओं के सहयोग से प्रदर्शित की गई। इसमें बीते हुए 'कल' में टेलीफोन, टेलीविजन, रेडियो, पे ऑर्डर, टाईप राइटर आदि पुराने जमाने में चलने वाली टेक्नॉलोजी से परिचय करवाया। साथ ही 'आज' में फेसबुक, वेबसाइट, क्यूआर कोड, आरोग्य सेतु ऐप, ऑनलाइन शॉपिंग व मेडिकल हेल्प, लिंकडन, जूम, जीपीएस, ऑनलाइन बैंकिंग आदि टेक्नॉलोजी के परिवर्तन से परिचित करवाते हुए आने वाला ''कल'' यानि 2050 में टेक्नॉलोजी की प्रगति बताते हुए उस समय कैसी होगी स्कूल, फ्लाईंग कार, स्पेस टुरिज्म, मेडिकल ट्रीटमेंट कैसे होगा इत्यादि दिखाया।

संस्कृति समिति ने दी प्रस्तुति

कोटा। राष्ट्रीय संगठन की कार्यकारिणी मीटिंग के तहत पर्व एवं सांस्कृतिक समिति द्वारा 28 दिसम्बर को सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत माधुर्य भाव उत्सव (पूर्वांचल), नूतन रसरंग उत्सव, (दक्षिणांचल) लंबोदर जन्मोत्सव, (मध्यांचल) रघुकुल आनंद उत्सव (उत्तरांचल) एवं मुर्लीश्वर जन्मोत्सव (पश्चिमांचल) टॉपिक्स पर प्रस्तुति दी गई। मूर्लीश्वर नंदोत्सव राष्ट्रीय अध्यक्षा आशा माहेश्वरी एवं पूर्व अध्यक्ष शोभा सादानी को पौत्र रत्न प्राप्ति पर बधाई स्वरूप मनाया गया। कार्यक्रम में प्रभारी प्रमुख मंजू कोठारी, राष्ट्रीय समिति प्रभारी पुष्पा सोमानी, आंचलिक सह प्रभारी निशा लड्डा, सुनीता जैथलिया, मनीषा लड्डा, प्रमिला चोला, चंदा काबरा की सहभागिता रही। विशेष संयोजिका किरण मानधना (कोटा) थीं।

चांडक की एलबम होगी रिलीज

भीलवाड़ा। माहेश्वरी सभा गुलाबबाग शाखा के सह-सचिव दिनेश बजाज एवं माहेश्वरी महिला मंडल की गुलाबबाग शाखाध्यक्ष संतोष बजाज की सपुत्री व उभरती गायिका मुंबई निवासी संगीता चांडक ने गायन के क्षेत्र में अपना प्रतिष्ठित स्थान बनाया है। उनकी शादी राजस्थान के नोखा शहर निवासी जगदीश प्रसाद चांडक के पुत्र पंकज चांडक से हुई है। अब वो आपने पति के साथ मुंबई में भयंदर इलाके में रहती है। उन्होंने बताया कि बचपन से ही उन्हें गाने का शोक है। अतः उनकी दो एलबम भक्ति गाने पर निकल रही है। जिसमें एक ''सालासर बाबा अंजनी को लालो देव निरालो'' है, जो देश विदेशों में धमाल मचा रही है। श्री श्याम बाबा पर ''ये खाटूवाला ये मुरलीवाला'' निकलने वाली है, जिसकी शूटिंग व रिकॉर्डिंग का कार्य अंतिम चरण में है। पहले एलबम के गाने की रिलीज के वीडियो की खबर जैसे ही गुलाबबाग शहर पहुची, वैसे ही सभी जगह से उनके पीहर में बधाई देने के लिए समाज के पदाधिकारियों व सदस्यों का तांता लग गया।

खुशबू का किया सम्मान

फारबिसगंज। स्थानीय माहेश्वरी सभा, महिला मंडल एवं युवा संगठन ने फारबिसगंज मारवाड़ी जैन समाज से लेफ्टिनेंट बनी खुशबू जैन को मोमेन्टो और प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर झारखंड बिहार प्रदेश माहेश्वरी सभा सह प्रधान मीडिया प्रभारी राजकुमार लढ़ा, फारबिसगंज माहेश्वरी सभा अध्यक्ष प्रदीप राठी, सचिव अशोक खेमानी, पूर्व अध्यक्ष विजय लखोटिया, रामोतार लखोटिया, श्याम सोमानी, दिलीप खेमानी, अरुण खेमानी, सुरेश राठी, पवन सोमानी, ललित राठी, गणेश बाहेती पूर्णिया अंचल महिला मंडल उपाध्यक्ष संगीता बाहेती, फारबिसगंज महिला मंडल अध्यक्ष मंजू मुंदड़ा, सचिव लक्ष्मी राठी, कोषाध्यक्ष संतोष राठी, मीना बाहेती, सम्पत बाहेती, गायत्री सोनी, शशी सारडा, सरस्वती सारडा पूनम राठी, कौशल सोमानी आदि मौजूद थे।

केवल आत्मविश्वास होना चाहिए।
ज़िंदगी तो कहीं से भी शुरू हो सकती है।

वैक्सीन की खुशी में भजन कीर्तन

उदयपुर। महेश महिला माहेश्वरी सोसाइटी ने नव वर्ष पर भारतवर्ष में निर्मित कोरोना वैक्सीन से शुरू हुए टीकाकरण अभियान की खुशी एवं समस्त समाज जनों के उत्तम स्वास्थ्य की मंगल कामना के लिए गोवर्धन सागर स्थित पशुपतेश्वर महादेव मंदिर में भजन कीर्तन किया गया। सोसाइटी की प्रचार प्रसार मंत्री आराधना सोमानी ने बताया कि भजन कीर्तन कार्यक्रम में समाज की महिलाओं ने बड़े उत्साह के साथ कोरोना गाइडलाइन का पालन करते हुए मास्क लगाकर भजन कीर्तन एवं नृत्य कर कोरोना मुक्त संपूर्ण विश्व के लिए भोलेनाथ को प्रसन्न किया गया। कार्यक्रम में सोसायटी अध्यक्ष नीलम पेडीवाल, सचिव सुनीता राठी, कोषाध्यक्ष दीक्षा मंत्री, उपाध्यक्ष उर्मिला देपुरा, खेल मंत्री किरण मंडोवरा, प्रचार प्रसार मंत्री आराधना सोमानी, कार्यकारिणी सदस्य निर्मला परतानी, यशोदा मंडोवरा, सलाहकार शांता माहेश्वरी, संरक्षक कांता भदादा आदि उपस्थित थीं।

रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

वाराणसी। बीएचयू व मंडलीय अस्पताल के ब्लड बैंक में खून की कमी को देखते हुए नगर की सामाजिक संस्था माहेश्वरी क्लब ने रक्तदान शिविर का आयोजन किया। बड़ी पियरी स्थित बरनवाल सेवा सदन और महमूरगंज स्थित माहेश्वरी भवन में लगे इस शिविर में 65 लोगों ने रक्तदान कर जरूरतमंदों की जान बचाने का संकल्प लिया। शिविर का शुभारम्भ पूर्वांचल विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष दयाशंकर मिश्र दयालु ने किया। शिविर में गौरव राठी, आशीष सोनी, लाला चांडक, पवन धूत, पूजा कोठारी, धीरज मल्ल, प्रशान्त लखोटिया, राहुल कोठारी, मनीष काबरा आदि लोग मौजूद रहे।

आप चाहकर भी अपने प्रति लोगों की धारणा को नहीं बदल सकते हो । इसलिए सुकून से अपनी जिन्दगी जिएं, और खुश रहें ॥

मकर संक्रांति पर सहयोग

उज्जैन। स्थानीय श्री माहेश्वरी महिला मंडल नरसिंह मंदिर द्वारा मकर सक्रांति के महापर्व पर सेवा भारती वनवासी कन्या छात्रावास में दाल-चावल, तेल का डिब्बा, शक्कर, चायपत्ती, बिस्किट, नमकीन इत्यादि सामग्री भेंट की गई। इस अवसर पर प्रभा केला, शीला राठी, कमला साथल, भारती कोठारी, पुष्पा कोठारी, रेखा लड्ढा आदि सदस्याऐं उपस्थित थीं। उक्त जानकारी सचिव उषा भट्टड़ ने दी।

मोदानी बने टाई राजस्थान अध्यक्ष

जयपुर। वर्ष 2021 आशाओं से भरा है और इस नए वर्ष में टाई राजस्थान 'वुड बी', 'एस्पायरिंग टू बी' और 'एस्टेब्लिशेड' एंटरप्रेन्योर्स के लिए कई नए कार्यक्रम लेकर आएगा। सही मायनों में एक एंटरप्रेन्योर वही है जो दूसरों को प्रेरित करे और स्वयं भी हमेशा कुछ नया करने को प्रेरित रहे। डॉ. रवि मोदानी ने टाई राजस्थान के वार्षिक कार्यक्रम में टाई टाउनहॉल में वर्ष 2021-22 के लिए अध्यक्ष पद पर स्वीकारते हुए उक्त विचार व्यक्त किये। टाई टाउनहॉल कार्यक्रम का आयोजन एक नए 'हाईब्रिड मोड' में हुआ, जहां सीमित सदस्यों ने प्रत्यक्ष रूप में और अन्य ने वर्चुअली भाग लिया। चिराग पटेल ने अपना अध्यक्ष कार्यकाल सफलतापूर्वक पूरा होने पर सभी सदस्यों का धन्यवाद दिया।

मिलन समारोह का किया आयोजन

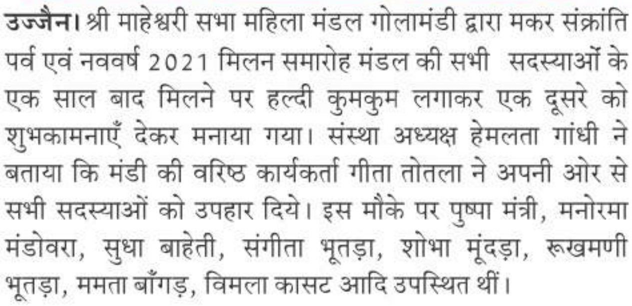

उज्जैन। श्री माहेश्वरी सभा महिला मंडल गोलामंडी द्वारा मकर संक्रांति पर्व एवं नववर्ष 2021 मिलन समारोह मंडल की सभी सदस्याओं के एक साल बाद मिलने पर हल्दी कुमकुम लगाकर एक दूसरे को शुभकामनाएँ देकर मनाया गया। संस्था अध्यक्ष हेमलता गांधी ने बताया कि मंडी की वरिष्ठ कार्यकर्ता गीता तोतला ने अपनी ओर से सभी सदस्याओं को उपहार दिये। इस मौके पर पुष्पा मंत्री, मनोरमा मंडोवरा, सुधा बाहेती, संगीता भूतड़ा, शोभा मूंदड़ा, रूखमणी भूतड़ा, ममता बाँगड़, विमला कासट आदि उपस्थित थीं।

11 वर्षीय भाविका ने की राम कथा

सूरत। श्री राम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण के लिए निधि संग्रहण हेतु सूरत माहेश्वरी भवन में 11 वर्षीय बाल कथाकार भाविका माहेश्वरी द्वारा एकदिवसीय रामायण कथा का पाठ हुआ। इस तरह की कथा अयोध्या राम मंदिर के लिए देश मे पहली बार होगी। इस मौके पर पूर्णिमा कोठारी (कलकत्ता) की विशेष उपस्थिति रही। पूर्णिमा राम मंदिर के लिए 1990 की कार सेवा में शहीद होने वाले एवं राम मंदिर सपने को जन जन तक पहुँचाने वाले राम-शरद कोठारी की बहन हैं। इस कथा में लाखों रु का सहयोग प्राप्त हुआ। इसमें प्रमुख रूप से बालमुकुंद चांडक द्वारा 121121/-रु., श्याम झंवर द्वारा 111000 एवं मीठालाल घनश्याम केला द्वारा 101111 रुपये के सहयोग के साथ काफी लोगों ने सहयोग राशि की घोषणा की। इस कार्यक्रम का संचालन श्वेता जाजू ने किया एवं कथा प्रबंधन दिनेश राठी ने किया। विश्व हिन्दू परिषद हेड ऑफिस ने अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडल से सूरत की भाविका की राम कथा का ट्वीट भी किया। इस मौके पर सूरत जिला माहेश्वरी सभा जे अध्यक्ष अविनाश चांडक एवं टीम द्वारा पूर्णिमा कोठारी का सम्मान किया गया।

वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न

अड़ाजन-घुड़दौड़ रोड। स्थानीय माहेश्वरी सभा के कार्यकारी मंडल की वार्षिक साधारण सभा गत 17 जनवरी को सम्पन्न हुई। कार्यक्रम की शुरुआत सदस्यों द्वारा भगवान महेश की वंदना से की गई। सभा अध्यक्ष रामसहाय सोनी ने समाज द्वारा संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी एवं भव्य श्री राम मंदिर निर्माण में सहयोग की अपील की। सभा सचिव सुनील माहेश्वरी ने सत्र 2019-20 मे सम्पन्न हुए कार्यों की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की एवं विभिन्न समाज प्रकल्पों में भामाशाहों द्वारा किये गये सहयोग के लिए धन्यवाद दिया गया। कोषाध्यक्ष विष्णु बसेर ने सत्र के आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। ओपन हाउस संचालन संगठन सचिव कृष्ण कुमार तापड़िया ने किया। बैठक में जिला माहेश्वरी सभा अध्यक्ष अविनाश चांडक, सचिव संदीप धूत, हनुमान लोहिया, रमेश जाखोटिया, ओमप्रकाश देवपुरा, राधेश्याम बजाज ,पवन बजाज, योगेश भांगड़िया, महेश भूतड़ा, डॉ एस एन बसेर, गोपाल लड्ढा सहित समाज के कई प्रबुद्ध सदस्य उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस पर रक्तदान

चंद्रपुर। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी गणतंत्र दिवस पर 'जे. सी. आई. चंद्रपुर एलाइट' द्वारा 'रक्तदान शिविर' सुबह 8.30 से दोपहर 1.00 तक स्थानीय लक्ष्मीनारायण मंदिर सभागृह, मेंन रोड, चंद्रपूर में आयोजित किया गया। शिविर में 85 लोगो ने रक्तदान किया। शिविर की सफलता के लिये जे सी आई एलाइट के अध्यक्ष आनंद मुंधडा, सचिव अनूप काबरा, आशीष मुंधडा, योगेश तोष्णीवाल, माधव डोडनी, अश्विन सारडा, प्रतीक सारडा, अनिरुद्ध पोपट, रुपेश राठी, ऋषिकांत जाखोटिया आदि ने सहयोग दिया।

रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

निगडी (पुणे)। स्व. श्री मुरलीधर नावंदर तथा स्व. अशोक नावंदर की स्मृति में प्रतिवर्षानुसार गत 3 जनवरी 2021 को श्री संत तुकाराम महाराज उद्यान के श्री विट्ठल मंदिर में रक्तदान शिविर संपन्न हुआ। इस शिविर में 290 युनिटस रक्त संकलन हुआ। इस कार्यक्रम में महेश बैंक पुणे के संचालक अजय लड्ढा, राष्ट्रवादी कांग्रेस के अशोक राठी, महेश सेवा संघ पुणे के पांडुलाल सोनी, सत्यनारायण मालू, डॉ. श्याम चांडक, जिला सभा उपाध्यक्ष मुरली सारडा आदि उपस्थित थे।

मकर संक्रांति पर सहभोज

नागदा। माहेश्वरी महिला मंडल ने खड़े हनुमान मंदिर परिसर में बड़े उल्लास के साथ मकर संक्रांति का त्योहार मनाया। इस अवसर पर मंडल ने सहभोज का आयोजन किया। सभी सदस्याओं ने एक दूसरे को हल्दी कुमकुम लगाकर उपहार व शुभकामनाएं दीं। मनोरंजक खेल आदि भी खेले गये।

**व्यक्तित्व की भी अपनी वाणी होती है
जो 'कलम' या 'जीभ' के
इस्तेमाल के बिना भी
लोगों के 'अन्तर्मन' को छू जाती है**

आंचलिक अधिवेशन 'युवा उड़ान' का होगा आयोजन

17 से 27 फरवरी तक विभिन्न कार्यशालाओं से करेंगे युवाओं का विकास

भीलवाड़ा। अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन के अंतर्गत आंचलिक अधिवेशन ''पश्चिमांचल युवा उड़ान 2021'' का आयोजन ''उड़ान हौसलों की, उड़ान उम्मीदों की'' जैसी सोच के साथ आगामी 17 से 27 फरवरी तक किया जाऐगा। इसमें प्रतिदिन विभिन्न कार्यशालाओं के आयोजन द्वारा युवाओं के सर्वांगीण विकास का प्रयास किया जाऐगा।

इस कार्यक्रम के लिये कार्यक्रम संयोजक पूर्वी राजस्थान निहारिका गगरानी तथा कार्यक्रम संयोजक दक्षिण राजस्थान संध्या आगीवाल को मनोनीत किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कार्यक्रमों की श्रृंखला में प्रथम दो दिवस 17 व 18 फरवरी को पश्चिमी राजस्थान द्वारा हिन्दी भाषा का ज्ञान व महत्व पर आधारित कार्यशाला ''हमारी मातृभाषा-हमारा गौरव'' का आयोजन किया जाऐगा। अगले दिन 19 फरवरी को उत्तरी राजस्थान द्वारा कार्यशाला ''अपने डॉ.स्वयं बनो'' में स्वास्थ्य की देखभाल के लिये विशेष चिकित्सकों द्वारा स्त्री रोग, प्राथमिक चिकित्सा, घरेलू नुस्खों, न्यूट्रीशन आदि से सम्बंधित जानकारी दी जाऐगी। दिनांक 20-21 फरवरी को पूर्वोत्तर राजस्थान द्वारा आपणी भाषा-मारवाड़ी पर केंद्रीत कार्यशाला ''मारवाड़ी बोले मिश्री घोले'' आयोजित होगी। इसी श्रृंखला में 22 फरवरी को दक्षिण राजस्थाान द्वारा कॅरियर तथा साइकोलॉजिकल काउंसलिंग का आयोजन होगा। 23 फरवरी को पूर्वी राजस्थान द्वारा आयोजित कार्यशाला ''हमारी संस्कृति अनमोल धरोहर'' द्वारा जन्म से मरण तक के रीति-रिवाज तथा सोलह श्रृंगार के वैज्ञानिक महत्व से परिचित करवाया जायेगा। 24 व 25 फरवरी को मध्य राजस्थान द्वारा ''वैदिक मैथ्स का जीवन से सम्बंध'' तथा पूर्वोत्तर राजस्थान द्वारा ''एरोमा संगीत थेरेपी व शास्त्रीय संगीत का जीवन में महत्व'' विषय पर कार्यशाला आयोजित होगी। अंतिम दिवस 27 फरवरी को आंचलिक बैठक आयोजित होगी। इस कार्यक्रम में विभिन्न ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताऐं भी आयोजित होंगी।

माहेश्वरी प्रीमियर लीग का हुआ आयोजन

चंद्रपूर। गत 16 एवं 17 जनवरी 2021 को एम ई एल मैदान,मूल रोड, चंद्रपुर में माहेश्वरी युवक मंडल द्वारा क्रिकेट श्रृंखला माहेश्वरी प्रीमियर लीग वर्ष 12 का आयोजन किया गया। इस श्रृंखला में कुल 06 गटों ने भाग लिया जिसमे, 1 चांदा ब्रिगेड - गट प्रमुख ललित कासट एवं श्रीकांत भट्टड़, 2 सुपर बनियाज - गट प्रमुख आशीष तोषनीवाल और उमेश सारडा, 3 श्रीहरी वारियर्स गट प्रमुख अनूप काबरा एवं किशन बजाज 4 वरोरा टाइगर्स - गट प्रमुख माहेश्वरी युवा मंच वरोरा, 5 राजुरा रॉयल्स गट प्रमुख हेमंत बजाज एवं संदीप जैन 6 गडचिरोली लायंस, गट प्रमुख माहेश्वरी सेवा समिति, गडचिरोली थे।

इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 11,111/- एवं रनर अप को 7,777/- पुरस्कार माहेश्वरी सेवा समिति, चंद्रपुर द्वारा प्रदान किया गया। इस प्रतियोगिता में गडचिरोली लायंस गट विजयी रहा और सुपर बनियाज गट रनर अप के स्थान पर रहा। मैन ऑफ़ द सीरीज का पुरस्कार गोविंद झंवर, गडचिरोली को दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चंद्रपुर शहर के आमदार किशोर जोरगेवार थे।

इस खेल प्रतियोगिता की ट्रॉफी के सौजन्य विनोद तेला थे। टी शर्ट के सौजन्य दिलीप चांडक तथा कैप्स के सौजन्य रामबंधू मसाले वितरक- प्रभाकर मंत्री थे। इस कार्यक्रम में विशेष उपस्थिति विदर्भ प्रादेशिक युवा संघटन के अध्यक्ष हिमांशु चांडक, सचिव प्रवीण कलंत्री, हेमंत मोहता एवं भावेश लड्ढा की थी। माहेश्वरी सेवा समिति के अध्यक्ष दामोदर सारडा, डॉ. सुशील मुंधडा, गौरीशंकर मंत्री, मुकुंद गांधी, कैलाशचंद्र सोमानी, दिनेश बजाज, नंदकिशोर तोषनीवाल, मानकचंद काबरा, दुर्गा सारडा, सुचिता राठी, सुनीता सोमानी आदि कई गणमान्यजन उपस्थित थे। आभार सचिव पंकज सारडा ने माना। उक्त जानकारी प्रचार प्रमुख आशीष मुंधड़ा ने दी।

केशव सीएस फाउंडेशन में अव्वल

सीहोर। केशव सोनी सुपुत्र नवीन एवं रुपाली सोनी ने इंस्टिट्यूट ऑफ़ कंपनी सेक्रेटरीज द्वारा आयोजित सी.एस. फाउंडेशन की परीक्षा 2020 में आल इण्डिया में चौथी रेंक प्राप्त करके अपने गुरुजनों, परिवार, समाज, नगर सहित प्रदेश का नाम गौरवान्वित किया है। केशव की इस उपलब्धि पर सभी स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

युवा समिति द्वारा नव वर्ष कैलेंडर विमोचित

हैदराबाद। माहेश्वरी मंडल उत्तर हैदराबाद द्वारा गठित माहेश्वरी युवा समिति ने हर वर्ष की तरह 2021 नव वर्ष के उपलक्ष्य में कैलेंडर विमोचन समारोह पैराडाइज स्थित होटल अन्नपूर्णा रेसीडेंसी में आयोजित किया। समिति के महामंत्री अभिषेक भक्कड़ ने बताया कि आशीष माहेश्वरी, गोपाल मंत्री एवं शेखर केला कार्यक्रम संयोजक थे। इस कैलेंडर को प्रकाशित करने में सोमानी इस्पात के निर्देशक अशोक कुमार सत्यनारायण सोमानी, रापलाप ऑनलाइन स्टोर के निर्देशक पवन कुमार, श्याम सुंदर लोहिया, एल. आई. सी. हाउसिंग फाइनेंस के प्रमुख अन्नराज बाफना जैन, लोक्या गेन्स एंड ज्वेल्स के निर्देशक वासुदेव लाहोटी, माहेश्वरी एलायड प्रोडक्ट्स के निर्देशक प्रमिल राजेंद्र स्वरूप माहेश्वरी आदि का विशेष योगदान रहा।

चार महिलाओं ने लिया देहदान संकल्प

भवानीमंडी। माहेश्वरी महिला मंडल के प्रयासों से भवानीमंडी नगर में 4 महिलाओं ने देहदान का संकल्प लिया। महिला मंडल सचिव मीनाक्षी जाखेटिया ने बताया कि गत 20 जनवरी को महिला मंडल द्वारा पोष बड़ा उत्सव आयोजित किया गया। इसमें वैभव माहेश्वरी धर्मपत्नी वीरेंद्र माहेश्वरी के साथ राजकुमारी देवी भूतड़ा, मधु मेड़तवाल एवं संध्या पाटीदार ने मरणोपरांत अपने देहदान का संकल्प करके प्रेरणास्पद कार्य किया। इस योगदान पर माहेश्वरी महिला मंडल के एवं भारत विकास परिषद के सदस्यों ने देहदान और नेत्रदान का संकल्प करने वालों का सम्मान किया। इस अवसर पर माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्ष संगीता कचोलिया, मंजू भराड़िया, आशा काया, मीनाक्षी जाखेटिया, अनुसुइया बंग, गीता चांडक, सुधा राठी, निशा भराडिया, शिखा बिरला, नीतू बाहेती आदि कई सदस्याऐं उपस्थित थीं।

राष्ट्रीय कुकिंग प्रतियोगिता में नेहा को स्थान

नागदा। समाज सदस्य गोविंदकुमार सोडानी की पुत्रवधु तथा सुरेशचंद्र गगरानी निवासी खाचरौद जिला उज्जैन की पुत्री नेहा प्रतीक सोडानी ने फेबिना ऑल इण्डिया कुकिंग काम्पीटिशन में 5वाँ स्थान प्राप्त कर परिवार, समाज व प्रदेश का नाम इण्डिया लेवल पर पहुँचाया है। फेबिना ऑल इंडिया कुकिंग कॉम्पीटीशन का रिजल्ट 18 जनवरी 21 को इंटरनेट पर आयोजक द्वारा प्रदर्शित किया गया। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

औद्योगिक योगदान के लिए नौलखा सम्मानित

भीलवाड़ा। नीतिन स्पिनर्स लिमिटेड के चेयरमैन, प्रख्यात समाजसेवी एवं उद्योगपति रतनलाल नोलखा को उद्योगों के विकास की दिशा में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए 'सीए बिजनेस लीडर मेनुफेक्चरिंग एण्ड इन्फ्रास्टक्चर' वर्ष 2020 के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टड अकाउंटेंट्स ऑफ इण्डिया द्वारा दिल्ली में आयोजित लीडरशिप समिट-2020 और 14वें आईसीएआई पुरस्कार समारोह में श्री नौलखा को यह पुरस्कार केन्द्रीय मंत्री नीतिन गडकरी ने दिल्ली के होटल अशोका के कन्वेंशन हॉल में प्रदान किया। समारोह में प्रतिष्ठित बिजनेस लीडर्स, प्रमुख चार्टड अकाउंटेंट (सीए), संस्थान के अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारियों ने भाग लिया।

वर्चुअल एक्सपो का डिजिटल शुभारंभ

कोटा। अखिल भारत वर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के पदाधिकारियों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम कृष्ण बिरला से भेंट कर महिलाओं द्वारा अप्रैल में लगाए जाने वाले वर्चुअल एक्सपो के प्रोजेक्ट का शुभारंभ किया । महिला सशक्तिकरण अंतर्गत डिजिटल इंडिया एवम मेक इन इंडिया को बढ़ावा देने के लिए इस 9 दिवसीय ऑनलाइन एक्सपो में सभी स्टाल्स महिलाओं द्वारा ही लगाई जाएगी एवं ये सातों दिन 24 घंटे खुली रहेंगी। समस्त लेनदेन ऑनलाइन किये जायेंगे ।एक्सपो का शुभारंभ प्रोजेक्ट पर क्लिक करके किया गया । साथ ही जनवरी 22 में कोटा में होने वाले महा अधिवेशन जिसमे 2500 महिलाओं की सहभागिता रहेगी, के पत्रक भी रिलीज़ किये । अखिल भारत वर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा माहेश्वरी एवम राष्ट्रीय कार्यालय मंत्री मधु ललित बाहेती ने आईएएस में चयन पर अंजलि बिरला का अभिनंदन भी किया।

सबल बनीं 65 हजार महिलाएं

वाराणसी। शहर की समाजसेवी मोहिनी झंवर हजारों महिलाओं एवं युवतियों को सबल बना रही हैं। इसके लिये उन्होंने 2012 में संबल संस्था स्थापित की थी। इसके तहत अब तक करीब 65 हजार महिलाओं को सिलाई, कढ़ाई, मोमबत्ती, कार ड्राइविंग सहित 18 कोर्स में प्रशिक्षण दिया गया। इससे महिलाएं स्वरोजगार को अपना रही हैं। नए वर्ष में यह संख्या एक लाख तक ले जाने का प्रयास है।

बधर माता का जागरण संपन्न

हैदराबाद। सोमाणी, मर्दा, छापरवाल, बागडी, मक्कड, परसावत, थिरानी, गदिया, दुजारी, कसेरा, मेहनानी, बिल्या और मैनानी आदि माहेश्वरी खाँपो की कुलदेवी बधरमाता का 11वाँ वार्षिक जागरण गत दिनों संपन्न हुआ। बधर माता माहेश्वरी सेवा समिति हैदराबाद के समन्वयकर्ता गोविन्द सोमाणी ने बताया कि समिति द्वारा विगत 10 वर्षो से माता का जागरण हैदराबाद में आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष सारे विश्व में कोरोना महामारी का भय व्याप्त है, इसलिए जागरण की परंपरा का पालन करते हुए बधरमाता माहेश्वरी सेवा समिति के प्रधान संयोजक राजेश सोमानी के निवास स्थान पर भजनों का आयोजन कर इसका यू-ट्यूब पर सीधा प्रसारण क्लिक मैजिक द्वारा करने का निर्णय लिया गया। दोपहर 3:30 बजे से बधरमाता का हवन व दुर्गा सप्तशती का पाठ संपन्न हुआ जिसमें राजेश सोमानी और विजय मरदा दोनों ने सपत्नी हवन संपन्न कराया। कार्यक्रम में सेवा समिति के कार्यकर्ता श्याम सोमानी, हनुमान सोमाणी, विठ्ठल सोमाणी, सुनील सोमाणी, गोवर्धन मर्दा, राज गोपाल मर्दा, ओमप्रकाश मर्दा, रामगोपाल मर्दा, पुरुषोत्तम सोमाणी झंडा वाले आदि का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम के अंत में कुलदेवी की आरती संपन्न हुई। महाप्रसादी के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम में डॉ सचिन मर्दा, रामगोपाल सोमाणी, विष्णु मर्दा, वेणुगोपाल सोमाणी विजयवाड़ा, पवन कुमार सोमाणी आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय थी।

पिकनिक पार्टी का आयोजन

नागदा। माहेश्वरी सोशल ग्रुप नागदा द्वारा पिकनिक पार्टी का आयोजन किया गया, जिसमें नए वर्ष में माहेश्वरी समाज के बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए निर्णय लिए गए। यह पिकनिक पार्टी कमला कृषि फार्म हाउस पर आयोजित की गई जिसमें झमक, सुषमा राठी, संजय रितु डांगरा, मनोज नेता, घनश्याम, सुनीता, राजेंद्र, प्रीति मालपानी एवं दिलीप, ज्योति मोहता, राजेंद्र प्रीति माहेश्वरी आदि मौजूद रहे।

राठी हुए सम्मानित

नागदा। भोपाल में दैनिक भास्कर द्वारा आयोजित एमिनेंस अवार्ड समारोह 2019-2020 में माननीय राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा नागदा से मनोज राठी (बारदान वाला) को निःशुल्क विद्यालय हेतु एवं गरीब निर्धन लोगों की निस्वार्थ समाजसेवा में उत्कृष्ट कार्यों के लिए राजभवन भोपाल में सम्मानित किया गया। स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

रंगनाथ कल्याणक उत्सव संपन्न

वरंगल। श्री लक्ष्मीवेंकटेश मंदिर में श्री स्वामीजी 1008 श्री घनश्यामाचार्य जी के मंगलाशासन से भगवान श्री गोधा रंगनाथ कल्याण महोत्सव गत 10 जनवरी को आयोजित हुआ। मुख्य यजमान मदनलाल-हरिनारायण मालाणी थे। मुख्य यजमान के निवास स्थान से भगवान को पालकी में सजाकर बैठाया और बारात के रूप में सभी भक्त नाचते गाते हुये मंदिर पहुंचे, जहाँ कल्याण महोत्सव का कार्यक्रम संपन्न हुआ।

श्रृद्धांजली

श्री ज्ञानचंद सोमानी

बरेली (उ.प्र.)। बिल्सी के मूल निवासी समाज के वरिष्ठ सदस्य ज्ञानचंद सोमानी का 98 वर्ष की आयु में गत 30 नवम्बर को स्वर्गवास हो गया। आप राजनीतिक रूप से भाजपा से सक्रिय रूप से सम्बद्ध थे। आप अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गये हैं।

श्री अमृतलाल बिसाणी

सोलापूर। स्थानीय माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ समाजसेवी श्री अमृतलाल-मोहनलाल बिसाणी का 92 वर्ष की अवस्था में गत 11 जनवरी को देहावसान हो गया। आपने समाज के कई महत्वपूर्ण पद पर रहकर आर्थिक पिछड़ों की तथा माहेश्वरी समाज के होनहार बच्चों की मदद की। आप अपने पीछे पुत्र - पुत्री सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गये हैं।

अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन समाज की वह भुजा है, जो अपनी युवा पीढ़ी को हीरे की तरह तराशने व उन्हें उन्नति के अवसर प्रदान करने के प्रति कृत संकल्पित है। संगठन ने कोरोना महामारी के बावजूद समाज की सेवा में अपने प्रकल्पों की गति को थमने नहीं दिया तो अब वर्ष 2021 में भी संगठन उन्नति का प्रकाश लेकर ही आया है। आईये देखें संगठन ने अध्यक्ष राजकुमार काल्या व महामंत्री आशीष जाखोटिया के नेतृत्व में क्या-क्या किया और क्या करने की योजना है?

'बहुत किया और बहुत करने की तमन्ना'-काल्या

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा त्रयोदश सत्र में कोरोना महामारी एवं लॉकडाउन की स्थिति में वित्तीय संकट का सामना कर रहे 3600 से अधिक जरूरतमंद माहेश्वरी परिवारों को दानदाताओं के सहयोग से प्रति परिवार 1500 रुपये की आर्थिक सहायता राशि उनके बैंक खाते में जमा कराई गई। 'श्री बसन्तीलाल मनोरमा देवी काल्या अ.भा. माहेश्वरी युवा फाउंडेशन' द्वारा समाज की उभरती हुई युवा प्रतिभाओं व राष्ट्रीय युवा संगठन द्वारा आयोजित समस्त प्रतियोगिताओ के चयनित प्रतिभाओं को प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कृत किया गया। लॉकडाउन के समय का सदुपयोग करते हुए समाज की उभरती हुई खेल, कला, साहित्य एवं सांस्कृतिक शिक्षा व अन्य क्षेत्र की 113000 से अधिक प्रतिभाओं को ऑनलाइन माध्यम से मंच प्रदान करने का प्रयास किया गया।

प्रतिभाओं को संवारने का हुआ सतत प्रयास

कार्यक्रम 'भावना-2020' में 6800 से अधिक समाज बंधुओं के लेख प्राप्त हुए। 'लाइव सिंगिंग कंसर्ट-कौन बनेगा सुपरस्टार' में 2350 से अधिक समाज बंधु वर्चुअल सम्मिलित हुए। 'धन्यवाद सुपरस्टार-2020' में 5000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। 'मां तुझे प्रणाम' में 4000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। 'महेश नवमी शुभकामना संदेश' में 2500 से अधिक प्रतिभागियों ने शुभकामना संदेश पोस्ट किए। पर्यावरण दिवस पर आयोजित 'सेल्फी विद सैंपलिंग' में 2750 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। विश्व योग दिवस पर आयोजित 'योगाभ्यास 2020' में 2500 से अधिक समाज बंधुओं ने योग करते हुए अपना वीडियो पोस्ट किया। 'ब्रेनहंट 2020' ऑनलाइन क्वीज में कक्षा 6 से 10 तक के 7738 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इसमें प्रत्येक कक्षा के प्रथम तीन प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।30000 से अधिक समाज बंधुओं एवं बहनों ने अल्प समय में ही अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के फेसबुक पेज को लाईक किया।

सतत चला सेवा यज्ञ

'अवॉर्ड सेरेमनी' में विभिन्न आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं की घोषणा की गई जिसमें 6250 से अधिक समाज बंधु सम्मिलित हुए। उक्त कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की गरिमामय उपस्थिति रही। महेश नवमी पर हजारों की संख्या में समाज बंधुओं ने एक सुर में महेश वंदना का गान किया। ''अपोर्चुनिटी इन एडवर्सिटी'' में रमेश दामानी, मधुसूदन केला, मंगलम मालू व चंदन तापड़िया द्वारा शेयर मार्केट व व्यापार-व्यवसाय की वर्तमान स्थिति तथा भावी संभावनाओं पर मार्ग प्रशस्त किया गया, जिसमें 4500 से अधिक समाज बंधु शरीक हुए। कार्यक्रम '100 मिनिट्स 100 स्ट्रेटेजिस' में देश के जाने-माने मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. विवेक बिंद्रा के साथ एसोसिएट होकर आयोजित की गई 'बिजनेस सेमिनार' में हजारों समाज बंधुओं ने भाग लिया। 'हास्य के रंग, अपनों के संग' लाइव कवि सम्मेलन में हजारों युवा साथियों को कोरोना के तनाव की स्थिति में हंसने हंसाने का मौका मिला। युवा संगठन के महत्वपूर्ण प्रकल्प लोहार्गल धाम में निर्मित माहेश्वरी भवन के लोकार्पण को एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में 'लोकार्पण दिवस' पर आयोजित 'एक शाम लोहार्गल धाम के नाम' लाइव भजन संध्या में 4125 से अधिक समाज बंधु शरीक हुए। वैश्विक महामारी कोविड-19 की आपदा की घड़ी में सेवा करने वाले हजारों कोरोना योद्धाओं को ऑनलाइन अभिनंदन पत्र प्रेषित किया गया। बच्चों में नैतिक मूल्यों की शिक्षा हेतु हेमा फाउंडेशन के साथ 'ई वैल्यू एजुकेशन' वेब पोर्टल की लॉन्चिंग की गई। भारत देश को 'आत्मनिर्भर' बनाने हेतु चाइनीज वस्तुओं का उपयोग नहीं करने का यथासंभव प्रयास करने एवं स्वदेशी वस्तुओं का ही उपयोग करने के लिए हजारों युवा साथियों को 'आत्मनिर्भर भारत' योजना के अंतर्गत ऑनलाइन संकल्प पत्र भरवाया गया। हेमा फाउंडेशन के सहयोग से प्रख्यात लेखक शिव खेड़ा, बिरला परिवार से अनन्या बिड़ला, प्रख्यात उद्योगपति वाघ बकरी चाय के पराग देसाई, किरण बेदी, प्रख्यात फिल्म एक्टर मनोज जोशी व सोनू सूद, शतरंज के प्रख्यात खिलाड़ी विश्वनाथ आनंद, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी,

दिलीप जोशी 'जेठालाल' से समाज बंधुओं को रूबरू कराया जा चुका है जिसमें हजारों की संख्या में समाज बंधु सम्मिलित हुए।

महाअधिवेशन व एक्सपो की तैयारी

युवाओं एवं समाज बंधुओं के व्यापार व्यवसाय में नई संभावनाओं के लिए, समाज के बायर-सेलर को आपस में कनेक्ट करने के लिए तथा उन्हें रोजगार दिलाने के लिए जल्द ही 'मोबाइल ऐप' की लॉन्चिंग की जा रही है। इसके साथ जल्द ही वर्चुअल 'युवा महाअधिवेशन' का आयोजन भी किया जाएगा जिसमें हजारों की संख्या में समाज बंधु उपस्थित होंगे। वर्चुअल 'माहेश्वरी एक्सपो 2020' का आयोजन किया जा रहा है जिसमें समाज की 1000 से अधिक स्टॉल्स सम्मिलित होंगी एवं हजारों की संख्या में विजिटर आएंगे। न्यू बिजनेस आइडिया कांटेक्ट 'स्टार्टअप' योजना को क्रियान्वित किया जा रहा है। युवाओं को स्वरोजगार हेतु लोन अपॉर्चुनिटी कार्य योजना को क्रियान्वित किया जा रहा है। कई स्थानों पर युवा संगठन द्वारा जरूरतमंद माहेश्वरी परिवारों को महासभा के सहयोग से 'आवास योजना' के अंतर्गत आवास उपलब्ध कराने की योजना को क्रियान्वित किया जा रहा है। युवा संगठन के महत्वपूर्ण प्रकल्प लोहार्गल धाम में भव्य मंदिर का निर्माण कार्य कोरोना वातावरण के सुधार होते ही जल्द शुरू किया जाएगा।

प्रतिभा विकास के साथ प्रोत्साहन

युवाओं में टेक्नोलॉजी से संबंधित स्किल डेवलपमेंट एजुकेशन हेतु माइक्रोसॉफ्ट, एप्पल, एडॉब, ऑटोडेक आदि विश्व की प्रख्यात कंपनियों से अनुबंध किया जा रहा है। राष्ट्रीय युवा संगठन जल्द ही लाइव 'युवा न्यूज़ बुलेटिन' का प्रसारण करेगा जिसमें माहेश्वरी समाज की समस्त न्यूज़ देखी जा सकेगी। भारत सरकार की 'आयुष्मान योजना' में पात्रता रखने वाले माहेश्वरी परिवारों का रजिस्ट्रेशन कराने का प्रयास किया जाएगा। 'युवा शिक्षा रत्न' के अंतर्गत कक्षा 10वीं व 12वीं के देशभर के टॉप 10 विद्यार्थियों के चयन हेतु हजारों की संख्या में प्रविष्ठियां प्राप्त हो रही हैं। युवाओं को सिविल सर्विसेज हेतु प्रोत्साहित करने हेतु ऑनलाइन कार्यक्रम की श्रंखला, वर्चुअल परिचय सम्मेलन, 'दिव्यांग प्रतिभा सम्मान समारोह', उभरती हुई खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने हेतु 'युवा खेल रत्न' का आयोजन किया जा रहा है। युवाओं को केरियर अपॉर्चुनिटी हेतु प्रख्यात उद्योगपतियों, मंत्रियों, फिल्म एक्टर की लगातार वेबीनार कराई जा रही है। महासभा व बांगड़ मेडिकल वेलफेयर सोसायटी के सहयोग से जरूरतमंद माहेश्वरी परिवारों की निःशुल्क मेडिक्लेम पॉलिसी कराने का प्रयास किया जा रहा है।

कुंभ मेला बैठक का होगा आयोजन

मथुरा। भगवान श्री कृष्ण की जन्मस्थली मथुरा एवं श्री राधा कृष्ण की परम पावन लीला स्थली श्री धाम वृंदावन की भूमि पर आगामी 16 फरवरी से 25 मार्च 2021 तक प्रत्येक 12 वर्ष की परम्परानुसार हरिद्वार कुंभ से पहले श्री धाम वृंदावन में कुंभ मेला बैठक का आयोजन किया जाऐगा। कुंभ मेले की यह परंपरा एक बार फिर 16 फरवरी बसंत पंचमी से निभाई जाएगी । इस धार्मिक आयोजन के उद्गम से जुड़े अनेक पौराणिक और ऐतिहासिक मत है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार समुद्र मंथन के उपरांत श्री धाम वृंदावन में श्री यमुना जी के तट पर काली देह स्थित कदंब के वृक्ष पर पक्षीराज गरुड़ ने अपनी मां को दासी भाव से मुक्त कराने के लिए अमृत कलश स्थापित किया था । इस कलश को उठाते समय अमृत की कुछ बूंदें यहां गिर गई थी । इसके आधार पर श्री धाम वृंदावन में कुंभ की परंपरा बनी जो कि निरंतर जारी है, इसका प्रमाण विभिन्न ग्रंथों में मिलता है। उक्त जानकारी देते हुए रितेश माहेश्वरी ने लोगों से इस पावन उत्सव में सम्मिलित होकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की।

श्री गिरधरगोपाल बंग के 75वें जन्मदिन के अवसर पर स्वागत करते हुए माहेश्वरी समाज हैदराबाद-सिकन्दराबाद की अध्यक्ष शकुन्तला नावंदर साथ में रमेश-प्रेमलता बंग एवं छगनलाल नावंदर।

श्री माहेश्वरी टाईम्स के स्वामित्व के बारे में जानकारी देखें

नियम - 4

प्रकाशक का नाम	श्री माहेश्वरी टाईम्स (मासिक)
भाषा	हिन्दी
प्रकाशन की अवधि	2 तारीख (हर माह की अंग्रेजी)
प्रकाशक का नाम	सरिता बाहेती
मुद्रक का नाम	सरिता बाहेती
संपादक का नाम	पुष्कर बाहेती
क्या भारत का नागरिक है?	हाँ
मुद्रक	ऋषि ऑफसेट, गोलामंडी, उज्जैन (म.प्र.)
प्रकाशन का स्थान	ऋषि ऑफसेट, गोलामंडी, उज्जैन (म.प्र.)

उन व्यक्तियों के नाम व पते जो सरिता बाहेती समाचार पत्र के स्वामी हो तथा पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के हिस्सेदार हो।

मैं सरिता बाहेती एतद् द्वारा घोषित करती हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी विश्वास के अनुसार ऊपर दिये गये विवरण सत्य है।

सबको साथ लेकर चलिये मगर कभी अकेला भी चलना पड़े तो डरिये मत क्यों कि समस्या, श्मशान, शिखर सिंहासन पर व्यक्ति हमेशा अकेला ही होता है।

वर्तमान में रिटेल चेन मॉल ''डी मार्ट'' से देश का शायद ही कोई क्षेत्र अपरिचित हो। कारण है कि यह देश के कोने-कोने में स्थित अपनी शाखाओं द्वारा उत्कृष्ट व विश्वसनीय सेवा दे रहा है। यही कारण है कि भारत में डी मार्ट का राष्ट्र स्तर पर तीसरा स्थान है। आपको यह जानकार हर्ष होगा कि देश को रिटेल व्यवसाय डीमार्ट की सौगात देने वाले भी माहेश्वरी हैं, मिस्टर व्हाईट के नाम से ख्यात व्यवसायी मुम्बई निवासी राधाकिशन दम्मानी, जो व्यवसाय जगत में देश भर में सबसे सम्पन्न व्यक्तियों में 12वाँ स्थान रखते हैं। श्री माहेश्वरी टाईम्स श्री दम्मानी को उनकी सफल व्यावसायिक यात्रा के लिये ''माहेश्वरी ऑफ द ईयर अवार्ड'' प्रदान करते हुए गौरवान्वित महसूस करती है।

टीम SMT

रिटेल व्यवसाय ''किंग'' मिस्टर व्हाईट राधाकिशन दम्मानी

''डी मार्ट'' वर्तमान में देश की एक ऐसी विशाल रिटेल व्यवसाय चेन है, जो अपनी सैकड़ों शाखाओं तथा लाखों कर्मचारियों के साथ देश के कोने-कोने में अपनी सेवा देते हुए हर देशवासी की जुबान पर हरदम रहने वाला एक नाम बन चुकी है। यह कम्पनी वर्तमान में देश की तीसरी शीर्ष रिटेल व्यवसाय करने वाली कम्पनी के रूप में आईपीओ में रजिस्टर्ड है। इस उपलब्धि के बाद एक सर्वेक्षण के अनुसार श्री दम्मानी देश के शीर्ष 20 भारतीय अरबपतियों के रूप में प्रतिष्ठित हैं। पत्रिका ''फोर्बस'' के अनुसार श्री दम्मानी का देश के शीर्ष सम्पन्न व्यवसायियों में 12वाँ स्थान है। श्री दम्मानी दो बार मुम्बई के सबसे बड़े 'टेक्सपेयर' का सम्मान भी प्राप्त कर चुके हैं। इतना ही नहीं रिटेल व्यवसाय के साथ-साथ श्री दम्मानी एक ऐसे देश के शीर्ष पूंजी निवेशक भी हैं, जो कई प्रमुख कम्पनियों को आर्थिक सम्बल प्रदान कर रहे हैं। एक दशक से अधिक समय तक काजल की कोठरी माने जाने वाले शेयर व्यवसाय से सम्बद्ध रहकर अकुत सम्पत्ति अर्जित करने के बावजूद श्री दम्मानी अपने प्रसिद्ध नाम ''मि. व्हाईट'' की तरह बिल्कुल साफ-सुथरा और निष्कलंक ही रहे। वैसे ''मि. व्हाईट'' नाम उनके परिचितों ने उनके पहनावे के कारण दिया है। कारण है श्री दम्मानी अक्सर सफेद ट्राऊजर तथा सफेद शर्ट ही पहनना पसंद करते हैं।

व्यवसायी परिवार में लिया जन्म

श्री दम्मानी का जन्म सन् 1954 में बीकानेर (राजस्थान) के एक परम्परागत मारवाड़ी परिवार में श्री शिवकिशन दम्मानी व सरस्वती देवी के यहाँ हुआ था। गोपीकिशन दम्मानी का भाई के रूप में साथ मिला। पिताजी शिवकिशनजी स्टॉक मार्केट व्यवसाय से सम्बद्ध थे। अतः श्री दम्मानी को बचपन से व्यावसायिक माहौल अवश्य मिला लेकिन इसके बावजूद आपका शेयर बाजार की ओर रूझान नहीं था। स्कूली शिक्षा पूर्ण कर श्री दम्मानी ने ''मुम्बई विश्वविद्यालय'' से बी.कॉम. के लिये प्रवेश लिया लेकिन रूझान व्यवसाय की ओर अधिक होने से पढ़ाई में अधिक मन नहीं लगा और अपनी इस उच्च शिक्षा को आपने अधूरा ही छोड़ दिया।

ऐसे बढ़े शेयर बाजार की ओर कदम

श्री दम्मानी ने अपनी बी.कॉम. की पढ़ाई तो अधूरी छोड़ दी लेकिन अब उनके सामने व्यवसाय प्रारम्भ करने की चुनौती थी। पिता के शेयर व्यवसाय के प्रति श्री दम्मानी का रूझान नहीं था। आखिरकार पर्याप्त

चिंतन के बाद श्री दम्मानी ने ''बॉल बेयरिंग विक्रय'' व्यवसाय का अपने कॅरियर के रूप में चयन किया। इसी दौरान दुर्भाग्य से पिताजी का देहावसान हो गया और उनके व्यवसाय की पूरी जिम्मेदारी भाई गोपीकिशनजी पर आ गयी। ऐसी स्थिति में पारिवारिक जिम्मेदारी के चलते अपने ''बॉल बेयरिंग विक्रय'' व्यवसाय को बंद कर श्री दम्मानी को अपने भाई के साथ मिलकर शेयर बाजार में न चाहते हुए भी कदम रखना ही पड़ा। वैसे आपके भाई गोपीकिशनजी पूर्व से ही शेयर व्यवसाय को सम्भाल रहे थे। इसमें राधाकिशनजी ने सर्वप्रथम स्टॉक मार्केट की क्रिया प्रणाली को देखकर और सीखकर समझना प्रारम्भ किया।

शेयर बाजार की विशेषज्ञता का सफर

कुछ दिनों तक शेयर बाजार को देख समझने के बाद वे शेयरों के उतार-चढ़ाव का अनुमान लगाने लगे। इसके आधार पर श्री दम्मानी ने 32 वर्ष की उम्र में स्टॉक मार्केट में अपने प्रथम निवेश से शेयर व्यवसाय की शुरूआत की। अपने अनुमान के आधार पर वे निवेश तो करते थे, लेकिन इसमें उन्हें वह सफलता प्राप्त नहीं हो पा रही थी, जिसकी अपेक्षा उन्हें थीं। शीघ्र ही वे यह समझ गये कि मात्र अनुमान से इस जोखिम भरे व्यवसाय में सफलता प्राप्त करना सम्भव नहीं है। क्योंकि इस व्यवसाय के कई ऐसे गुर हैं, जिन्हें सिखने के लिये ''गुरू'' जरूरी है। बस उन्होंने शेयर बाजार में निवेश के ऐसे गुर सीखना प्रारम्भ कर अपनी पूंजी की वृद्धि करना शुरू कर दिया। उनके इस प्रयास में किस्मत से उन्हें शेयर बाजार में निवेश के विशेषज्ञ के रूप में वर्ष 1990 के प्रारम्भ में दलाल स्ट्रीट के किंग माने जाने वाले चंद्रकांत सम्पत का साथ मिला। वे उनसे अत्यधिक प्रभावित हुए।

ऐसे चली सफलता की यात्रा

श्री दम्मानी अपनी प्रारम्भिक असफलताओं के कारण को समझ गये थे, जो उन्हें कम समय के निवेश से मिली थी। बस उन्होंने इसे समझ कर कुछ दीर्घावधि के लिये निवेश करना प्रारम्भ कर दिया। वर्ष 1980 के मंदेड़िये के रूप में ''दलाल स्ट्रीट'' पर एक तरह से शेयर बाजार के ''कोबरा'' कहे जाने वाले मनु माणेक का राज चलता था। श्री दम्मानी ने उन्हें देखकर मंदेड़िया के रूप में किये जाने वाले शेयर व्यवसाय के गुर सीखे। धीरे-धीरे वे मनु माणेक से सीखे इन गुरों का स्वयं भी उपयोग करने लगे और तत्कालिक तौर पर शेयर बाजार की महाशक्ति कहे जाने वाले शेयर दलाल हर्षद मेहता के साथ प्रतिस्पर्धा में खड़े हो गये। हर्षद मेहता वर्ष 1992 में भारतीय इतिहास के सबसे बड़े शेयर घोटाले का मास्टर माइंड था।

''ट्रिपल-आर'' बने हर्षद की चुनौती

वर्ष 1980 के अंत से लेकर 1990 के प्रारम्भ का समय स्टॉक मार्केट का ''डार्क फेज'' माना जाता है। इस अवधि में हर्षद मेहता का पूरे शेयर मार्केट पर एक तरह से इस तरह कब्जा था कि शेयर के भाव उनकी इच्छा से घटते तथा बढ़ते थे। व्यवसाय में हर्षद को टक्कर देने के लिये श्री दम्मानी ने शेयर बाजार के तीन आर अर्थात ''ट्रिपल - आर'' की एक जोड़ी बनाई। इस ट्रिपल आर में एक स्वयं, दूसरे राजू दी चार्टिस्ट तथा तीसरे भी 'आर'' से नाम प्रारम्भ होने वाले एक ''रुकी'' निवेशक थे। ट्रिपल आर व हर्षद सिर्फ प्रतिस्पर्धी ही नहीं थे, बल्कि उन्होंने मिलकर एक भारतीय टायर कम्पनी ''अपोलो टायर्स'' में निवेश भी किया था। फिर इनके ग्रुप को हर्षद की कार्यप्रणाली सही नहीं लगी और यहीं से इनके रास्ते पूरी तरह अलग हो गये। इस बीच वर्ष 1992 तक व्यवसाय जगत में हर्षद से इनका संघर्ष चलता ही रहा। फिर हर्षद के शेयर घोटाले के उजागर होने के बाद स्टॉक मार्केट पर ''ट्रिपल-आर'' का ही लगभग एक छत्र राज्य हो गया।

फिर बदली निवेश नीति

''शार्ट सेलिंग'' टेक्निक से हर्षद से प्रतिस्पर्धा में श्री दम्मानी भी अच्छा मुनाफा कमा रहे थे लेकिन जब शेयर घोटाले में हर्षद दोषी करार दिये गये तो पूरा शेयर बाजार प्रभावित हो गया। ऐसे में स्वयं श्री दम्मानी भी कैसे अप्रभावित रह सकते थे? वे भी अभी तक शार्ट टर्म इन्वेस्टर ही थे, ऐसे में उन्हें 'लांग टर्म इन्वेस्टर' बनने के लिये बहुत संघर्ष करना पड़ा। इसके लिये उन्होंने कई कंपनियों की आधारभूत संरचना तथा लांग टर्म इन्वेस्टरमेंट के तरीकों को समझा और विभिन्न बहुराष्ट्रीय कम्पनी, बैंकिंग कम्पनीज तथा कंज्यूमर कम्पनियों में निवेश प्रारम्भ कर दिया। वर्ष 1999 से वर्ष 2000 की अवधि स्टॉक मार्केट में भी 'टेक्नोलॉजी बूम' लेकर आयीं। श्री दम्मानी अभी तक अपने व्यवसाय में पुरानी तकनीकों का ही उपयोग कर रहे थे। अतः उन्हें हानि उठानी पड़ी। समय की मांग को समझते हुए श्री दम्मानी भी नवीन तकनीकों को स्वीकारते हुए ''वेल्यू इंवेस्टर'' बन गये। श्री दम्मानी ने अपनी दीर्घ अवधि के निवेश की नीति के अंतर्गत जीई केपिटल ट्रांसपोर्टेशन इण्डस्ट्रीज, वीएसटी इंडस्ट्रीज, सम्टैल लि., सोमानी सिरामिक्स, जयश्री टी, 3 एम इंडिया, सेन्च्युरी टेक्सटाईल एण्ड इंडस्ट्रीज आदि कई प्रतिष्ठित कम्पनियों में निवेश किया और शॉर्ट टर्म इन्वेस्टमेंट से दूरी बना ली।

रिटेल इंडस्ट्रीज की ओर बढ़ाये कदम

शेयर बाजार की अनिश्चितता को देखते हुए श्री दम्मानी ने सिर्फ दीर्घावधि के लिये निवेश तक अपने आपको सीमित कर अपने स्टॉक मार्केट व्यवसाय को भी सीमित कर लिया और अचानक ''रिटेल इंडस्ट्री'' में कदम बढ़ाने का निर्णय कर लिया। श्री दम्मानी का एक निवेशक के रूप में उपभोक्ता कम्पनियों से जुड़ाव तो था ही, इसी जुड़ाव ने उन्हें रिटेल इंडस्ट्री की ओर कदम बढ़ाने के लिये प्रेरित किया। वर्ष 1999 में रिलायंस रिटेल के सीईओ दामोदर मल के साथ मिलकर श्री दम्मानी मुम्बई में ''अपना बाजार'' की फ्रैंचाइजी ले चुके थे। श्री दम्मानी ने इससे ठीक 2 वर्ष बाद डी-मार्ट की शुरूआत 'सुबरबन - मुम्बई' में प्रथम स्टोर से की। फिर वर्ष 2002 में उन्होंने ''अपना बाजार'' को भी अधिगृहित कर लिया। वर्तमान में डी-मार्ट के देशभर में 160 से अधिक स्टोर्स हैं और यह आईपीओ में इसके पेरेन्ट्स नेम ''एवेन्यू सुपर मार्केट'' के रूप में रजिस्टर्ड भी है। श्री दम्मानी स्वयं अपने ''डी-मार्ट'' की सफलता का आधार तीन स्तम्भों को मानते हैं, ''विक्रेता, उपभोक्ता तथा कर्मचारी''।

अत्यंत सहज-सरल व्यक्तित्व

श्री दम्मानी देश के शीर्ष 20 सम्पन्न व्यक्तियों में शुमार हैं, इसके बावजूद उनकी सादगी हर मिलने वाले का मन मोह लेती है। वे अक्सर साधारण से सफेद ट्राऊजर तथा शर्ट पहनते हैं। उन्हें देखकर सामान्यतः कोई नहीं कह सकता कि वे इतनी बड़ी हस्ती हैं। आमतौर पर भीड़भाड़ वाले आयोजनों व नाम कमाने की चाहत से दूर रहना श्री दम्मानी की आदत है। यही कारण है कि वे लोगों तथा मीडिया से कम ही मिलते हैं, लेकिन जरूरतमंदों की मदद करने से चुकते भी नहीं। इसके लिये वे किसी संस्था के भी मोहताज नहीं रहे। उन्हें कोई वास्तविक जरूरतमंद नजर आया तो वे इसी तरह मदद करते हैं, जैसे एक हाथ मदद करे तो दूसरे को भी पता न चले। आपके परिवार में तीन विवाहित पुत्रियां शामिल हैं। मधु

व मंजरी चांडक तथा ज्योति काबरा। मंजरी वर्तमान में मैनेजर के रूप में 'डी-मार्ट' का व्यवसाय सम्भाल रही हैं। ज्योति काबरा बॉम्बे स्टोर्स को संचालित करती हैं। श्री दम्मानी के भाई गोपीकिशन तथा उनकी धर्मपत्नी, हायपर मार्केट को प्रमोट करने में सहयोग कर रहे हैं।

जरूरतमंदों की सेवा में बढ़ाये कदम

रिटेल इण्डस्ट्री में कदम रखने के बाद श्री दम्मानी ने संगठित संस्थागत रूप से समाजसेवा में योगदान देने का भी संकल्प लिया। इसी के अंतर्गत मुम्बई में बाम्बे हॉस्पिटल के समीप 'गोपाल भवन' की शुरूआत की। यह संस्था चिकित्सा हेतु मुम्बई जैसे महानगर में आने वाले रोगियों व उनके परिजनों को अत्यंत न्यूनतम दर पर आवास तथा खाने-पीने की सुविधा प्रदान करती है। इसके पीछे बस लक्ष्य यही है कि कोई भी जरूरतमंद पैसे की कमी से बिना चिकित्सा के काल का ग्रास न बने। मानव सेवा की इस श्रृंखला में माहेश्वरी समाज की सेवा अन्तर्गत अपने माता-पिता के नाम पर ''शिवकिशन-सरस्वतीदेवी चेरिटेबल'' ट्रस्ट का गठन भी किया। यह ट्रस्ट समाज के गरीब-बेसहारा सदस्यों को हर प्रकार से आर्थिक सहायता प्रदान करती है। बिना माहेश्वरी समाज संगठनों की मदद लिये यह ट्रस्ट अपने स्तर पर सम्पूर्ण व्यवस्था स्वयं ही सम्भालता है। इससे सहायता प्राप्त करने के लिए ट्रस्ट के निर्धारित प्रारूप अनुसार जानकारी प्रदान करना अनिवार्य होती है। इसके पश्चात ट्रस्ट प्रबंधन सहायता राशि प्रदान करने का निर्णय अपने स्तर पर कर लेता है।

■ मित्रों एवं परिचितों से बातचीत के आधार पर तैयार आलेख

जसवंतगढ़ (नागौर) की मिट्टी के ''लाल'' बजरंगलाल तापड़िया विशाल उद्योग ''सुप्रीम इंडस्ट्रीज'' के संचालन के साथ समाज के टॉप-4 शीर्ष उद्यमियों में प्रतिष्ठित हैं। इस सफलता के बावजूद आपकी पहचान सिर्फ एक सफल उद्यमी पर नहीं थमी बल्कि उनकी पहचान एक ऐसे समाजसेवी के रूप में है, जो मानवसेवा में अपना चहुंमुखी योगदान दे रहे हैं। इसी के अंतर्गत आप वर्तमान में राजस्थान के राजकीय विद्यालयों के कायाकल्प में योगदान दे रहे हैं। श्री माहेश्वरी टाईम्स आपकी सेवाओं को नमन करते हुए ''माहेश्वरी ऑफ द ईयर अवार्ड'' प्रस्तुत करते हुए गौरवान्वित महसूस करती है।

शिक्षा के कायाकल्प को समर्पित उद्यमी

बजरंगलाल तापड़िया

श्री तापड़िया की प्रतिष्ठा उद्योग जगत में तो एक ऐसे सफल उद्यमी के रूप में है ही, जो लगभग 21 हजार 466 करोड़ रुपये के उद्योग ''सुप्रीम इंडस्ट्रीज'' का संचालन कर रहे हैं। साथ ही समाज सेवा के क्षेत्र में अपकी प्रतिष्ठा ''शिक्षा जगत'' के कायाकल्प कर्ता के रूप में है। वर्तमान में न सिर्फ आपके श्री सूरजमल तापड़िया मेमोरियल ट्रस्ट ने राजस्थान के लाडनू उपखण्ड के राजकीय विद्यालयों के साथ अजमेर व बीकानेर में वर्ष 2017 से 600 से अधिक स्वयंसेवक शिक्षक नियुक्त कर रखे हैं, बल्कि ट्रस्ट स्कूल की हर आवश्यकता की पूर्ति भी यह कर रहा है। उनकी यह सेवा प्रदेश ही नही बल्कि देश के सम्पन्न घरानों के लिये प्रेरणा बनी हुई है। उनके इस योगदानों में पूरा परिवार सहयोगी बना हुआ है। आपके परिवार में धर्मपत्नी श्रीमती रतनदेवी तथा पुत्र विजय कुमार तापड़िया तथा पौत्र विवेक तापड़िया एवं इनके प्रपौत्र विरेन तथा अक्षय, प्रपौत्री अनिका आदि शामिल है।

व्यापार से उद्यम की सफल यात्रा

श्री तापड़िया का जन्म नागौर जिले के एक छोटे से कस्बे जसवन्तगढ़ में 25 नवम्बर 1934 को सूरजमल व श्रीमती मोहरादेवी तापड़िया के यहां हुआ। इनकी प्रारम्भिक शिक्षा जसवन्तगढ़ में ही हुई। फिर वर्ष 1955 में कलकत्ता विश्वविद्यालय से बी.कॉम. की उपाधि प्राप्त की। जीतमल तापड़िया बड़े भाई व महावीर प्रसाद तापड़िया आपके छोटे भाई हैं। सन 1949 में आपने अध्ययन के साथ-साथ कपड़े का व्यापार प्रारम्भ कर सन् 1982 तक यह व्यापार किया। सन् 1964 में पिताश्री का देहावसान हो गया इसलिए आप पर पूरे परिवार को सम्भालने का दायित्व आ गया। सन् 1967 में आपके परिवार ने ''दी सुप्रीम इण्डस्ट्रीज लिमिटेड'' का अधिग्रहण किया तथा अपने कठोर परिश्रम से इसे वर्तमान में भारत की सिरमौर प्लास्टिक उत्पाद निर्माता कम्पनी के रूप में स्थापित कर दिखाया। सन् 1982 आते-आते कपड़े का व्यापार बंद कर दिया तथा पूरा ध्यान सुप्रीम इण्डस्ट्रीज की तरफ लगा दिया। वर्तमान में सुप्रीम इण्डस्ट्रीज आपके निर्देशन में नई ऊँचाइयों को छू रही है।

स्वास्थ्य के साथ शिक्षा की चिंता

उद्योग जगत की यात्रा में सफलता के शिखर को छूने के बावजूद श्री तापड़िया ने आम व्यक्ति से कभी दूरी नहीं बनाई। अपने पिता के नाम पर

''श्री सूरजमल तापड़िया मेमोरियल ट्रस्ट'' की स्थापना श्री तापड़िया द्वारा भाई महावीर प्रसाद तापड़िया तथा भतीजे शिवरतन जीतमल तापड़िया के सहयोग से 23 अगस्त 1977 को की गई। इस ट्रस्ट का उद्देश्य गरीबों को राहत पहुँचाना, शिक्षा को बढ़ावा देना, चिकित्सकीय सुविधाओं में विस्तार एवं अन्य गतिविधियों का सार्वजनिक उपयोग है। तापड़िया परिवार द्वारा निःशुल्क आयुर्वेदिक, हौम्योपैथिक व फिजीयोथेरेपी के औषधालय संचालित हैं। ट्रस्ट के माध्यम से तापड़िया परिवार आधुनिक सुविधाओं से युक्त संस्कृत महाविद्यालय, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान एवं कन्या महाविद्यालय संचालित कर रहा है। ट्रस्ट द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में विस्तार करते हुए राजकीय विद्यालयों में अध्यापकों के रिक्त पदों पर स्वयंसेवक अध्यापक नियुक्त किये हैं जिनकी योग्यता राजकीय नियमानुसार निर्धारित की गई है। ये अध्यापक 01 जनवरी 2017 से 31 मार्च 2022 तक अपनी सेवायें देंगे। इस समय लाडनूं उपखण्ड क्षेत्र में ट्रस्ट ने 257 अध्यापक विभिन्न राजकीय विद्यालयों में लगा रखे हैं। राज्य सरकार के साथ अनुबंध के अ नुसार 2017 से 2022 तक अजमेर व बीकानेर संभाग के सभी राजकीय संस्कृत विद्यालयों एवं सम्पूर्ण राजस्थान के राजकीय संस्कृत महाविद्यालयों में रिक्त पदों पर शिक्षकों की पूर्ति की जा रही है। इन विद्यालयों में 543 अध्यापक कार्यरत हैं। इन विद्यालयों की छात्र संख्या 55000 से अधिक है। बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु विज्ञान, वाणिज्य व कला संकाय में श्रीमती मोहरीदेवी तापड़िया कन्या महाविद्यालय संचालित है। इस महाविद्यालय में आधुनिक सुख-सुविधाओं से सुसज्जित छात्रावास भी संचालित हैं।

विद्यालयों का किया कायाकल्प

इसके साथ ही इन विद्यालयों को भौतिक संसाधन जैसे- अलमारी, बायोमेट्रिक, दरियां, टाट-पट्टियाँ, कम्प्यूटर-प्रिंटर, पंखे, लोहे की रेंक, चार्ट, नक्शे, तस्तरी, गोला, भाला, ग्रीनबोर्ड, फुटबॉल, वॉलीबॉल, स्वेटर, स्लेट, रिंग, सूचना बोर्ड, फिसल पट्टी, टेबल-स्टूल, वॉलीबॉल पोल-नेट, ऊँचीकूद पोल, पानी की मोटर, टंकियाँ, ऊँचाई मापन स्टेण्ड, नेपकीन डेस्ट्रोयर मशीन, बेबी डेस्क, केरमबोर्ड, वेट मशीन, ग्लोब, कूदने की रस्सी, लहर कक्ष बैनर, कार्यालय टेबल-कुर्सियाँ, स्लेट, मॉडल

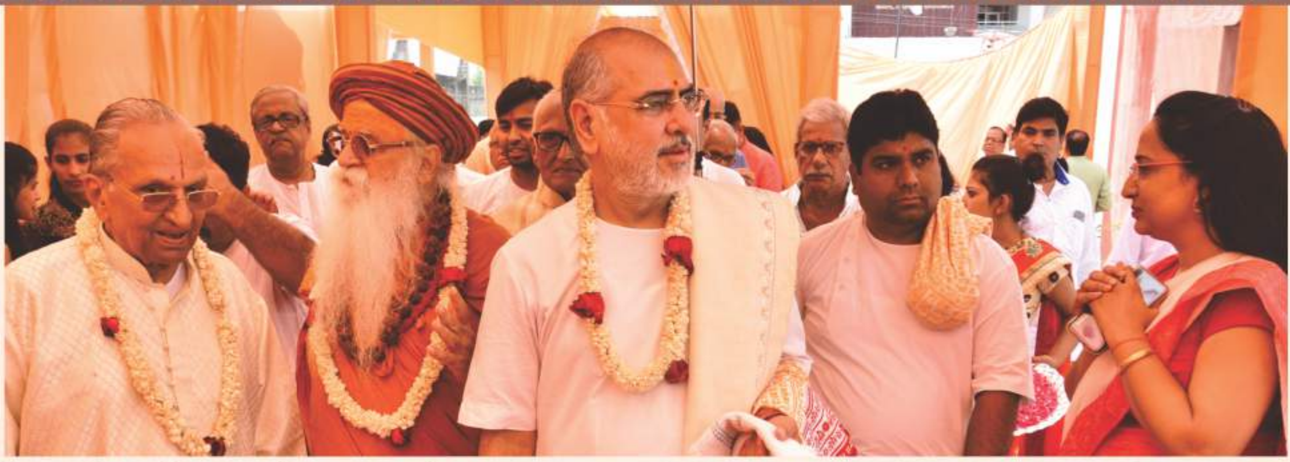

पेपर बुकलेट, अंग्रेजी की विशेष पुस्तकें, प्रार्थना पुस्तिका, अभ्यास पुस्तिका, पेंसिल, सांचा, रबर, एलईडी टीवी एवं डीवीडी सेट्स उपलब्ध करवाये हैं। राजकीय विद्यालयों में कक्षा-कक्ष, प्रयोगशालायें, शौचालय सुविधा, वर्षा जल संरक्षण, ट्यूबवेल निर्माण एवं पानी के टेंक बनवाये हैं तथा राजकीय विद्यालयों में कम्प्यूटर शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये आधुनिक वातानुकुलित मोबाईल कम्प्यूटर बस का निर्माण करवाया है। सेठ श्री सूरजमल तापड़िया आचार्य संस्कृत महाविद्यालय व्याकरणशास्त्र, साहित्य शास्त्र एवं ज्योतिष शास्त्र में विद्यार्थियों को पारंगत कर रहा है। इसके अतिरिक्त श्रीमती मोहरी देवी तापड़िया शिक्षा शास्त्री महाविद्यालय, वेद विद्यालय एवं श्रीमती मोहरी देवी तापड़िया शोध संस्थान भारतीव वेद, संस्कार, संस्कृति एवं परम्परा के संरक्षण का कार्य कर रहे है।

सेवा के वृहद आयाम

स्थानीय स्तर पर ग्राम पंचायत जसवंतगढ़, आसोटा, कसुम्बी, लैडी, बालसमंद, मंगलपुरा व दुजार में स्वच्छ भारत मिशन के तहत घर-घर शौचालयों का निर्माण, ग्राम पंचायत जसवंतगढ़ में सड़कों का निर्माण, ग्राम गोपालपुरा में डूंगर बालाजी हनुमान मंदिर के पास धर्मशाला एवं तालाब का निर्माण, जसवंतगढ़ से डाबड़ी, लाडनूं एवं बूंदी जिले तक 425 किमी तक सड़क मार्ग के दोनों ओर वृक्षारोपण का कार्य, जसवंतगढ़ के चारों ओर 100 किमी क्षेत्र में प्रचार-प्रसार कर भ्रमणशील शल्य चिकित्सा इकाई के माध्यम से पाँच वर्षों तक शिविर का आयोजन कर निःशुल्क ऑपरेशन शिविर आयोजित किये। टीबी रोगियों

परिवार के साथ श्री तापड़िया

के लिए सीकर के पास सांवली अस्पताल में एक बैड का खर्च वहन किया। गरीब परिवार की लड़कियों की शादी में सहयोग, जसवंतगढ़ के परमधाम में निर्माण कार्य व वृक्षारोपण, जसवंतगढ़ व आसपास की सभी गौशालाओं को गत तीस वर्षों से लगातार हर वर्ष लाखों रुपये का चारा एवं गुड़ प्रदान करवाया, राजकीय जगन्नाथ तापड़िया आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय, राजकीय जगन्नाथ तापड़िया बालका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जसवंतगढ़ एवं राजकीय जौहरी आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय, लाडनूं का जीर्णोद्धार करवाया। पुलिस थाना जसवंतगढ़ की जीप को भी बुलेटप्रुफ बनवाया। थाना परिसर में थानेदार एवं उच्च अधिकारियों के विश्राम के लिए ढाई लाख रुपये की लागत से एक वातानुकूलित कमरा तैयार करवाया, सम्पूर्ण जसवंतगढ़ ग्राम पंचायत एवं पुलिस थाना परिसर में सात लाख रुपये की लागत से सीसीटीवी कैमरे लगवाये। गुजरात राजुला के जिला के देवका गाँव में विद्यालय भवन में भोजनशाला एवं सभागार का निर्माण, गुजरात सापुतारा में आदिवासी क्षेत्र के विद्यालय में भोजनशाला एवं 08 लाख लीटर क्षमता की पेयजल की टंकी का निर्माण, भाईश्री रमेश ओझा के आश्रम में आतिथ्य भवन का निर्माण, कलकत्ता में विशुद्धानन्द सरस्वती विद्यालय में 1 करोड़ की लागत से मरम्मत कार्य, नीरी कस्बा तालुका जामनेर जलगाँव में सामान्य जन सुविधायें उपलब्ध करवाना आदि भी शामिल हैं।

समाज की सेवा में भी आगे

अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर द्वारा समाज की महिलाओं के तीसरी कन्या होने पर 50 हजार रुपये की एफडी के रूप में साढ़े सात लाख रुपये प्रदान किये। अजमेर में माहेश्वरी समाज के प्रस्तावित छात्रावास भवन की भूमि की सहमति एवं समाज की नन्हीं बालिकाओं हेतु फण्ड की व्यवस्था की। मध्य राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के 120 जरूरतमंद माहेश्वरी परिवारों को 1000 रुपये प्रतिमाह के अनुसार 4 वर्षों तक लगातार सहायता राशि, तकनीकी एवं सिविल सर्विसेज की तैयारी, उच्च शिक्षा प्राप्त करने वालों के लिए अजमेर में छात्रावास की भूमि के लिये 1.05 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की गई। अखिल भारतीय माहेश्वरी युवा संगठन की पहल पर जरूरतमंद 400 माहेश्वरी परिवारों को 1500 रुपये नगद सहायता राशि, जिस माहेश्वरी महिला के तीसरी कन्या हुई है, उसे 15000 रुपये की एफडीआर दी गई जिसकी परिपक्वता कन्या की शादी के समय दो लाख रुपये है।

योगदान और भी हैं...

- ट्रस्ट द्वारा सेठ श्री सूरजमल तापड़िया औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान को 1997 में निर्मित कर राज्य सरकार को सुपुर्द कर दिया तत्पश्चात संस्थान का विकास करने हेतु 2003 में राज्य सरकार एवं ट्रस्ट के मध्य हुए करार के अनुसार इस संस्थान का संचालन ट्रस्ट द्वारा लगातार किया जा रहा है जिसमें वर्तमान में 17 व्यवसायों का 42 इकाईयों में प्रशिक्षण दिया जाता है। इस संस्थान ने 31 बार राज्य मैरिट तथा 2 बार राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

- ट्रस्ट द्वारा उच्च स्तरीय सुविधा युक्त श्रीमती मोहरी देवी तापड़िया कन्या महाविद्यालय संचालित है जिसमें बालिकायें स्नातक एवं

स्नातकोत्तर में कला, वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय में अनुभवी विशेषज्ञों से अध्ययन करती हैं। इस महाविद्यालय परिसर में आधुनिक सुख-सुविधा युक्त बालिका छात्रावास एवं 30 किमी क्षेत्र में वाहन सुविधा उपलब्ध है।

▶▶ ट्रस्ट द्वारा श्रीमती मोहरी देवी तापड़िया शिक्षा शास्त्री महाविद्यालय संचालित है जहाँ विद्यार्थी बी.एड. का प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं।

▶▶ ट्रस्ट द्वारा संस्कृत और संस्कृति के सम्मान में प्राचीन भारतीय ज्ञान एवं परम्पराओं को जीवित रखने हेतु श्रीमती मोहरी देवी तापड़िया वेद विद्यालय तथा श्रीमती मोहरी देवी तापड़िया शोध संस्थान संचालित है। जहाँ पर वेदों, संस्कारों, संस्कृति एवं प्राचीन भारतीय परम्पराओं का अध्ययन व संरक्षण कार्य किया जाता है।

▶▶ जिला मुख्यालय नागौर में स्टेडियम के विकास में खेल सुविधाओं के विस्तार में जैसे फिटनेस सेंटर और जिम सेंटर के निर्माण में 35 लाख रुपये का सहयोग दिया गया।

▶▶ ट्रस्ट द्वारा श्री जगन्नाथ तापड़िया आयुर्वेदिक औषधालय 1940 से, श्री जगन्नाथ तापड़िया होम्योपैथिक औषधालय 1975 से एवं श्री जगन्नाथ तापड़िया फिजियोथैरेपी औषधालय 2012 से निःशुल्क संचालित हैं।

▶▶ ट्रस्ट द्वारा भ्रमणशील शल्य चिकित्सा इकाई के माध्यम से वर्ष 2014 से 2018 तक प्रतिवर्ष विभिन्न रोगों के निदान एवं उपचार हेतु निःशुल्क शल्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया जिसमें आस-पास के 100 किमी क्षेत्र के हजारों मरीजों का इलाज किया गया। महाराष्ट्र के जलगाँव के आसपास के 150 गाँवों में एम्बुलेंस, चिकित्सा स्टॉफ एवं दवाईयों के वितरण की व्यवस्था ट्रस्ट द्वारा की जा रही है।

▶▶ कोविड-19 वैश्विक महामारी की रोकथाम के लिए श्री सूरजमल तापड़िया मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा भोजन व राशन वितरण की सेवा 26 मार्च 2020 से संचालित की गई। ट्रस्ट द्वारा क्षेत्र के अन्य क्वारंटाईन केंद्रों पर भी भोजन वितरण किया गया। इसमें ट्रस्ट द्वारा सुजानगढ़, रतनगढ़ तहसील के 13 गाँवों तथा लाडनूं तहसील के 104 गाँवों में हर जरूरतमंद तक राशन पहुंचाया गया।

▶▶ ट्रस्ट ने कोरोना सहायतार्थ पीएम केयर्स फण्ड एवं विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री सहायता कोषों में 8.35 करोड़ रुपये का आर्थिक अनुदान दिया।

श्रीराम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र में 1करोड़ 11लाख 11हजार 111 रूपये की सहयोग राशि का चेक देते हुये ।

IS:1786
CM/L - 6943589

GBR TMT
THE STRENGTH WITHIN
www.gbrmetals.com

Manufacturers of High quality
MS Billets and TMT Bars

Works:
#295, G.N.T Road,
Peravallur Village,
Ponneri Taluk - 601 206
Tamil Nadu
Website: www.gbrmetals.com

Registered Office:
#4, Ramanan Road,
Chennai - 600 079
Tamil Nadu
Ph: +91 44 25292151
E-mail: sales@gbrmetals.com

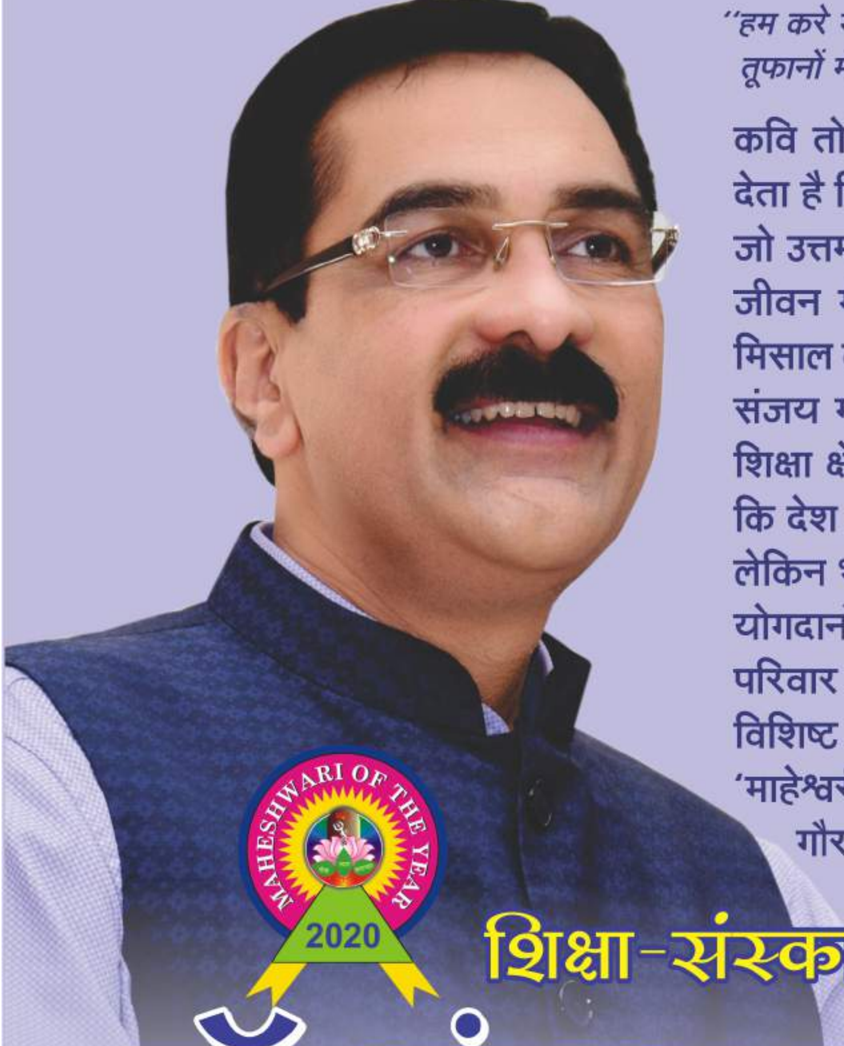

''हम करे गर्व उनका, जिन पर संकट की घात न चलती है।
तूफानों में जिनकी मशाल कुछ और तेज हो जलती है।''

कवि तो अपनी भावनाओं और शब्दों से प्रेरणा देता है किंतु कुछ बिरले व्यक्तित्व ही ऐसे होते हैं जो उत्तम और उदात्त विचारों का आचरण अपने जीवन में करके समाज के लिए स्वयं ही एक मिसाल बन जाते हैं। ऐसे ही एक व्यक्तित्व हैं- डॉ. संजय मालपानी। वे संस्कारों के पाठ के साथ शिक्षा क्षेत्र का इस तरह कायाकल्प कर रहे हैं, कि देश को उत्कृष्ठ उच्च शिक्षित युवा भी मिलें, लेकिन भारतीय संस्कारों के साथ। आपके इन्हीं योगदानों को नमन करते हुए श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार आपको 'शिक्षा संस्कार के क्षेत्र में' विशिष्ट योगदानों के लिये समाजसेवा अंतर्गत 'माहेश्वरी ऑफ द ईयर अवार्ड' प्रदान करते हुए गौरवान्वित महसूस करता है।

शिक्षा-संस्कार की ज्योति जलाते

डॉ. संजय मालपानी

संगमनेर जिला अहमदनगर (महाराष्ट्र) के प्रतिष्ठित मालपानी परिवार में 20 जुलाई 1969 को अ.भा.माहेश्वरी महासभा के पूर्व महामंत्री श्री ओंकारनाथ मालपानी व श्रीमती ललिता मालपानी के यहाँ जन्मे व इसी को अपनी कर्मभूमि बनाकर योगदान दे रहे डॉ. संजय मालपानी एक प्रतिष्ठित उद्यमी हैं, लेकिन उनकी प्रतिष्ठा फिर भी एक ऐसे समाजसेवी के रूप में अधिक है, जो तकनीकी प्रशिक्षण, उच्च शिक्षा तथा संस्कारों आदि द्वारा लोगों के जीवन को संवारने का काम कर रहे हैं। एम.कॉम., डी.एम.एम. तथा पीएच.डी. (चाईल्ड डिवलपमेंट मेनेजमेंट) तक उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी डॉ. मालपानी ने स्व-उद्यम को ही आजीविका के रूप में अपनाया तथा शिक्षा संस्कारों के पोषण को जीवन का लक्ष्य बना लिया।

30 देशों तक किया संस्कारों का विस्तार

अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के भूतपूर्व महामंत्री स्व. श्री ओंकारनाथजी मालपानी और श्रीमती ललिता मालपानी के सुपुत्र डॉ. मालपानी ''गीता परिवार'' के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष हैं। स्वामी गोविंददेव गिरिजी महाराज द्वारा स्थापित गीता परिवार संस्था के हजारों कार्यकर्ता ग्रीष्मकालीन अवकाश में देश भर में अनगिनत संस्कार वर्गों और शिविरों का आयोजन करते हैं। किंतु इस वर्ष अप्रैल के महीने में जब कोविड का भय अपने चरम पर था तब ऐसे कार्यक्रम संभव नहीं थे। अपनी वर्षों की संस्कार साधना में विघ्न पड़ जाने से कार्यकर्ता भी निराश थे। किंतु ऐसे समय में भी एक व्यक्ति संभावनाओं की तलाश कर रहा था वह थे डॉ. मालपानी। उन्होनें कहा कि 'डिस्टनिंग' हो लेकिन 'सोशल' नहीं, बल्कि 'फिजिकल'। इस बार कोरोना महामारी के कारण डॉ. मालपानी ने इस बार 'फिजिकल डिस्टेसिंग एंड सोशल शोल्डरिंग' अर्थात शारीरिक दुराव में रहते हुए समाज सहकार का विचार सबके सामने रखा और सोशल मीडिया के माध्यम से 'ई-संस्कार वाटिका' की अनूठी कल्पना दी। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की बालक एवं किशोरी विकास समिति भी संस्कार साधना के इस कार्य में सहभागी हुई। बच्चों के बीच प्रत्यक्ष कार्य करने वालों के लिए यह एक नई चुनौती थी किंतु डॉ. मालपानी ने इसे इतना सरल और सहज रूप दे दिया कि 15 दिनों के इस ऑनलाईन संस्कार वर्ग में 30 देशों से लॉकडाउन के कठिन समय में 35000 से अधिक बच्चों ने भाग लिया। ई-संस्कार वाटिका ने हर घर को ही संस्कार केंद्र बना दिया और संस्कार वर्ग केवल बच्चों का नहीं

प्रयाग महाकुंभ में गीता परिवार द्वारा महानाट्य प्रस्तुतिकरण के अवसर पर पूज्यनीय संतों का आशीर्वाद प्राप्त करते हुए

होकर पूरे परिवार का हो गया। अपनी अनूठी कल्पना से डॉ. मालपानी ने 35000 परिवारों में उत्साह और उमंग का संचार कर दिया।

गीता महोत्सव में 35000 बच्चों द्वारा सामूहिक गीता गायन

गीता विशारद की उपाधि से सम्मानित

51 वें जन्मदिन पर गीता पर आधारित 51 वीडियोज का समर्पण और 'गीता विशारद' की उपाधि- अपने पिछले याने कि 50वें जन्मदिन के अवसर पर संजयजी ने गीता के 18 अध्याय कंठस्थ करने का संकल्प पूर्ण किया था। इस वर्ष उनका 51वां जन्मदिन जब आया तब उन्होंन स्वयं कंठस्थ और मनन की हुई गीता को सरल अर्थों में समझाकर जन-जन तक और विशेषकर युवाओं तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इसी संकल्प के साथ उन्होंने जानो गीता- बनो विजेता, की वीडियो श्रृंखला तैयार की। प्रतिदिन गीता के एक विचार पर एक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया जाने लगा। देखते ही देखते उनके वीडियो अत्यंत लोकप्रिय होने लगे। अलग-अलग माध्यमों से हजारों लोग प्रतिदिन ये विडियो देखते थे। गीता पर उनके प्रभुत्व और प्रेम को देखते हुए श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष पूज्य स्वामी गोविंददेव गिरिजी महाराज ने उन्हें 'गीता विशारद' उपाधि से अलंकृत किया।

ऑनलाइन गीता प्रशिक्षण योजना

संजयजी के वीडियो सुनकर अनेक लोग उनके पास गीता पढ़ने, याद करने की इच्छा व्यक्त करने लगे और यहां से एक नई संकल्पना का उदय हुआ- ''ऑनलाइन गीता प्रशिक्षण वर्गों का आयोजन''। ई-संस्कार वाटिका के बाद यह उससे भी बड़ी चुनौती थी। संजयजी की एक और विशेषता है कि वे अपने सहयोगियों के साथ मिलकर काम करते हैं। गीता परिवार के उपाध्यक्ष डॉ. आशु गोयल को इस मिशन का नैतृत्व उन्होंने सौंपा। उन्होंने कार्य का विभाजन कर टेक्निकल सहयोग की टीम बनाई। संस्कृत भाषा की कुछ समझ रखने वाले लोगों को गीता प्रशिक्षक की जिम्मेदारी देकर उनको संस्कृत व्याकरण का प्रशिक्षण दिया। गीता के श्लोकों को सरल प्रकार से व्याकरण और उच्चारण की शुद्धता के साथ याद किया जा सके इसके लिए भी विशेष परिश्रम किया। वेबसाइट निर्माण के कार्य में रुचि रखने वाले अपने पुत्र यश मालपानी को उन्होंने इस कार्य के लिए एक विशेष वेबसाइट निर्माण करने का दायित्व दिया और इसके बाद 'लर्नगीता.कॉम' नामक वेबसाइट का प्रमोशन किया गया। देखते ही देखते हजारों लोग गीता कंठस्थ करने के लिए पंजीकरण करने लगे। बीजरूप में प्रारंभ हुआ कार्य एक नए कीर्तिमान को स्थापित

पूज्य सरसंघचालक श्री मोहनजी भागवत, पूज्य योगमहर्षि बाबा रामदेव तथा पूज्य स्वामी श्री गोविंददेव गिरीजी महाराज द्वारा सम्पूर्ण गीता कंठस्थीकरण पर सम्मान, 'गीता विशारद' उपाधि से अलंकृत

विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों को मार्गदर्शन

करने जा रहा था। भारत के अलग-अलग राज्यों से जुड़ने वाले गैर-हिंदी भाषी लोगों की संख्या बढ़ने लगी और अब देश की 10 भाषाओं में गीता सिखाने का कार्य आरंभ हो गया। आज इस कार्य का विस्तार विश्व के 59 देशों तक हो गया है। अनेक महान संतों का आशीर्वाद इसे प्राप्त हुआ। संजयजी के नेतृत्व में गीता परिवार द्वारा संचालित इस अभियान ने अब तक 52000 लोगों को गीता सिखाकर एक नया विश्व कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। विशेष बात यह कि यह सारा कार्य निःशुल्क किया जा रहा है और सहभागियों की परीक्षा लेकर उन्हें अलग-अलग स्तर पर प्रमाण पत्र भी दिए जा रहे हैं। भगीरथ ने जिस प्रकार स्वर्ग से गंगा को उतार कर जन-जन तक पहुँचाया उसी पकार संजयजी गीता परिवार के माध्यम से गीता को जन-जन तक पहुँचाने का महान कार्य करके देश और संस्कृति की विशेष सेवा में लगे हैं।

उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता की सौगात

डॉ. मालपानी शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिये भी पूरी तरह से समर्पित हैं। इसके अंतर्गत वे 8000 विद्यार्थियों वाले संगमनेर कॉलेज (एम.पी.संस्था) को चेयरमेन के रूप में सेवा दे रहे हैं। 50 वर्ष पुराने इस कॉलेज का आधुनिक तकनीकों व प्रबंधन द्वारा इस तरह कायाकल्प किया कि वर्तमान में इसे नेक से ''ए प्लस'' ग्रेड प्राप्त है। अरिहंत एज्युकेशन फाउण्डेशन पुणे को भी चेयरमेन के रूप में सेवा दे रहे हैं। लगभग 4 हजार विद्यार्थियों के साथ यह फाउण्डेशन बावधन तथा पुणे केम्प में कॉलेजों का संचालन करता है। इनमें परम्परागत शिक्षा के साथ तकनीकी शिक्षा, प्रबंधन, होटल मेनेजमेंट आदि शाखाएँ भी उपलब्ध हैं। स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में डॉ. मालपानी ध्रुव ग्लोबल स्कूल-संगमनेर व पुणे के संस्थापक अध्यक्ष हैं। डे-बोर्डिंग तथा आवासीय रूप से संचालित ये सीबीएसई विद्यालय राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खेल तथा सांस्कृतिक गतिविधियों की सुविधा प्रदान करते हैं। इनके साथ विद्यार्थियों को ''विद्या व्रत-संस्कार'' जैसे विशेष कार्यक्रम द्वारा देश व भारतीय संस्कृति के अनुरूप तैयार भी किया जाता है।

मानवता की सेवा को समर्पित ग्रुप

उनका परिवारिक उद्योग समूह मालपानी ग्रुप वास्तव में देखा जाए तो रीनिवेबल एनर्जी उत्पादन द्वारा भी मानवता की सेवा ही कर रहा है। यह लगभग 3 लाख मकानों तक ऐसी ग्रीन इनर्जी पहुँचा रहा है, जिसके द्वारा यह 9 लाख टन कार्बन डाइऑक्साईड के उत्पादन को रोकता है। इस प्रकार यह वह काम कर रहा है, जो वातावरण को शुद्ध रखने के लिये 753 लाख पेड़ मिलकर करते हैं। इसके साथ ही समूह मालपानी हॉस्पिटल में निःशुल्क चिकित्सा सुविधा भी प्रदान करता है। सामूहिक विवाह, स्कॉलरशिप तथा जरूरतमंदों को मेडिकल सहायता उपलब्ध करवाता है। संगमनेर फेस्टिवल, स्वच्छ भारत अभियान, योगा प्राणायाम ध्यान व पर्सनलिटी डिवलपमेंट वर्कशॉप तथा शिविर का आयोजन भी समूह द्वारा किया जाता रहा है। मालपानी ग्रुप सामूहिक विवाह, योग्य युवक-युवतियों के लिये परिचय सम्मेलन तथा इन्टर स्कूल व इन्टर कॉलेज एक्टिविटिज का आयोजन भी करता है।

संस्कृत के साथ संस्कृति की भी सेवा

डॉ. मालपानी श्री ओंकारनाथ मालपानी संस्कृत संशोधन केंद्र तथा संस्कृत संवर्धन मंडल के चेयरमेन हैं। ये संस्थाऐं प्राचीन संस्कृत पाँडूलिपि के डिजिटलाईजेशन का कार्य कर उन्हें आधुनिक तकनीक के अनुसार सुरक्षित करने तथा आमजन तक डिजिटल रूप में पहुँचाने का काम कर रही है। इसके साथ ही संस्कृत के विद्वानों को ''संस्कृतात्मा पुरस्कार' व छात्रों को छात्रवृत्ति भी प्रदान करती हैं। संस्कृत ड्रामा व सेमिनार द्वारा भाषा के संवर्धन का कार्य भी आपकी ये संस्थाऐं कर रही हैं। श्री माधवलाल मालपानी योगा व नेचुरोपैथी सेन्टर के भी डॉ. मालपानी चेयरमेन हैं। यह संस्था स्कूलों में सूर्य नमस्कार के प्रशिक्षण व प्रोत्साहन के क्षेत्र में कार्य कर रही हैं। इसके अंतर्गत 11 करोड़ सूर्य नमस्कार का लक्ष्य भी पूर्ण कर चुकी है। धार्मिक क्षेत्र में स्वामी गोविन्ददेव गिरीजी महाराज द्वारा स्थापित गीता परिवार के भी डॉ. मालपानी चेयरमेन हैं।

योग-संस्कार महोत्सव में 12000 बच्चों द्वारा सामूहिक योगासन

सेवा में बहुआयामी योगदान

महाराष्ट्र राज्य विधानसभा में विधानसभा तथा विधान मंडल सदस्यों की संयुक्त सभा को 'राइट टू एजुकेशन' विषय पर संबोधित करते हुए

डॉ. मालपानी देश के स्वच्छता अभियान में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उनके योगदानों को देखते हुए अहमदनगर कलेक्टर द्वारा डॉ. मालपानी को ''स्वच्छता दूत'' नियुक्त किया। उन्होंने महाराष्ट्र में 51 हजार से अधिक डस्टबीन वितरित किये। अहमदनगर के एस.टी. स्टेण्डों पर बड़े आकार के डस्टबीन भी स्थापित करवाये। महाराष्ट्र के कई शहरों में ''स्वच्छ भारत जागरूकता कार्यक्रम'' का आयोजन किया। शासकीय स्कूलों में बालकाओं के लिये वॉशरूमों का निर्माण करवाया। इसी प्रकार के विभिन्न प्रकल्प का सतत आयोजन किया जाता है। डॉ. मालपानी एक प्रेरक वक्ता के रूप में भी लोकप्रिय हैं। स्कूली शिक्षा क्षेत्र में डॉ. मालपानी के कार्यो के देखते हुए उन्हे महाराष्ट्र विधानसभा एवं विधिमंडल की संयुक्त सभा में ''राईट टू एजुकेशन'' विषय पर सम्बोधन के लिए आमंत्रित किया गया था। उन्होनें ''आर्ट ऑफ पेरेन्टिंग'' पर 400 से अधिक और पेरेन्ट्स-चिल्ड्रन ताल मेल के शो ''मिले सुर मेरा तुम्हारा'' अन्तर्गत 100 से अधिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये हैं। इसी प्रकार बाल मनोविज्ञान आदि कई विषयों पर भी आपके उद्बोधन हुए हैं। उनके 'दो शब्द मां के लिए, दो शब्द पिता के लिए' व्याख्यान के कार्यक्रम का आयोजन अब तक 500 से भी अधिक स्थानों पर हो चुका है।

योग को विशेष स्थान दिलाने का संकल्प

योगासन - प्राणायाम में संजयजी की विशेष रुचि है। वर्ष 2016 में उन्होंने 'योग सोपान' अभ्यासक्रम का निर्धारण किया। उन्हीं की प्रेरणा और नियोजन से 35 हजार से अधिक विद्यालयीन छात्रों को यह अभ्यासक्रम निःशुल्क सिखाया गया। सन 2016 में इन 35 हजार छात्रों ने एक साथ संगीतमय योगासन प्रस्तुत करते हुए योगमहर्षि स्वामी श्री रामदेव बाबा को रोमांचित कर दिया था। ध्रुव ग्लोबल स्कूल में एक आधुनिक योगासन विभाग भी उनकी संकल्पना से बनाया गया है। गत वर्ष सीबीएसई की राष्ट्रीय योगासन स्पर्धा तथा स्कूल गेम्स की राज्यस्तरीय स्पर्धा का आयोजन भी उन्होंने किया था। बृहनमहाराष्ट्र योग परिषद के अध्यक्ष पद पर संजयजी का चयन किया गया। संजयजी का स्वप्न था, योगासन को एक खेल के रूप में मान्यता दिए जाने का। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भी ये संकल्पना देश के सामने रखी थी और इसी दिशा में कार्य को आगे बढ़ाते हुए योगमहर्षि स्वामी रामदेवजी महाराज तथा डॉ. नागेंद्र गुरुजी के नेतृत्व में राष्ट्रीय योगासन खेल महासंघ का गठन किया गया। संजयजी के कार्यों और संगठन तथा कार्य कुशलता को देखते हुए इस महासघ में उन्हें राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गयी। इसी के साथ उन्हें अंतरराष्ट्रीय योगासन खेल महासंघ की तकनीकी कमेटी का भी सदस्य बनाया गया। पिछले तीन महीनों में संजयजी ने अथक परिश्रम कर योगासन को खेल के रूप में स्थापित करने हेतु अत्यंत जटिल तकनीकी कार्य का संपादन किया। इसी महीने संगमनेर में उनके नेतृत्व में योगासन के रेफ्रीज और जजेस की प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न हुई जिसे अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने संबोधित किया। इस कार्यशाला के माध्यम से एक इतिहास गढ़ने का कार्य हुआ और भविष्य में जब भी योगासन को एशियाड और ओलंपिक्स खेलों में एक खेल के रूप में मान्यता प्राप्त होगी तो संजयजी के योगदान को स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा। शिक्षण प्रसारक संस्था के कार्याध्यक्ष के रूप में काम करते हुए उन्हीं की संकल्पना से संगमनेर में निर्मित माधवलाल मालपानी योग एवं निसर्गोपचार केंद्र का आधुनिक प्रकल्प भी उनके योग विषयक रुचि का एक और प्रमाण है।

संस्कारों की पाठशाला बनी 'ध्रुव अकादमी'

गत तीन दशकों से गीता परिवार के माध्यम से कार्य करते हुए संजयजी ने देशभर के बालकों और पालकों के साथ निरंतर संवाद किया। बच्चों के सम्पूर्ण विकास के लिए और औपचारिक स्कूली शिक्षा के महत्व का उन्हें आभार हुआ और अपने दीर्घ अनुभव के आधार पर मालपानी फाउंडेशन के माध्यम से उन्होंने ध्रुव ग्लोबल स्कूल की स्थापना की। ध्रुव ग्लोबल स्कूल की ख्याति अब एक ऐसे विद्यालय के रूप में है जो अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएँ प्रदान करते हुए भी अपने छात्रों में भारतीय मूल्यों का बीजारोपण करता है। भविष्य के भारत को नेतृत्व प्रदान कर सकने वाले तथा एकेडेमिक्स के साथ-साथ खेल, कला, संगीत, नृत्य, नाट्य, योगासन आदि विभिन्न क्षेत्रों में देश का नाम रोशन करने वाले छात्रों के निर्माण का स्वप्न देखते हुए जो बीज उन्होंने बोया था, अब उसे फल लगने लगे हैं। ध्रुव के छात्र आज अपनी उपलब्धियों से पहचाने जाते हैं। मल्टीपल इंटेलिजेंस थ्योरी पर आधारित इस विद्यालय को हाल ही में टाइम्स ऑफ इंडिया द्वारा महाराष्ट्र के सर्वोत्तम विद्यालय की रेटिंग से नवाजा गया। इसकी संगमनेर के अतिरिक्त पुणे में एक शाखा पहले से थी और अब पुणे के उंद्रि क्षेत्र में भी एक नई शाखा का आरंभ करने का कार्य इसी वर्ष सम्पूर्ण होने जा रहा है। लॉकडाउन के समय में भी डॉ. मालपानी ने विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से शिक्षकों और शिक्षण क्षेत्र में कार्य कर रहे लोगों के लिए अनेक वेबिनार को सम्बोधित किया। शिक्षा के क्षेत्र में उनके कार्य को देखते हुए इसी वर्ष उनका चयन ग्लोबल टॉक एजुकेशन फाउंडेशन के डायरेक्टर के रूप में किया गया।

ध्रुव ग्लोबल स्कूल, पुणे का कैंपस

ध्रुव ग्लोबल स्कूल, संगमनेर का कैंपस

पारिवारिक उद्योग को भी दी ऊँचाई

उद्योग के क्षेत्र में डॉ. मालपानी ने अपने परिवारिक 'मालपानी उद्योग समूह' के विस्तार को ही आपने जीवन का लक्ष्य बनाया। यह उद्योग समूह उनके भाईयो व उनके द्वारा संयुक्त रूप से संचालित होता है। इसके अंतर्गत परिवार के पारंपरिक उद्योग में वैविध्य लाते हुए उद्योग का विस्तार कर रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाना तथा समृद्धि का सदुपयोग संस्कार-संस्कृति के संवर्धन के लिए करना अपना प्रमुख लक्ष्य रखा और इसमें वे खरे भी उतरे। वर्तमान में डॉयरेक्टर के रूप में आपके नेतृत्व में मालपानी उद्योग समूह विविध क्षेत्रों में प्रगतिशील है। राजस्थान सहित देश के 7 प्रदेशों में स्थापित उनके पवन व सौर उर्जा प्रोजेक्ट लगभग 630 मेगावॉट विद्युत ऊर्जा का उत्पादन करते हैं और वह भी बिना किसी प्रदूषण के। इनके माध्यम से अभी तक लगभग 3500 से अधिक अप्रशिक्षित श्रमिकों को रोजगार भी प्रदान किया जा चुका है। मालपानी ग्रुप एफएमसीजी प्रोडक्ट्स की मार्केटिंग, इम्युजमेंट पार्क, हॉस्पिटेलिटी तथा बिल्डर्स एण्ड डिवलपर्स के रूप में भी सेवा दे रहा है।

सेवा ने दिलाया सम्मान

डॉ. मालपानी कई संस्थाओं से सम्बद्ध होकर अपना चहुँमुखी योगदान दे रहे हैं। इसके अंतर्गत शारदा शिक्षा संस्थान के डायरेक्टर, श्रमिक जूनियर कॉलेज चेयरमेन, वृद्धाश्रम ''सेवाश्रम संस्था'' के कोषाध्यक्ष, गौरक्षण संस्था व अ.भा. मराठी बालकुमार साहित्य परिषद संगमनेर अध्यक्ष के रूप में सेवा देते रहे हैं। महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी सभा कौंसिल सदस्य, संस्कार बाल भवन संगमनेर-अध्यक्ष, भारतीय शिक्षण परिषद उपाध्यक्ष आदि के रूप में कई संस्थाओं में सक्रिय योगदान दे रहे हैं। आरटीई की स्टेट एक्सीक्यूटिव कमेटी के सदस्य भी हैं। डॉ. मालपानी को उनकी सेवाओं के लिये स्वच्छता दूत, नेहरू युवा पुरस्कार, सर्वोदय पुरस्कार, संस्कृति वैभव पुरस्कार, आर.बी. हिवड़गाँवकर पुरस्कार, सहयाद्री पुरस्कार, लायन सफॉयर अवार्ड, स्वामी भूषण पुरस्कार, दीर्घायु ज्ञानदीप अवार्ड तथा ग्रंथालय भूषण अवार्ड आदि कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

पूरा परिवार भी सेवापथ पर साथ

मालपानी उद्योग समूह के संचालक होने के नाते अपनी जिम्मेदारियाँ निभाते हुए भी डॉ. मालपानी समाजसेवा की उस विरासत को भी आगे ले जा रहे हैं जो उन्हें अपने पिता स्व. श्री ओंकारनाथ मालपानी से प्राप्त हुई थी। माहेश्वरी समाज तथा अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के लिए संजयजी सदैव तत्पर रहते हैं। श्री ओंकारनाथ मालपानी महाराष्ट्र महेश सेवा निधि के भी अध्यक्ष हैं। उनके इन कार्यों में बड़े भाई राजेश के साथ ही भाई मनीष, गिरीश, आशीष व पूरे परिवार का सहयोग भी उन्हें प्राप्त होता है। उनकी पत्नी श्रीमती अनुराधा मालपानी ध्रुव ग्लोबल स्कूल के संचालन के साथ संस्कार बालभवन की मानद संचालिका के रूप में उनके साथ कदम से कदम मिलाकर चलती हैं।

पूर्व में संयुक्त परिवार व्यवस्था लागू रहने से परिवार की 3-4 पीढ़ियाँ तक एक साथ रहती थी। इससे उन्हें एक दूसरे को समझने का अवसर मिलता था। लेकिन वर्तमान में संयुक्त परिवार व्यवस्था बिखरती ही जा रही है और अधिकांशतः एकल परिवारवाद हावी हैं। इसी का नतीजा है, दो पीढ़ियों में संवाद की कमी और इससे टकराव की वृद्धि। इस समस्या का एक ही सामाजिक समाधान सम्भव है और वह है, काउंसलिंग सेंटर की स्थापना।

गीता मूंदड़ा, इंदौर

पारिवारिक समन्वय के लिये जरूरी काउंसलिंग सेंटर

आज संयुक्त परिवार के स्थान पर बढ़ते एकल परिवारों में दो पीढ़ी के बीच पर्याप्त संवाद न होने के कारण अनेक सामाजिक समस्याओं ने जन्म ले लिया है, ऐसे में परस्पर मनमुटाव भी बढ़ रहे हैं। अतः सामाजिक स्तर पर काउंसलिंग सेंटर का होना आवश्यक हो गया है। इन सेंटर्स पर व्यक्ति अपने मन की बात कह कर बीज रूप में पनपी समस्या का समाधान प्राप्त कर सकता है। कुछ विषय स्पेशल ग्रुप्स में चर्चा-परिचर्चा के माध्यम से मानसिक बदलाव लाने में सहायक हो सकते हैं और कुछ समस्याये व्यक्तिगत चर्चा के बाद। इसमें काउंसलर्स की टीम समस्या का समाधान निकालती है।

कैसे हों काउंसलिंग सेंटर

प्रत्येक गांव या शहर में 4-5 व्यक्तियों की टीम पूर्व निर्धारित समय, स्थान व दिन नियमित रूप से बैठना प्रारंभ करें। इसकी जानकारी नगर के प्रत्येक परिवार तक किसी भी प्रचार माध्यम से पहुंचे। इसमें उस समूह के सदस्यों के नाम व मोबाइल नंबर भी रहें। इसके लिये टीम के सदस्यों की अर्हताऐं में समय दान, स्वभाव में संयम, चर्चा को गुप्त रखने की क्षमता, अपने अनुभव के आधार पर समझाने की कला, धैर्य, किसी भी समस्या को सुनकर परस्पर चर्चा कर सलाह देने की क्षमता सदस्यों में अनिवार्यतः हो। कुछ विषयों पर वकील, मनोचिकित्सक, डॉक्टर आदि से भी परामर्श कर सकते हैं। इन विशेषज्ञों को भी टीम का सदस्य माने।

निर्धारित रहे सेन्टर की कार्यप्रणाली

सेन्टर के सही कार्यान्वयन के लिये उसकी कार्यप्रणाली का सुस्पष्ट व निर्धारित होना भी जरूरी है। इसमें सेन्टर की टीम प्रार्थी की समस्या को ध्यान से सुने। उससे लिखित में आवेदन लें अथवा टीम सदस्य उसकी बात को लिखकर उसके हस्ताक्षर करवा लें। एक-दो दिन बाद उसे बुलाकर सलाह या सुझाव दें तथा उसे सोचने का समय दें। समस्या के स्वरूप के अनुसार प्रार्थी द्वारा बताए गए व्यक्तियों की बात भी सुनें, उनके बयानों पर हस्ताक्षर ले लें। टीम प्रत्येक प्रार्थी की अलग-अलग फाइल बनावे। चर्चा को सार्वजनिक ना करें। टीम सदस्य गहनता से विचार-विमर्श करके उचित राय देंगे तो बहुत संभव है कि छोटी-छोटी समस्याएं प्रारंभिक रूप से ही सुलझ जाएगी।

''ग्रुप डिस्कशन'' भी हो अनिवार्य

''ग्रुप डिस्कशन'' एक मनोवैज्ञानिक विधि है। अतः इसे अवश्य शामिल करें। किसी भी विषय पर भाषण देना एक औपचारिकता है, परंतु छोटी-छोटी समूह चर्चा अधिक प्रभावी होगी, यह मानसिक परिवर्तन की ओर एक छोटा सा कदम होगा। इसमें विवाह पूर्व मानसिक तैयारी, जीवनसाथी कैसा हो, परिवार में समरसता लाने में मेरी भूमिका, करियर व परिवार में सामंजस्य, जीवन संध्या को खुशहाल कैसे बनाएं, लड़कों की उच्च शिक्षा की आवश्यकता, टेक्नोलोजी के कारण बेहतर ग्राम जीवन संभव, संबंध विच्छेद के कारण व निवारण, परंपरा व परिवर्तन कहां तक स्वीकार्य हो, जैसे विषय शामिल हैं। इस प्रकार और भी सुझाव प्राप्त हो सकते हैं। मेरा आग्रह है कि इसके लिए रुचि रखने वाले सदस्यों की एक समिति बनाई जाए तथा हर शहर में अनुभवी व्यक्तियों का सहयोग लेकर इसे आगे बढ़ाया जाए।

(लेखिका अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष रही हैं।)

जब मन में अपनी पहचान बनाने का दृढ़ संकल्प हो तो न तो कोई कमी बाधा बनती है और न ही सुविधा-असुविधा। बस इसी बात को सिद्ध कर दिखाया है कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की पुत्री कोटा निवासी अंजली ने। परिवार में राजनीतिक माहौल होने के बावजूद भी प्रशासनिक सेवा का न सिर्फ सपना देखा बल्कि अब वह इसे साकार भी करने जा रही हैं।

सिविल सेवा परीक्षा में चयनित हुई अंजली बिरला

गत दिनों संघ लोकसेवा आयोग की प्रशासनिक सेवा परीक्षा का अंतिम परिणाम आया। इसमें माहेश्वरी समाज की बेटी कोटा निवासी अंजली बिरला आईएएस के लिये चयनित हुई। अंजली लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला व डॉ. अमिता बिरला की छोटी सुपुत्री तथा अ.भा. माहेश्वरी महासभा के उत्तरांचल सभापति राजेश कृष्ण बिरला की भतीजी हैं। जैसे ही यह खबर उनके शुभचिंतकों के बीच पहुँची तो उनकी शक्तिनगर कोटा स्थित आवास पर जश्न का सा माहौल बन गया। एक राजनीतिक परिवार में प्रशासनिक सेवा के प्रति ऐसे रुझान की हर किसी ने प्रशंसा ही की। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला की धर्मपत्नी अमिता बिरला ने भी अपनी बेटी को मिली इस कामयाबी पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि वह शुरू से ही कुछ अलग करने का मन में ठान कर चल रही थी और पहली बार में ही आईएएस की परीक्षा में सलेक्शन होने पर पूरे परिवार में खुशी का माहौल है।

बड़ी बहन बनी प्रेरणा

अंजली ने बताया कि तैयारी के दौरान बड़ी बहन आकांक्षा मोटिवेशन का सबसे बड़ो स्रोत रहीं। वे न सिर्फ उनका उत्साहवर्धन करती रहीं बल्कि पढ़ाई और परीक्षा से लेकर इंटरव्यू तक की रणनीति बनाने में पूरा योगदान दिया। इस दौरान माँ डा. अमिता बिरला और पिता लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी स्वयं पर विश्वास बनाए रखने को प्रेरित किया। अंजली ने कहा कि भले ही परीक्षा की तैयारी वह कर रही थीं लेकिन पूरा परिवार हर समय उनकी सहायता व सहयोग के लिए तैयार खड़ा रहता था।

कठोर मेहनत से मिली सफलता

अंजली ने बताया कि उन्होंने प्रतिदिन 10 से 12 घंटे परीक्षा की तैयारी की। परीक्षा के लिए भी उन्होंने पॉलीटिकल साइंस और इंटरनेशनल रिलेशन्स विषय चुने थे। परिवार में राजनीतिक माहौल होने के बाद भी प्रशासनिक सेवाओं के क्षेत्र में जाने के सवाल पर अंजली ने कहा कि पिता राजनीतिज्ञ हैं, मां चिकित्सक हैं। परिवार के सभी अन्य सदस्य भी किसी न किसी रूप में सामाजिक सेवा के क्षेत्र से जुड़े हैं। वह भी अपनी मेहनत से स्वयं के पैरों पर खड़ा होकर एक अलग दृष्टिकोण से परिवार से अलग एक नए क्षेत्र में समाज की सेवा करना चाहती थीं। इसी कारण उन्होंने यूपीएससी परीक्षाओं की ओर रूख किया।

महिला सशक्तिकरण रहेगा लक्ष्य

अंजली ने कहा कि वे किसी भी विभाग से जुड़कर सेवा देने को तैयार हैं, लेकिन महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में काम करने का अवसर मिलने पर उन्हें विशेष खुशी मिलेगी। उन्होंने कहा कि कोटा में अभिभावक आमतौर पर बच्चों को बायोलॉजी या मैथ्स लेने के लिए ही प्रेरित करते हैं, जबकि इन दोनों विषयों के इतर भी बहुत बड़ी दुनिया है। उनका प्रयास रहेगा कि यहां भी न सिर्फं युवाओं बल्कि उनके अभिभावकों को भी अन्य विषयों का चयन कर एक नई दुनिया की खोज करने को प्रेरित कर सकें। स्वयं अंजली ने सोफिया स्कूल से आर्ट्स में 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद दिल्ली के रामजस कॉलेज से पॉलिटिकल साइंस (ऑनर्स) में डिग्री हासिल की। इसके बाद उन्होंने एक वर्ष दिल्ली में रहकर ही यूपीएससी परीक्षा की तैयारी की।

www.rathi.com

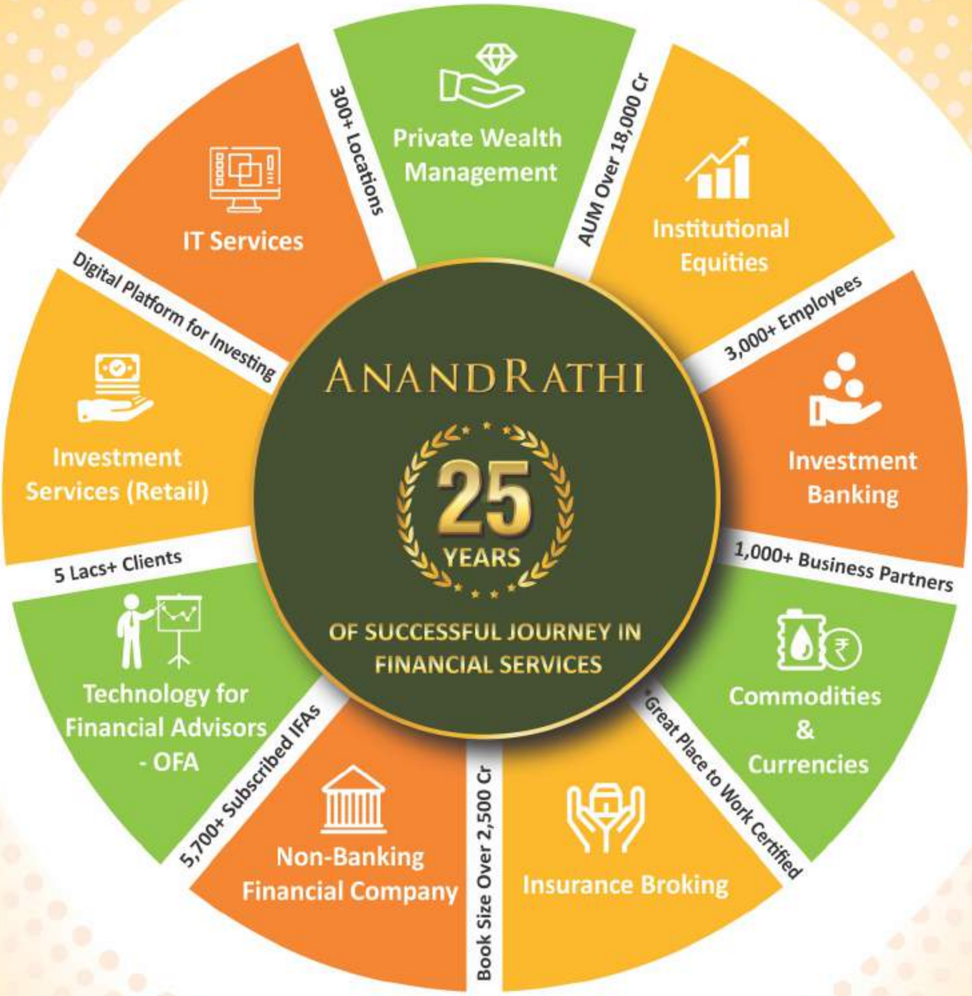

ANANDRATHI

Call us on 1800 200 1002 / 1800 121 1003 or log on to www.rathi.com

Anand Rathi Share & Stock Brokers Ltd. / AnandRathi Advisors Ltd.
Regd. Office: Express Zone, A Wing, 9th Floor, Western Express Highway, Opposite Oberoi Mall, Goregaon (E). Mumbai - 400063. India. Tel: 022 6281 7000
BSE (Mem.ID.949) CM: INB011371557 FO: INF010676931 BSE CD: Exchange Regn. | NSE (Mem.ID.06769) CM: INB230676935 FO: INF230676935 CD: INE230676935 | MSE (Mem.ID.1014) CM: INB260676938 FO: INF260676938 CD: INE260676935 | DP- NSDL: IN-DP-NSDL-149-2000, CDSL: IN-DP-CDSL-04-99. | Research Analyst - INH000000834 | MCX: MCX/TCM/CORP/0525 Mem.ID.: ITCM8500 | NCDEX: NCDEX/TCM/CORP/0178 Mem.No.: TCM00147 | NCDEX SPOT: NCDEXSPOT/043/CO/08/10050 Mem.No.: 10050 | PMS: INP000000282 | MBD-INM000010478 | Investment Adviser: INA000000268 | AMFI: ARN-4478 is Registered under "Anand Rathi Share & Stock Brokers Ltd." | ARN-100284 is Registered under "AR Wealth Management Pvt. Ltd." | ARN-111569 is Registered under "AR Venture Fund management Pvt. Ltd." --We are a distributor of Mutual Fund. Anand Rathi Global Finance Limited is registered as NBFC Regn. No.: B-13.01682. Insurance is registered under "Anand Rathi Insurance Brokers Ltd." License No. 175. PMS registered under Anand Rathi Advisors Ltd. Insurance Products are distributed under Anand Rathi Insurance Brokers Ltd. PMS, PAS & Wealth Management are not offered in commodities segment. Commodities is registered under Anand Rathi Commodities Ltd. | *Anand Rathi Wealth Services Limited.

Disclaimer: Investment in securities market are subject to market risks, read all the related documents carefully before investing. Investments in Mutual Fund are subject to market risk, read all the related documents carefully before investing.

माहेश्वरी समाज के 100 कर्मयोगी होगें सम्मानित

भगवान श्रीकृष्ण कर्मयोग के प्रवर्तक और निष्काम कर्म के प्रेरक पुरुषोत्तम हैं। सृजन के विविध आयाम और कर्म की पराकाष्ठा से ओतप्रोत श्रीकृष्ण के मार्ग का अनुसरण करते हुए माहेश्वरी समाज के भी अनेक बन्धु-बहिनों ने कर्मयोग की अनुकरणीय मिसालें प्रस्तुत की हैं।

प्रतिष्ठित चैनल 'भक्ति सागर' और आपकी अपनी मासिक पत्रिका 'श्री माहेश्वरी टाइम्स' ने सृजन की विभिन्न विधाओं और लोक कल्याण के नाना क्षेत्रों में अपने निष्काम कर्म की छाप छोड़ने वाले समाज के ऐसे ही प्रेरक कर्मयोगियों के अभिनन्दन का निर्णय किया है। अखिल भारतीय स्तर पर चुने हुए इन '100 कर्मयोगियों' के साक्षात्कार चैनल पर प्रसारित किए जाएंगे और पत्रिका इन सभी के योगदानो को समर्पित विशिष्ट पुस्तक का प्रकाशन करेगी।

समाजजनों से आग्रह है कि कृपया अपने क्षेत्र के ऐसे कर्मयोगियों के बारे में हमें सूचनाएं सुलभ कराने का कष्ट करें, जिन्होंने किसी भी क्षेत्र में उपलब्धि के शिखर छूकर लोक के लिए कर्म की पराकाष्ठा का उदाहरण प्रस्तुत किया हो। आप इनके नाम, परिचय, कार्य विवरण, चित्र, सम्पर्क नम्बर या मेल आईडी उपलब्ध करा कर हमारे इस अभियान में सहयोगी बन सकते हैं। श्रेष्ठ 100 का चयन निर्णायक मंडल के अधिकार में होगा।

सेवा त्याग सदाचार

श्री माहेश्वरी टाईम्स
९०, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे)
साँवेर रोड, उज्जैन-४५६०१० (म.प्र.)
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

भाई जेडा सैन

खम्मा घणी सा हुक्म मनुष्य चाहे कितनों भी बड़ा हूँ जावे, सेवाभाव रे बिना मनुष्य री मनुष्यता अपूर्ण है।

निस्वार्थ भाव सूं कियोड़ी सेवा सूं बढ़ने संसार में कोई धर्म नहीं है। मनुष्य ने स्वार्थ री मित्रता रो त्याग करणो चहिजे और जो मित्र विपत्ति और दुख में साथ निभावे एड़ा मित्र रो परित्याग कदैई नहीं करणो चहिजे। याही सच्चे मित्र रा लक्षण हुवे।

मित्रता स्वार्थ परायणता रे लिए नहीं बल्कि समर्पण रे लिए हैं। आज हर व्यक्ति प्रायः अपणे स्वार्थ सिद्ध करणे रे वास्ते मित्र बणावे और काम निकळ जाणे रे पछे मित्रता समाप्त हूँ जावें... हुक्म आपरे विचार में या सही है.. ? स्वार्थ री मित्रता जीवन मे कई हासिल करें.. पल भर रो सकून या लंबे सफर में विनी भूमिका..?

मित्रों इण बात ने भी नकारों नही जा सके कि हर मित्रता रे पीछे कोई ना कोई स्वार्थ हुवें । ऐड़ी कोई मित्रता नहीं जिणमें स्वार्थ नहीं हुवे यों भी एक कडवों सच है।

आज रे वर्तमान युग में यों सब जगह देखण ने मिले की स्वार्थ रा साथी सभी जण हैं और जणे दुःख रो समय आवे तो छोड़ने भाग जावे यदि आदमी रे कने धन, दौलत है, तो विने कनें रात दिन मित्रों रो तांतों लाग्योडो रेहवें और यदि उनके कने धन , दौलत नहीं है तो साथ छोड़ ने पतली गली सूं निकळ जावें । खाली अपणों उल्लू सीधो करें। इण संसार में 95% इन्हीं प्रकार रा लोग हैं।

हुक्म जो दुःख, तकलीफ रे समय साथ देवे , वे ही सच्ची मित्रता रा पात्र हुवे पर सच्चा मित्र बहुत कम मिलें । जीका भी मिलें केवल आपरो स्वार्थ सिद्ध करण में रेहवें। चाहे राजनीति हो या समाज सेवा हो। सबमें स्वार्थ रे बिना काम नहीं चले राजनेता लोग आवे बहुत लालच देने खुद रे स्वार्थ रे वास्ते दूसरों ने आकर्षित कर लेवे। और स्वार्थ पूरों हूँ जावें दोबारा कदैई भी नहीं पूछे.. समाज सेवा में जो नेताओं रे साथे स्वार्थ सूं जुड़ियोडा व्यक्ति हुवे वे भी उन्हीं री देखरेख करें इण प्रकार री दुनिया चल रही है। स्वार्थ है तो आपरे पास में... और स्वार्थ नहीं हैं तो कोई पूछण वाळा भी नहीं है। हुक्म चार पंक्तिया याद आ रही है

संकट में जो साथ निभावें,सच्चा मित्र कहलावें मित्र री पीड़ा ने समझे , हर पल मित्र रे काम आवें। जो स्वार्थ रे लिये मित्रता बढ़ावें, सुख में खुब मौज उड़ावें,एड़ा मित्र ने पहचानो जो स्वार्थ रे लिये मित्रता बनावें।

मित्रता कृष्ण सुदामा निभावे, निर्धन धनी री दीवार गिरावें। स्वार्थ री मित्रता पहचान स्वार्थी मित्र ने दूर भगावें।

'स्वाति ' दुनिया ने जान पावें कि, निस्वार्थी मित्र ही सदा काम आवें।

स्वाति 'सरु' जैसलमेरिया

मुलाहिजा फ़रमाइये

▸▸ *ज्योत्सना कोठारी*
मेरठ

- दोस्त हमउम्र ना भी हो तो कोई बात नहीं,
हमखयाल ज़रूर होना चाहिए....
- ज़िंदा रहना है तो हालात से डरना कैसा,
जंग लाज़िम हो तो लश्कर नहीं देखे जाते!!
- ये हुनर जो आ जाये, आपका ज़माना है
पाँव किसके छूने हैं, सर कहाँ झुकाना है
- ये ना समझना कि खुशियों के ही तलबगार हैं हम
तुम अगर अश्क भी बेचो तो, उसके भी खरीददार हैं हम
- बेरंग जिंदगी में रंग भर जाते हैं,
जब कुछ फरिश्तें दोस्त बन कर आते है !
- वक्त के हालातो ने हर शख्स को चुप रखा है
जैसे हर शख्स केवल जिंदगी का इम्तिहान ही दे रहा हो।
- लोग तलाशते है कि कोई... फिकरमंद हो..,
वरना कौन ठीक होता है यूँ हाल पूछने से..!

कार्टून कौतुक

कैसे बनाऐं सर्दी को हेल्दी सीजन

ठंड का मौसम आया नहीं कि सर्दी-जुकाम होना स्वाभाविक है। वैसे तो यह एक सामान्य बीमारी है, लेकिन कोरोना काल में आम व्यक्ति सर्दी जुकाम के नाम से ही कांप जाता है। वास्तव में देखा जाऐ तो इसके लिये दवाऐं खाना जरूरी नहीं है, कारण हमारे घर के अन्दर ही इसका इलाज सहज रूप से मौजूद है। तो आईये जानें क्या खाऐं हम कि सर्दी का मौसम बना रहे हेल्दी सीजन।

टीम SMT

जब हमारा शरीर मौसम के अनुसार एडजस्ट नहीं करता है, तो हम मौसमी रोगों के शिकार हो जाते हैं। मौसम के बदलाव के दौरान व्यक्ति का शरीर वातावरण में हो रहे बदलाव को नहीं झेल पाता है और सर्दी-गर्मी के असर से सर्दी-जुकाम से ग्रसित हो जाता है। सर्दी की शुरूआत नाक से होती है, पर धीरे-धीरे इसका असर पूरे शरीर पर होने लगता है। जुकाम की कोई चिकित्सा नहीं है। इस स्वतः कम होने वाली बीमारी में घरेलू चिकित्सा ज्यादा उपयोगी होती है। यहाँ पर हम इससे बचने के लिए कुछ घरेलू उपाय बता रहे हैं।

कब क्या करें?

- जब कभी आपके गले में खराश हो और आपकी नाक सर्दियों में बंद हो जाए, तो एक गिलास गर्म पानी में चुटकी भर नमक डालकर गरारे करें। इससे आपका गला साफ होगा और यह वायरस को दोबारा आपके शरीर में प्रवेश करने से रोकता है।
- शहद के साथ अदरक का सेवन सुबह शाम करने से भी सर्दी जुकाम में जल्दी आराम मिलता है।
- किसी स्टीम वेपराईजर से ली गई भाप बंद नाक और बलगम से राहत दिलाएगी। अगर, आपके पास स्टीम इंहेलर नहीं है, तो आप केतली में गर्म पानी डालकर भी भाप ले सकते हैं।
- हल्दी को यदि गर्म दूध के साथ लिया जाए, तो यह कफ हटाती है और जुकाम में भी बहुत राहत पहुंचाती है। एक कप अदरक, तुलसी, पुदीने और कालीमिर्च वाली गर्म चाय, सर्दी से राहत पाने का असरदार घरेलू नुस्खा है। किशमिश को पीस कर पानी के साथ पेस्ट बना लें। इसमें चीनी डालकर उबालें और ठंडा होने के लिए छोड़ दें। रोज रात में सोने से पहले इसको लेने से सर्दी जुकाम में राहत मिलती है।
- जुकाम के इलाज में हल्दी काफी फायदेमंद है। बहती नाक को रोकने के लिए हल्दी को जलाकर इसका धुआं लें। इससे नाक से पानी बहना तेज हो जाएगा व तत्काल आराम मिलेगा।
- इमली और काली मिर्च से बनाया जाने वाले दक्षिण भारतीय सूप 'रसम' को गर्म-गर्म पिएँ, क्योंकि ये आपके शरीर में मौजूद अनावश्यक विषैले पदार्थ को बाहर निकालने में मदद करता है। इससे जुकाम में बेहद लाभ मिलता है। यदि नाक बंद है तो दालचीनी, कालीमिर्च, इलायची और जीरे को बराबर मात्रा में लेकर एक सूती कपड़े में बांध लें और इन्हें बार-बार सूंघें। इससे छींक आएगी और बंद नाक खुल जाएगी।
- लहसून की कलियों को उबालकर बनाये जाने वाले लहसून के सूप के सेवन से सर्दी जुकाम में शीघ्र ही लाभ मिलता है।
- सर्द जुकाम में तुलसी बहुत कारगर है। आप चाहें तो तुलसी के पत्तों को चबाकर खाएं या फिर पानी में उबाल कर काढ़ा बनाकर पीएं दोनों ही तरीके से फायदा होता है।
- 10 ग्राम गेहूं की भूसी, पांच लौंग और थोड़ा नमक लेकर उसे पानी में मिलाकर उबाल कर काढ़ा बनाएं। दिन में दो बार एक कप काढ़ा पीने से लाभ मिलता है।
- विटामिन सी सर्दी के उपचार में काफी लाभदायक है। एक गिलास गर्म पानी में नींबू के रस के साथ एक चम्मच शहद मिलाकर पिएँ। इसमें भरपूर मात्रा में मौजूद विटामिन सी हमारे शरीर में प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं।
- खजूर की तासीर गर्म होने के कारण इसे सर्दियों के लिए बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। खजूर को दूध के साथ उबालकर पीजिए। इससे ठंड में काफी राहत मिलती है।

गौमूत्र से बनाऐं सेनीटाईजर

आपके परिवार में यदि किसी को जुकाम हो तो एक-दूसरे के बर्तन का उपयोग न करें। यदि संभव हो सके तो डिस्पोसेबल बर्तनों का ही उपयोग करें। सेनीटाईजर का उपयोग व बार-बार हाथ धोना जुकाम से बचने का सर्वोत्तम उपाय है। इससे संक्रमित वस्तुओं को छूने से हाथ में आये वायरस समाप्त हो जाते हैं। आप गौमूत्र से भी सेनीटाईजर बना सकते हैं। इसके लिए 1लीटर गौ मूत्र, 50 ग्राम ध्रतकुमार (एलोवेरा) का गूदा निकालें, 25 ग्राम तुलसी की पत्तियां 25 ग्राम नीम की पत्तियां, 10 ग्राम फिटकरी पीसकर चूर्ण, 5 ग्राम अमृतधारा (प्राणसुधा) लें । लोहे की कढ़ाई में गौ मूत्र को डालकर मंद आंच पर पकाएं। फिर नीम, तुलसी की पत्तियों, एवं एलोवेरा के गूदे को डालकर मंद आंच पर पकने दें। 1लीटर में से 300 ग्राम वाष्प बनकर उड़ जाने दें, यानि 700 ग्राम बचने पर चूल्हे से उतार लेवें। ठंडा कर अमृतधारा मिलाकर छानकर कांच की बोतल में भरकर रख लें। इसे यथासंभव लकड़ी व कंडे की आंच पर ही बनाएं।

आवश्यकता है या दबाव?

समाज के लिए ''अति आग्रह'' से अर्थदान लेना

सामाजिक कार्यों की अर्थपूर्ति समाजजनों के आर्थिक योगदान से पूरी होती है। विभिन्न सामाजिक प्रकल्पों की पूर्ति के लिये समाज के कार्यकर्ता कई बार आग्रह से आगे बढ़कर अति आग्रह पर उतर आते हैं। इसमें उनकी सोच होती है कि यदि ऐसा नहीं करेंगे तो फंड एकत्र ही नहीं होगा। कई बार यहां अतिआग्रह दबाव बनकर दानदाता की अर्थव्यवस्था पर भारी भी पड़ जाता है अथवा उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करता है। यदि ऐसा ना हो तो भी कई बार ''घोषणावीर'' दान की घोषणा कर भूल जाते हैं। ऐसे में इस विषय पर चिंतन अनिवार्य हो गया है कि समाज संगठनों के कार्यों में ''अति आग्रह'' से अर्थदान लेना आवश्यकता है अथवा दबाव? यह विषय न सिर्फ हमारे समाज बल्कि तमाम समाजसेवी संगठनों व ऐसी गतिविधियों से भी सम्बद्ध है। अतः प्रबुद्ध पाठकों से इस चिंतनीय विषय पर विचार आमंत्रित है। आपके विचार समाजिक संगठनों को नयी राह दिखाऐंगे। समाज के इस ज्वलंत विषय पर आइये जानें इस स्तम्भ की प्रभारी सुमिता मूंदड़ा से उनके तथा समाज के प्रबुद्धजनों के विचार।

स्वैच्छिक और गुप्त हो दान

विभिन्न सामाजिक संगठन वर्षभर सामाजिक कार्य करते रहते हैं। सामाजिक कार्यों के लिए तन-मन-धन की आवश्यकता भी होती है। सामाजिक कार्यों में तन और मन लगाना अपनी इच्छा पर निर्भर करता है। पर जब सामाजिक कार्यों के लिए धन की आवश्यकता होती है तो सामाजिक कार्यकर्ताओं को समाज-बंधुओं के घर-ऑफिस जाकर धन एकत्र करना पड़ता है। भामाशाहों के लिए अर्थदान देना आसान होता है, पर मध्यमवर्गीय समाजबंधु के लिए अर्थदान यानि चंदा सरदर्द बन जाता है। ना चाहते हुए भी अपने समाज-बंधुओं को हाथ का उत्तर यानि चंदा देना ही पड़ता है। ऐसा भी नहीं है कि दाता को सिर्फ एक ही संगठन को वार्षिक अर्थदान देना है, छोटे-मोटे कई स्थानीय संगठनों को भी वर्षभर किसी ना किसी सामाजिक कार्य में अर्थदान देना पड़ता है। मध्यमवर्गीय के लिए यह अर्थदान अनचाहा आर्थिक भार बढ़ाता है। हम जानते हैं कि सामाजिक कार्यों के लिए कार्यकर्ताओं को समाज से ही धन जुटाना पड़ेगा। मेरे विचार में भामाशाहों को छोड़कर मध्यमवर्गीय बंधुओं के दान-धर्म को स्वैच्छिक और गुप्त रखा जाए जिससे उन्हें अपने ही समाजबंधुओं के समक्ष तुलनात्मक परिस्थितियों का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही छोटे-छोटे स्थानीय संगठन सामाजिक कार्यक्रम एकजुट होकर करें तो कार्यक्रम का व्यय घटेगा और समाज में एकजुटता बढ़ेगी। अनावश्यक सामाजिक कार्यक्रम पर भी अंकुश लगना चाहिए। एक दाता के समक्ष दूसरे दाता के अर्थदान का गुणगान और तुलना करके धन एकत्र करना संगठनों को शोभा नहीं देता। संगठनों को ऐसी गतिविधियों से बचना चाहिए।

■ **सुमिता मूंधड़ा**, मालेगांव

अनावश्यक दबाव ठीक नहीं

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। अतः उसे किसी न किसी समाज से जुड़ना ही पड़ता है क्योंकि बिना समाज के व्यक्ति अकेला जीवन यापन नहीं कर सकता है। समाज के जो नियम हैं, उसी अनुसार उसको भी चलना पड़ता है। इसमें कभी चंदा देना पड़ता है तो कभी कुछ सामाजिक कार्यों में आर्थिक सहयोग देना पड़ता है। यहां तक तो ठीक रहता है कि व्यक्ति स्वेच्छा से समाज हित के लिए कुछ दान करें लेकिन जब समाज के कर्मठ व्यक्तियों द्वारा उसे सामाजिक कार्यों हेतु आर्थिक सहयोग के लिए बाध्य किया जाता है या यो कहें कि समर्थता से अधिक देने के लिए कहा जाए तो यह गलत है। लेकिन कोई व्यक्ति अगर आर्थिक रूप से समृद्ध है तो उसे दूसरों की मदद में कभी हिचकिचाना नहीं चाहिए और यथासंभव सहायता करनी चाहिए। अतः समाजबंधुओं से निवेदन है कि समाज में किसी भी व्यक्ति से आग्रह ही करना चाहिए अति आग्रह नहीं। क्योंकि अति आग्रह एक दबाव है जिसमें व्यक्ति सामाजिक दबाव में आकर आर्थिक दान करता है, जो सर्वथा गलत है। उसको उकसाया जाता है कि अगर वह इतने रुपये नहीं देगा तो उसकी इज्जत कम होगी या समाज में उसका रुतबा कम हो जायेगा, इस डर से भी व्यक्ति दान करता है, जो सर्वथा गलत है। क्योंकि व्यक्ति उस रुतबे को बनाए रखने के लिए गलत कार्य करके भी पैसा कमाएगा और अपना रुतबा बनाये रखना चाहेगा। अतः अति आग्रह सर्वथा अनुचित है।

■ **शारदा जाजू**

सामाजिक कार्यों में अति अग्रह भी अनुचित नहीं

बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा है यह। ज्यादा दूर जाने की जरूरत ही नहीं है, अपने समाज में जो भी काम, कार्यक्रम होते हैं उनकी ही बात ले लीजिये। क्या कोई भी काम बिना पैसे से होता है? नहीं ना, तो यह तो बहुत छोटी सी बात है। यहाँ से थोड़ी दूर की देखे तो आज हमारे समाज की स्थिति बहुत गंभीर है। यह बात पिछले वर्ष आई बीमारी ने मेरी ही परिस्थिति से मुझे अवगत कराई। ऐसे ना जाने कितने घर होंगे जिन पर भी इस बीमारी की वजह से कितनी ही विकट समस्याएं आई होंगा? ऐसे बुरे वक्त में समाज के बहुत से लोग मदद करने के लिए आगे आये। फिर चाहे वो राशन हो, बच्चों की स्कूल फीस हो या फिर और किसी काम। अब यह बताइए कि ये कैसे संभव हो सका है? समाज के जो भी भामाशाह लोग थे, जो अपनी ओर से जितना हो सके उतना अर्थसहाय करने में सक्षम थे, ऐसे महानुभावों ने अपना योगदान दिया। मेरे विचार से अर्थदान लेना कतई गलत नहीं है, और जो दे सकते हैं उनसे तो आग्रह से लेना भी गलत नहीं है, जो भी मान्यवर अपनी इच्छानुसार अर्थदान करते हैं, ये उनका बडप्पन है। पर अपने समाज में बहुत से लोग मदद करने योग्य है अगर वे खुद होकर अर्थदान करें तो आग्रह करना किसे अच्छा लगेगा? हमारे समाज के जो भी समाजसेवी है, वह अगर सामने वाले की आर्थिक स्थिति से अवगत होकर अति आग्रह से अर्थदान करने के लिए कहते हैं तो समाज के हित के लिए इसे दबाव नहीं समझे। इसे समाज की आवश्यकता समझें। अंत में इतना ही कहना चाहती हूँ कि समाज में, समाज की हर जगह की परिस्थिति को देखे ,परखे और समझे।

■ **यशश्री अभिषेक चांडक**, परतवाडा जिला अमरावती (महाराष्ट्र)

दान देने की नैतिक जिम्मेदारी समझें

कहा गया है -

"तुलसी पंछिन के पिये, घटे न सरिता नीर।

दान दिए धन ना घटे, जो सहाय रघुवीर।"

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। इसलिए हर व्यक्ति का समाज के प्रति कुछ कर्तव्य भी होता है। उसमें अर्थदान लेना और देना भी एक नैतिक जिम्मेदारी है। समाज के अस्तित्व व प्रगति के लिए अर्थदान व सहयोग आवश्यक है। समाज के लिए अति आग्रह से अर्थदान लेना आवश्यकता तो है पर किसी के लिए दबाव न बनाएं। उच्च वर्ग व संभ्रांत परिवारों से आग्रह करके अर्थदान लेना आवश्यकता है पर मध्यम व निम्न मध्यम वर्ग से अर्थ दान के लिए दबाव न बनाएं। यदि समाज के सालाना उत्सव जेसे श्री महेश नवमी, अन्नकूट महोत्सव आदि में समाज के लोग अति आग्रह से अर्थदान लेना चाहते हैं तो वह निराधार है। स्वेच्छा से लोग जो देना चाहे, उसे स्वीकारे, जिससे लोग समाज में आने से ना कतराए।

■ **भारती काल्या**, कोटा (राजस्थान)

अति हर चीज की बुरी

एक सुदृढ़ समाज के निर्माण में सामाजिक कार्यकर्ताओं की एक अहम भूमिका होती है। सामाजिक कार्यकर्ता समाज को एक नई दिशा प्रदान करने में सहयोगी होते हैं, परंतु कभी-कभी वे इस सहयोगिता के लिए काफी हद या अति तक चले जाते हैं, जो कि समाज में इन कार्यकर्ताओं की छबि को नकारात्मक दृष्टिकोण बनाने की भागीदार बन जाती है। जैसा सर्वविदित है कि "अति सर्वत्र वर्जयते", अर्थात् अति हर चीज की बुरी होती है, फिर अति आग्रह से लिया गया अर्थदान समाज को नई दिशा, नये आयाम, नई सोच तथा सकारात्मकता की ओर कैसे ले जायेगा? पूर्णता के साथ मेरे विचारों में यथार्थवादी सत्यता के साथ-साथ कभी-कभी दूरदर्शिता को भी रखना पड़ता है, अर्थात आग्रह सामान्य हो या अति वह यथार्थ की परिस्थितियों या आवश्यकताओं पर निर्भर करता है।

■ **ममता-गणेश कुमार लखाणी**, नापासर (बीकानेर)

मंच की गरिमा भंग ना हो

विकास की दिशा भौतिकता के अभाव से शून्य सी होगी यह निश्चित है किंतु अत्याधिक आग्रह कर दानदाताओं के लिए संकट की स्थिति उत्पन्न करना भी सही नही है। चंदा किस कार्य हेतु आवश्यक है, यह बताकर स्वेच्छा से मदद लेना ही सही होगा। अर्थव्यवस्था को इतनी तवज्जों दी जाती हैं, जिसके चलते केवल दान पाने की लालसा में ऐसे लोगों को मंच पर आमंत्रित किया जाता है जिनका व्यक्तित्व समाज के सामने किसी तरह का आदर्श प्रस्तुत करने योग्य नहीं होता। मंच की अपनी गरिमा है, वहां ईश्वर की प्रतिमा स्थापित है। वहीं से कई बार दबाव में आकर और वाहवाही पाने की लालसा में घोषणा तो कर दी जाती किंतु वह पूर्ण नहीं हो पाती। अतः सामर्थ्यानुसार ही घोषणा कर उसे पूर्ण करे। उच्च वर्ग स्वयं आगे आकर दान देने में तत्पर रहते हैं, समाज में इसके अनेक उदाहरण है। आज समाज के युवा भी काफी जागरूक नजर आते है। जरूरतमंदों तक वह भी सुविधाएं, शिक्षा पहुंचाने का भरसक प्रयास करते हुए दिख रहे हैं। दान किस कार्य हेतु देना यह भी व्यक्ति की अपनी स्वेच्छा पर निर्भर करता है इसमें आग्रह करना अतिशयोक्ति होगी। कोई धार्मिक कार्यों में रुचि कम रखता है, वहीं विकलांगों के इलाज हेतु योगदान देना चाहता है, तो कोई शिक्षा का विस्तार चाहता है और कुशाग्र बुद्धि जीवी को धन के अभाव में शिक्षा छोड़ना ना पड़े इसका ध्यान रखता है। किटी पार्टियां, दोस्तों के समूह, अलग अलग जगह सभी जुड़े रहते है सब मिलकर सुविधानुसार निधि एकत्रित कर अच्छे कार्यों में लगा सकते है। आवश्यकता है जागरूकता की और आगे आकर जिम्मेवारी लेने की। धीरे धीरे सभी जुड़कर इस कारवां को अखंड रूप दे सकते है, जिस से किसी एक पर अधिक भार भी नहीं आएगा और जरूरत की जगह निधि भी पहुंच जाएगी। साथ ही आय, व्यय का ब्यौरा स्पष्ट रखा जाए जिस से समाज वासियों के मन में किसी तरह की शंका को स्थान ना मिले। मृत्यु के पश्चात भी अनावश्यक आडंबर कम कर उतनी निधि दान देने हेतु उपयोग में लाई जाए। ऐसा समाज में बदलाव लाना विकास की दिशा में सहयोग देगा।

■ **राजश्री राठी**, अकोला (महाराष्ट्र)

आग्रह की स्थिति परिस्थिति पर निर्भर

यह एक कड़वी सच्चाई है कि सामाजिक कार्यों एवं प्रकल्पों की पूर्ति अधिक योगदान से ही पूरी होती है। धन संग्रह करते समय कभी-कभी दानदाताओं पर दबाव बनाने के लिए विनम्रतापूर्ण हाथ जोड़ कर, अति आग्रह भी किया जाता है, ताकि दानदाताओं से अधिक दान प्राप्त हो। कहावत है **"Excess of everything is bad"** यानि "आवश्यकता से अधिक किया गया हर काम वर्जित है"। दान-दाताओं से दान लेने के समय की परिस्थिति, दाता की इच्छा, दान लेने व देने वाले के आपसी सम्बंध पर भी निर्भर करता है कि यह आवश्यकता है या फिर "नाजायज दबाव"।

■ **जयकिशन झंवर**, कोलकाता

सिर्फ दान के लिए करें प्रेरित

दान स्वेच्छा से देने की प्रक्रिया है। कई बार समाज के दीन दुर्बल व्यक्ति अपने उदर भरण के लिए मांगते है। कविवर रहीम कहते है-"रहिमन वे नर मर चुके, जो कुछ मांगन जायी। उनसे पहले वे मुये, जिन मुख निकसत नाही।"

हमारी संस्कृति में द्वार पर आने वाले को अपने रोटी में से भी दान देने की परम्परा है। दान सत्पात्री एवं सामाजिक विकास के लिए है तो थोड़ा आग्रह करें तो ठीक है। क्योंकि सत्कार्य करने के लिए थोड़ा प्रेरित करना ही पडता है। अन्यथा कार्य करना आसान नही होता परन्तु "अति सर्वत्र वर्जयेत"। देश, काल, परिस्थिति को देखकर दान मांगे। उदाहरण, अभी करोना काल में व्यापार न होने के कारण कई लोग स्वयं परेशान थे। मध्यम वर्ग के लोग तो मांग भी नही सकते थे। ऐसे समय आग्रह निश्चित ही दबाव बन जाता है। समाज से व्यक्ति विरक्त होने लगता है। कार्य कितना भी अच्छा हो परन्तु अति आग्रह से समाज में अलगाव न आये इसका ध्यान रखना अत्यावश्यक है। जिनके पास है, जो जितना दे सकता है, वो उतना निश्चित देवे। अच्छे कार्य में समूह में दान सहज होता है। सभी की प्रेरणा से होता है, तो दान का आग्रह करे अति आग्रह न करे।

■ **डॉ. लीला करवा**, राजस्थानीसंस्कृति

दानदाता के विवेक पर छोड़ें

भौतिक रूप से धनवान होना व नैतिक रूप से धनवान होना दोनों अलग-अलग बातें हैं। धन की पर्याप्तता व अधिकता के बावजूद समाज के अधिकांश व्यक्ति दानदाता नहीं हैं, जबकि हमारे समाज के अधिकांश बंधुओं की आर्थिक स्थिति काफी आरामदायक है। व्यवहार में देखा गया है कि समाज का अत्यंत अल्पवर्ग ही समाजसेवा हेतु धनदान, आर्थिक सहयोग करने में शामिल होता है व उन्हीं दानदाताओं का बार-बार नाम सुना जाता है। वास्तव में समाज को यथासंभव आर्थिक सहयोग करना हमारी साधारण प्रवृत्ति होनी चाहिए। लेकिन इस भावना के अभाव व दान देने में अधिकतर समाजबंधुओं की उदासीनता अर्थसंग्रहकर्ताओं को मजबूर करती है कि वे उन्हीं दानदाताओं से अति आग्रह करें हैं, जो देने की प्रवृत्ति रखते हैं। अर्थ संग्रहकर्त्ताओं की मुख्य समस्या यह है कि जो प्रोजेक्ट हाथ में ले रखे हैं, नवीन प्रोजेक्ट्स को चालू करने व अन्य आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु बड़ी धनराशि की आवश्यकता होती है जबकि दानदाताओं के नाम अंगुलियों पर गिने जाने योग्य ही होते हैं। ऐसी स्थिति में कोई और चारा नहीं होने से वह उन्हीं दाताओं से अति आग्रह करते हैं। अतः संक्षेप में कहें तो अतिआग्रह कोई बुरी बात नहीं है, लेकिन अंत में अपनी बात को मजबूती से रखकर यह भी कहूँगा कि इसे दानदाताओं के विवेक पर छोड़ देना चाहिए।

■ **सुरेंद्र बजाज**, जयपुर

केवल समर्थ से होता है अतिआग्रह

किसी भी सामूहिक कार्यक्रम को पूर्ण करने के लिए समाजजनों का योगदान आवश्यक है। चाहे योगदान आर्थिक रूप से हो या सामाजिक रूप से हो। समाज का कार्य बिना फण्ड के संभव नहीं है। फण्ड एकीकृत करने में समाजजनों का आर्थिक योगदान आवश्यक है। किसी भी कार्य की पूर्ति बिना आग्रह के संपूर्ण नहीं होती है। समाज के कार्यक्रम के लिए सभी समाजजनों से आग्रह करते हैं। अति आग्रह सक्षम समाजजनों से किया जाता है, जिनसे उन्हें आशा होती है कि अत्यधिक फण्ड एकत्रित करने में हमारी मदद करेंगे।

मेरे विचार में इसके स्थान पर समाज के कार्यकर्ता को किसी भी कार्यक्रम के पूर्व जोर-शोर से प्रचार प्रसार करना चाहिये, जिससे उन्हें समाजजन से अति आग्रह की आवश्यकता ही न पड़े। हमारे समाज में ऐसे बहुत से नेक समाजजन हैं, जो समाजसेवी होने के साथ-साथ दानवीर भी हैं। दानवीर हमेशा अपनी बातों पर अमल करते हैं एवं समाज की मदद के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। वे गुप्तदान करने से भी पीछे नहीं हटते। जो समाजजन नाम के लिए घोषणा करते हैं और अमल नहीं करते हमें उनसे सावधान रहना चाहिये।

■ **किरण कलंत्री**, रेणुकूट (उ.प्र.)

नहीं होती क्षमता से अधिक की मांग

कुछ सामाजिक कार्य ऐसे होते हैं जिनमें 'अर्थ' की आवश्यकता होती है। विभिन्न कार्यों के लिए भवन बनाने की प्रथा तो आम बात है। कुछ ट्रस्टों का निर्माण कर उनके माध्यम से भी अन्त्योदय कार्य किए जाते हैं। विभिन्न समारोहों के लिए भी अर्थपूर्ति करनी पड़ती है। अब प्रश्न है कि ऐसे सामाजिक दान कैसे लिए जायें? 50 वर्षों से पहले की स्थिति अलग थी, जब एक परिवार ही सामाजिक व्यवस्थानुसार उसकी पूर्ति कर दिया करते थे। अब ऐसी स्थिति में प्रबुद्धजन इकट्ठा होकर सामाजिक उत्थान की रूपरेखा बनाकर समाज के सम्मुख रखते हैं। अर्थसमिति का निर्माण होता है। सम्भावित दानदाताओं की सूची बनती है। पूर्णरूपेण भूमिका के साथ अर्थदाताओं से सम्पर्क किया जाता है। अब यह बात अलग है कि जैसा सोचा जाए वैसा ही हो। अर्थसमिति का आग्रह रहता है कि आपकी सक्षमता इस पुनीत कार्य के लिए बहुत उपयोगी है। अर्थदाता उस परियोजना में स्वयं को कहाँ स्थापित करता है, यह उसके विवेक पर निर्भर करता है।

बहुत बार ऐसा देखा गया है कि उम्मीद से कोई ऊपर तो कोई नीचे हो जाता है। मेरा मानना है कि जिस तरह समुद्र लांघने की शक्ति को जामवन्तजी ने हनुमानजी को याद दिलाई, उसी तरह अर्थवान परिवार से आग्रह करना अर्थ समिति का कर्तव्य है। ऐसा विरल उदाहरण ही देखने को मिलता है कि क्षमता के बाहर जाकर दान की मांग की जाती है, हाँ, कभी-कभी आंकलन करने की भूल से ऐसा हो भी जाता है। उस स्थिति में उहापोह हो जाती है। आजकल अधिकांश बन्धु सामाजिक क्षेत्र में कुछ न कुछ अर्पण करने को उत्सुक रहता ही है, अतएव इक्का दुक्का घटनाओं की विवेचना करना उचित प्रतीत नहीं होता।

■ **जुगलकिशोर सोमाणी**, जयपुर

दान सदा वो ही सही-जिसके लिए मन और जेब न कहे ''नहीं''

समाज मे रहकर हम सभी अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हैं जिनमें सामाजिक कार्यों हेतु अर्थदान करना एक बहुत ही अभिन्न अंग है क्योंकि समाज के तीज त्यौहार का आयोजन,सामाजिक कार्यों के क्रियान्वयन, सामाजिक उत्थान की गतिविधियाँ आदि कार्य जो सामाजिक बंधुओ के हित में किये जाते हैं उनके लिए आर्थिक सहयोग भी अपेक्षित होता है। आज प्रश्न ये है कि कितना, कब और कैसे इसकी सीमा निर्धारित की जाए? आयोजनों का स्वरूप आज विराट हो चला है, जिससे व्यय भी बढ़ गया है किंतु फिर भी अर्थदान स्वेच्छिक ही होना चाहिए। किसी दूसरे की धनराशि से प्रेरित या ऐसी कोई धनराशि जो आपकी माली हालत के प्रतिकूल हो कभी भी नही देना चाहिए क्योंकि दान सदा प्रसन्नचित्त होकर ही दिया जाना चाहिए न कि अपनी झूठी शान दिखाने और अपने ही लिए परेशानी खड़ी करने हेतु। जो व्यक्ति मन से समाज से जुड़ेगा वो परिस्थिति के अनुकूल सामाजिक कार्यों में मन, वचन और धन से सहयोग करेगा ही। इसलिए आज की नितांत आवश्यकता है कि व्यक्ति गुप्त दान कर अपना सामाजिक कर्तव्य निभाये क्योंकि गुप्त दान ही सही अर्थों में दान होता है और उससे किसी को हानि भी नही होती। इससे मन की भावनाएं भी आहत नही होती और कर्तव्य वहन भी स्वैच्छिक होता। अतः गुप्त दान करें और समाज में सहर्ष अपनी भूमिका निभाएं।

■ **शालिनी चितलांगिया 'सौरभ'**,
राजनांदगांव, (छत्तीसगढ़)

अति आग्रह से दान लेना सरासर गलत

समाज कार्य के लिये अतिआग्रह करके दान लेना शत प्रतिशत गलत है। इससे भावनाओं का अनादर होता है। यथा शक्ति दान जिस कार्य के लिये दान लेते हैं, वह सत्कर्म में लगता है तो गरीब से गरीब भी यथा शक्ति देता है। इनका सम्मान होना चाहिए। अतिआग्रह करने से नाराजगी होती है, दबाव बना रहता है। किसी भाई ने अपेक्षा से कम दे दिया तो हम गांव भर में चर्चा करते हैं, यह भी बंद होना चाहिए। हम जानते हैं कि बगैर धन के कोई कार्य नही हो सकता। लेकिन ऐसे प्रोजेक्ट हाथ में लेना चाहिए जिसमें आम सहमती बने। केवल नेताजी की आसक्ति से प्रोजेक्ट्स नही होने चाहिए। कार्य की महत्ता समाज के हर घर तक पहुँचानी चाहिए। हमारे समाज में नये अध्यक्ष को कुछ अलग करने की होड़ लगती है। ऐसे में दबाव में धन संग्रह करने चल पड़ते हैं। यह सिस्टम बदलना चाहिए।

■ **अशोक तापड़िया,** नासिक

दान बिना दबाब का हो

दान के लिये दबाब का कोई औचित्य नहीं। दान तो निःस्वार्थ भाव से दी गई कोई वस्तु है। जो व्यक्ति की हैसियत पर नहीं उसके स्वभाव पर निर्भर है। अतः जो लोग किसी दवाब के चलते दान देते हैं वे अंतस से ना ख़ुश होते हैं। सिर्फ अपनी हैसियत की इज्जत रखने के लिये ही वे दूसरों के कहने पर उस वस्तु को देते हैं। राजनीति में इसे फण्ड रूप में उचित माना जा सकता है क्यों कि देने वाले और लेने वाले दोनों की स्वार्थ पूर्ति होती है किन्तु सामाजिक परोपकारी कार्यों में दवाब से लिया पैसा उस व्यक्ति के अंतस में टीस देता है। ऐसे में यह अनुकरणीय ना होकर अनुचित ही हो जाता है। अतः सदैव दिल से दिया गया दान ही परमार्थ के कार्यों में फलित होने हेतु स्वीकार्य होना चाहिये. अन्यथा दुखी ह्रदय से दी कोई वस्तु सुखदायी फल नहीं दे सकती।

■ **पूजा नबीरा,** काटोल (नागपुर)

स्वेच्छा से ही लें दान

समाज में विविध प्रकार के संगठनों का गठन किया गया है। ये संगठन विविध कार्यों के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं, चाहे वो शिक्षा से संबंधित हो, मेडिकल से, या फिर आर्थिक समस्याओं से। अभी कोरोना काल में विभिन्न संगठनों ने बहुत से लोगों की मदद की है किंतु जब अर्थदान की बात आती है तो कभी-कभी सभी से आग्रह किया जाता है कि आप इतनी राशि दान कीजिए। मुझे लगता है ऐसा दबाव यदि डाला गया तो कुछ लोग पैसा ना होने पर भी शर्म के मारे अर्थदान तो कर देंगे लेकिन इससे उन्हें आर्थिक कमियाँ हो सकती है। भले ही अर्थदान की आवश्यकता है पर मेरे हिसाब से स्वेच्छा से दिया गया दान ही सही मायने में अर्थदान है। इसके लिए आग्रह की आवश्यकता है किंतु किसी पर दबाव ना डाला जाये। मेरे हिसाब से महत्व दान की मात्रा का नहीं अपितु त्याग की भावना और पीड़ित मानवता के प्रति विनम्र संवेदनशीलता का है।

■ **डॉ. हेमलता-रामलाल लड्ढा** अकोला (महाराष्ट्र)

कच्ची हल्दी की सब्जी

राजस्थान और गुजरात के कुछ हिस्सों में सर्दी के मौसम में हल्दी की सब्जी बनाई जाती है। हल्दी की तासीर गर्म होती है इसलिए ये सब्जी सर्दियों में ठंड से बचाकर मौसमी बीमारियों से बचाकर शरीर की इम्यूनटी बढ़ाती है। कच्ची हल्दी, देखने में अदरक के समान ही दिखती है। इसे दूध में उबालकर, चावल के व्यंजनों में डालकर, अचार के तौर पर, चटनी बनाकर और सूप में मिलाकर सेवन किया जाता है। आइए जानते है इस सब्जी को बनाने की विधि और इसके फायदों के बारे में।

सामग्री : 100 ग्राम-हरी हल्दी, 1- बारिक कटा हुआ प्याज, 1- चम्मच अदरक लहसुन पेस्ट, 1- चम्मच - दही, 1- चम्मच - धनिया पाउडर, 1- चम्मच -लाल मिर्ची पाउडर, 3-4 -काली मिर्च, 2 लौंग, आधी कटोरी - हरे मटर, स्वाद अनुसार नमक, तेल

विधि : सबसे पहले कडाई में तेल डालकर मध्यम आंच पर गरम करें। लौंग व काली मिर्च डाले। कटा प्याज और अदरक, लहसुन पेस्ट डालकर पकाये। अब हल्दी को छिलकर मिक्सर में पिसकर जल्दी से उसमे मिलाये नही तो काली पडती है, अभी मुट्ठीभर हरे मटर डाले। थोड़ी देर पकने दे। अभी दही मे मिर्ची और धनिया पाउडर मिक्स करके डालें थोडा पानी डालकर पकाएं। 5 मिनिट में हेल्दी हल्दी की सब्जी तैयार।

शेफ नेहा आर ठक्कर
बडौदा (गुजरात)

मध्यप्रदेश शासन
रानी लक्ष्मीबाई
चन्द्रशेखर आज़ाद
वीर सुरेन्द्र साए
भीमा नायक
शंकर शाह
रघुनाथ शाह
बरकतउल्ला भोपाली
रानी अवंतीबाई
टंट्या भील
तात्या टोपे
राणा बख़्तावर सिंह
सीताराम कँवर
रघुनाथ सिंह मण्डलोई
आइये, इस गणतंत्र दिवस पर प्रदेशवासियों की सहभागिता की सुदृढ़ बुनियाद पर हम
ऐसे आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण का संकल्प लें, जो देश में समानता, सद्भाव और सबसे तेज प्रगति की मिसाल बने।
देश के लिए बलिदान होने वाले वीर सपूतों को शत्-शत् नमन।
शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री
आत्मनिर्भर हों जन-जन
नवचेतना नवऊर्जा का
गणतंत्र
प्रदेशवासियों को
72वें गणतंत्र दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएँ
श्री नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री
श्री शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री
खुशहाल जीवन और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम...
• आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश का रोडमैप जारी। यह पहल करने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य। नीति आयोग ने की इस पहल की प्रशंसा।
• मनरेगा योजना में अब तक 86 लाख 37 हजार मजदूरों को रोज़गार, इनमें 36 लाख 87 हजार महिलाएं। प्रतिदिन लगभग 20 लाख श्रमिकों का नियोजन। देशभर में सर्वाधिक।
• प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश प्रथम।
• कृषि क्षेत्र में मध्यप्रदेश देश का "मोस्ट इम्प्रूव्ड" राज्य।
• सुशासन को मूर्तरूप देने के लिए एकल नागरिक डेटाबेस।
• कोविड-19 का टीकाकरण अभियान शुरू।
• मिलावटखोरी अब संज्ञेय अपराध।
• 'वन नेशन-वन राशन कार्ड' योजना शुरू, 21 राज्यों की उचित मूल्य की दुकानों पर राशन उपलब्ध।
• 781 करोड़ की अटल प्रोग्रेस-वे परियोजना का क्रियान्वयन।
• प्रदेश के इतिहास में 2789.55 लाख यूनिट बिजली सप्लाई का नया रिकार्ड।
• प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये पर्यटन कैबिनेट का गठन।
• ग्वालियर और ओरछा यूनेस्को की ऐतिहासिक शहरी परिदृश्य (Historical Urban Landscape) की ग्लोबल रिकमेन्डेशन योजना के तहत चयनित।
• शंकर शाह और रघुनाथ शाह की स्मृति में जबलपुर में स्मारक निर्माण की कार्यवाही प्रगति पर।
• धार्मिक स्वातंत्र्य अब बना कानून।
D18185/20
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

वैसे तो मालिश अपने आपमें एक चिकित्सा है, लेकिन इसमें भी यदि हम बात करें पैरों अर्थात् पैरों के तलवों की तो यह अत्यंत प्रभावी चिकित्सा से कम नहीं है। जो लोग स्वयं इसे आजमा चुके हैं, वे ही जानते हैं कि क्या है इसका लाभ?

अत्यंत प्रभावी चिकित्सा है पैरों की मालिश

पैरों की मालिश का रहस्य बहुत ही सरल, बहुत छोटा, हर जगह और हर किसी के लिए बहुत आसान है। किसी भी तेल, सरसों या जैतून, आदि को पैरों के तलवों और पूरे पैर पर लगायें, विशेषकर तलवों पर तीन मिनट के लिए और दाहिने पैर के तलवे पर तीन मिनट के लिए। रात को सोते समय पैरों के तलवों की मालिश करना कभी न भूलें, और बच्चों की मालिश भी इसी तरह करें। इसे अपने जीवन के बाकी हिस्सों के लिए एक दिनचर्या बना लें। फिर प्रकृति की पूर्णता को देखें। आप अपने पूरे जीवन में कंघी करते हैं। क्यों न पैरों के तलवों पर तेल लगाया जाए। प्राचीन चीनी चिकित्सा के अनुसार पैरों के नीचे लगभग 100 एक्यूप्रेशर बिंदु हैं। उन्हें दबाने और मालिश करने से मानव अंगों को भी ठीक किया जा सकता है। इसे फुट रिफ्लेक्सॉजी कहा जाता है। दुनिया भर में पैरों की मालिश चिकित्सा का उपयोग किया जाता है।

क्या कहते हैं लोग?

⏭ एक महिला ने लिखा कि मेरे दादा का 87 साल की उम्र में निधन हो गया, पीठ में दर्द नहीं, जोड़ों का दर्द नहीं, सिरदर्द नहीं, दांतों का नुकसान नहीं। एक बार उन्होंने कहना शुरू किया कि उन्हें कलकत्ता में रहने पर एक बूढ़े व्यक्ति ने जो रेलवे लाइन पर पत्थर बिछाने का काम करता था, सलाह दी थी कि सोते समय अपने पैरों के तलवों पर तेल लगाये। बस यही मेरे उपचार और फिटनेस का एकमात्र स्रोत है।

⏭ एक छात्रा ने कहा कि मेरी मां ने उसी तरह तेल लगाने पर जोर दिया। फिर उसने कहा कि एक बच्चे के रूप में, उसकी दृष्टि कमजोर हो गई थी। जब इस प्रक्रिया को जारी रखा, तो मेरी आंखों की रोशनी धीरे-धीरे पूरी तरह से स्वस्थ और स्वस्थ हो गई।

⏭ एक सज्जन जो एक व्यापारी हैं, ने लिखा है कि मैं अवकाश के लिए चित्राल गया था। मैं वहाँ एक होटल में रूका था। मैं सो नहीं सका। मैं बाहर घूमने लगा। रात में बाहर बैठे पुराने चौकीदार ने मुझसे पूछना शुरू किया, 'क्या बात है?' मैंने कहा नींद नहीं आ रही है! वह मुस्कुराया और कहा, 'क्या आपके पास कोई तेल है?' मैंने कहा, नहीं। वह गया और तेल लाया और कहा, 'कुछ मिनट के लिए अपने पैरों के तलवों की मालिश करें।' अब मैं सामान्य हो गया हूं। इससे मुझे बेहतर नींद आती है और थकान दूर होती है। मुझे पेट की समस्या थी। अपने तलवों पर तेल से मालिश करने के बाद, 2 दिनों में मेरे पेट की समस्या ठीक हो गई।

⏭ वास्तव में इस प्रक्रिया का एक जादुई प्रभाव है। मैंने रात को सोने जाने से पहले अपने पैरों के तलवों की तेल से मालिश की। इस प्रक्रिया ने मुझे बहुत सुकून की नींद दी। मैं इस ट्रिक को पिछले 15 सालों से कर रहा हूं। इससे मुझे बहुत ही चैन की नींद आती है। मैं अपने छोटे बच्चों के पैरों के तलवों की भी तेल से मालिश करता हूं, जिससे वे बहुत खुश और स्वस्थ रहते हैं।

⏭ मेरे पैरों में दर्द हुआ करता था। मैंने रात को सोने जाने से पहले अपने पैरों के तलवों को 2 मिनट तक रोजाना जैतून के तेल से मालिश करना शुरू किया। इस प्रक्रिया से मेरे पैरों में दर्द से राहत मिली।

⏭ मेरे पैरों में हमेशा सूजन रहती थी और जब मैं चलता था, मैं थक जाता था। मैंने रात को सोने जाने से पहले अपने पैरों के तलवों पर तेल मालिश की इस प्रक्रिया को शुरू किया। सिर्फ 2 दिनों में, मेरे पैरों की सूजन गायब हो गई।

⏭ रात में, बिस्तर पर जाने से पहले, मैंने अपने पैरों के तलवों पर तेल की मालिश का एक टिप देखा और उसे करना शुरू कर दिया। इससे मुझे बहुत ही चैन की नींद मिली।

⏭ बड़ी अदभुत बात है। यह टिप आरामदायक नींद के लिए नींद की गोलियों से बेहतर है। मैं अब हर रात अपने पैरों के तलवों की तेल से मालिश करके सोता हूं।

⏭ मेरे दादाजी के पैरों के तलवों में जलन होती थी और सिरदर्द होता था। जब से उन्होंने अपने तलवों पर कद्दू का तेल लगाना शुरू किया, दर्द दूर हो गया।

⏭ मुझे थायरॉइड की बीमारी थी। मेरे पैर में हर समय दर्द हो रहा था। पिछले साल किसी ने मुझे रात में बिस्तर पर जाने से पहले पैरों के तलवों पर तेल की मालिश का यह सुझाव दिया था। मैं इसे स्थायी रूप से कर रहा हूं। अब मैं आम तौर पर शांत हूं।

⏭ मेरे पैर सुन्न हो रहे थे। मैं रात को बिस्तर पर जाने से पहले चार दिनों तक अपने पैरों के तलवों की तेल से मालिश कर रहा हूं। एक बड़ा अंतर है।

⏭ बारह या तेरह साल पहले मुझे बवासीर हुआ था। मेरा दोस्त मुझे एक ऋषि के पास ले गया जो 90 साल के थे। उन्होंने हाथ की हथेलियों पर, उँगलियों के बीच, नाखूनों के बीच और नाखूनों पर तेल रगड़ने का सुझाव दिया और कहाः नाभि में चार-पाँच बूँद तेल डालें और सो जाएँ। मैं उनकी सलाह मानने लगा। मुझे बहुत राहत मिली। इस टिप ने मेरी कब्ज की समस्या को भी हल कर दिया। मेरे शरीर की थकान भी दूर हो जाती है और मुझे चैन की नींद आती है। यह खर्राटों को रोकता है। पैरों के तलवों पर तेल की मालिश एक आजमाई हुई और परखी हुई टिप है। तेल से मेरे पैरों के तलवों की मालिश करने से मुझे चैन की नींद मिली।

⏭ मेरे पैरों और घुटनों में दर्द था। जब से मैंने अपने पैरों के तलवों पर तेल की मालिश की टिप पढ़ी है, अब मैं इसे रोजाना करता हूं, इससे मुझे चैन की नींद आती है।

⏭ जब से मैंने रात को बिस्तर पर जाने से पहले अपने पैरों के तलवों पर तेल की मालिश के इस नुस्खे का उपयोग करना शुरू किया है, तब से मेरा कमर दर्द ठीक हो गया है। मेरी पीठ का दर्द कम हो गया है और भगवान का शुक्र है कि मुझे बहुत अच्छी नींद आई है।

खुश रहें - खुश रखें

हार की संभावना से बचाती है परिवार की ताकत

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

काम नहीं करने के सबके पास अपने-अपने बहाने होते हैं। एक बार मैंने एक महीने के लिए एक प्रयोग किया। जब भी मैं किसी से मिलता था और मुझे लगता था कि ये बहाने बना रहे हैं तो मैं नोट कर लेता था। एक माह बाद मैंने हिसाब लगाया था कि कितने किस्म के बहाने लोग बनाते हैं।

सबसे अधिक बहानों में था, परिवार। उसके बाद समय और उसके बाद स्वास्थ्य। इन्हीं तीनों की आड़ में लोग अपने निकम्मेपन को छिपाते हैं। कई लोगों का तो मानना है कि भौतिक प्रगति में परिवार एक बाधा है। अब तो परिवार इतने सिमट गए हैं कि लोग छोटे को भी बाधा मानते हैं और संयुक्त परिवारों को भी दोष देते हैं। कई लोग अपने पारिवारिक दायित्व के कारण आगे नहीं बढ़ पाते, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि परिवार को दोषी बताया जाए। परिवार को केंद्र में रखकर अपनी प्रगति के क्षेत्र बदले जा सकते हैं।

जैसे देखा जाता है कि बूढ़े माता-पिता या अन्य भाई-बहनों की जिम्मेदारी होने पर कुछ लोग अपने नगर से बाहर नहीं जा पाते और फिर जीवनभर मन ही मन दुखी होते रहते हैं, लेकिन ऐसे भी लोग देखे गए हैं जिन्होंने जिम्मेदारियाँ पूरी निभाई और अपने कॅरियर में आगे भी बढ़े। दरअसल, परिवार को ताकत मानने के लिए परिवार में रहने का तरीका थोड़ा बदलना होगा।

परिवार कमजोर बनता है, जब सदस्यों में अहंकार आ जाता है। एक मनोवैज्ञानिक तथ्य है कि हर मनुष्य में कुछ हिस्सा पशुओं का होता है और कभी-कभी वह वैसा आचरण करता भी है। पशु तुल्य होना एक दोष है, लेकिन पशुओं की एक खूबी है कि उनमें 'मैं' नहीं होता। घर में रहते हुए हम इस 'मैं' विहीन पशु-भाव को बनाए रखें। हमारा यह जंगलीपन परिवार को हमारी ताकत बना देगा। जिसके साथ परिवार की ताकत है, उसके हारने की संभावना सदैव कम रहेगी।

जल देवता

वेद-पुराण-कुरान-बायबिल
सहित सभी धर्मग्रन्थों ने भी कहा है-
'जल है तो कल है'।
इन्हीं सन्दर्भों से सन्दर्भित
डॉ. विवेक चौरसिया
के जल पर केन्द्रित लेखों का संग्रह
'जल देवता'.

जिनमें आप पायेंगे
न सिर्फ भारतीय संस्कृति
बल्कि सम्पूर्ण विश्व ने
स्वीकारी है
जल की महत्ता.

Rs. 150/-
डाक खर्च सहित

खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद

55 के बाद की जिन्दगी सपनों का
अन्त नहीं बल्कि उन्हें
साकार करने का स्वर्णिम समय है.
बस इसके लिए जरूरी है
खूबसूरती से जीना कैसे जीएँ...
इसी के सूत्र बताती है

डॉ. एच.एल. माहेश्वरी
की पुस्तक
"खूबसूरती से जीएँ
55 के बाद".

Rs. 120/-
डाक खर्च सहित

आपसे कहा जाता है -

- संकट निवारण हेतु पानी में नारियल बहा दें।
- सांप दिखे तो काम टालें।
- नल को पानी टपकता न छोड़ें।

... और भी बहुत कुछ **तो फिर...**

ऐसा क्यों?
aisa kyon

जिसमें छुपा है आपके हर क्यों का जवाब

प्रश्न उठना स्वाभाविक है -
"ऐसा क्यों?" लेकिन इसका
उत्तर देगा कौन?
**इसका उत्तर देगी गहन
अध्ययन से संजोई पुस्तक**

Rs. 100/-
डाक खर्च सहित

ऋषिमुनि प्रकाशन

90, विद्यानगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) फोन - 0734-2526561, 2526761, मो. 094250-91161

पाटी साप्टा

सामग्री :- चावल का आटा 250 ग्राम्स, नारियल एक कप, आरारोट आधा कप, काजू किशमिश की कतरन आधा कप, तेल तलने के लिए

विधि :- नारियल को कद्दूकस कर लें. आरारोट व चावल पाउडर को पानी में मिलाकर पेस्ट बना लें गैस पर कढ़ाई चढ़ाऐ, एक कप पानी में चीनी डालकर अच्छी तरह पकाया. अब चीनी की चाशनी बन जाए तो उसमें कद्दूकस किया हुआ नारियल डाल दे वह भूने. जब पानी सूख जाए तो उसे कड़ाई से निकालकर अलग बर्तन में रख ले. एक पैन में गैस पर चढ़ाएं व उसमें थोड़ा सा तेल डालें तथा आरारोट और चावल के मिश्रण को आधा कप पानी में डालकर पकाएं. जब पानी सूख जाए तब मिश्रण को गोल गोल रोटी के आकार में बेलकर सुनहरा होने तक उलट-पुलट कर तल लें .नरीयल में काजू किशमिश मिलाकर इसे रोटी में भरकर रोल बना लें. आपकी पाटी साप्टा तैयार है।

यह एक बेहतरीन बंगाली नाश्ता है.

(आप चाहो तो रोटी की तरह भी तवे पर सेक कर भी बना सकते हो)

पूनम राठी, नागपुर
9970057423

''जिसका कोई नहीं उसका तो ईश्वर है'' की तर्ज पर ईश्वर के दूत की तरह मानवता की सेवा करने वाले समाजसेवी इंदौर निवासी श्री प्रेम बाहेती नहीं रहे। यह उनके प्रति अथाह प्रेम ही है कि उन्हें अंतिम बिदाई देने पहुंचे लोगों की आंखें नम होने से थम नहीं पाई।

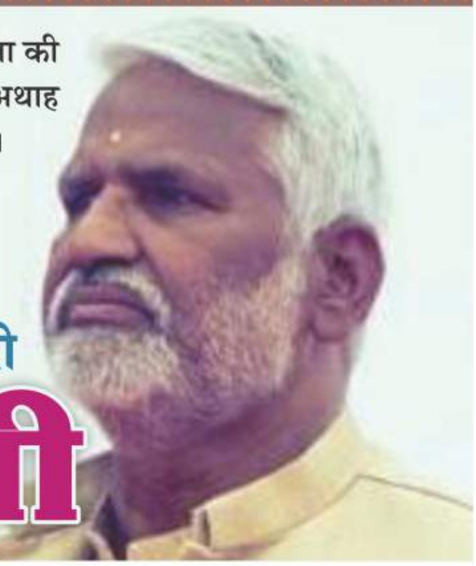

नहीं रहे मानवता के पुजारी प्रेम बाहेती

चाहे निराश्रित का अंतिम संस्कार हो या जरूरतमंद की किसी प्रकार की सेवा उसमें तन-मन-धन से अपनी सेवा देने वाले समाजसेवी श्री प्रेम बाहेती नहीं रहे। आप कृष्णदास बाहेती (काना) के बड़े भाई व वैभव (विक्की) के पिता थे। आप अपने पीछे भरा पूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गये हैं। पूरे परिवार ने मोक्षधाम पर जो दृश्य देखा उससे वे स्व.श्री बाहेती के जीवन आदर्शों व समाजसेवा से प्रभावित हुए बिना नहीं रहे। आप स्नेहीजनों में भैया के रूप में लोकप्रिय थे।

देहावसान बना वज्रपात

शहर के वरिष्ठ समाजसेवी श्री प्रेम बाहेती का आकस्मिक निधन हो गया। श्री बाहेती पिछले कई दिनों से बीमार थे। उनके निधन का समाचार जिसने सुना वह स्तब्ध रह गया। माहेश्वरी समाज में तो जैसे शोक की लहर छा गई। कई संस्थाओं से जुड़े प्रेम बाहेती के अचानक चले जाने का दुखद समाचार ज्यों ही सोश्यल मीडिया पर जारी हुआ लोग अवाक् रह गये। हालांकि पिछले कुछ दिनों से प्रेम भैया अस्पताल में इलाज करा रहे थे लेकिन कोई कल्पना नहीं कर सकता था कि वे इस तरह अचानक चले जाएंगे।

''मुक्तिमार्ग'' के बने सहयोगी

इंदौर के शमशान घाट की दुर्दशा को अपने मन की पीड़ा मान प्रेम भैया ने संवारने का जो प्रण लिया है उसकी मिसाल मिलना दुर्लभ है। जीवन के 71 वर्षों में से 40 वर्ष का दुर्लभ समय प्रतिदिन लगभग 2-3 घण्टे प्रेम भैया ने पंचकुईया मुक्तिधाम के विकास को समर्पित कर दिए। शमशान घाट जहां लोग मजबूरी में जाते हैं जहां प्रतिदिन आकर जलती चिताओं के बीच उसका उद्धार करना एवं उसका सौंदर्यीकरण के बारे में लगातार सोचना वह प्रेम भाई जैसे जिद्दी और जुनूनी व्यक्ति का ही काम हो सकता है। जिन लोगों ने पंचकुईया मुक्तिधाम का पुराना स्थान देखा होगा वही वास्तव में समझ सकेंगे कि प्रेम भाई ने किस तरह कितनी मेहनत से और सार्वजनिक रूप से पाई-पाई एकत्रित कर इस मुक्तिधाम को संचार कर इस लायक बना दिया है कि आज देश भर में इसके सौंदर्य की चर्चा होती है।

कोरोना काल में भी रहे समर्पित

प्रेमजी बाहेती पहले कोरोना से पीड़ित हुए लेकिन बाद में वह नेगेटिव हो गए थे, लेकिन उनके शरीर के कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया। वे जुपिटर विशेष हॉस्पिटल में पिछले सात दिनों से वेंटिलेटर पर थे। डॉक्टरों के कहने पर परिजन आज उन्हें घर ले आए थे एवं उनका वहीं देवलोकगमन हो गया। मुक्तिधाम के विकास में जिस मनोयोग से प्रेम भैया ने कार्य किया वह इतिहास में अंकित रहेगा। पंचकुईया मुक्तिधाम के विकास कार्य के बाद ही शहर में अब अन्य मुक्तिधाम में भी विकास कार्य हुए। कोरोना काल में भी कई जब पंचकुईया में ऐसे शव जलाये गये जिसकी माटी लेने भी परिजन नहीं पहुंचे उन्हें संभाल कर व्यवस्थित रखने का कार्य प्रेम भैया ने किया। उनकी योजना थी कि सभी अस्थियों का सामूहिक संस्कार खेड़ी घाट पर जाकर किया जाए। लेकिन उनकी यह आस अधूरी रह गई।

नहीं रहे पूर्व विधायक श्री श्याम होलानी

कांटाफोड़ (देवास-म.प्र.)। प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष व पूर्व विधायक श्री श्यामलाल होलानी का गत 10 जनवरी, को हृदयाघात से असामयिक निधन हो गया। आप मनोज व ममता होलानी के पिता तथा प्रहलाददास व रमेश होलानी के भाई थे। आप अपने पीछे धर्मपत्नी सहित भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गये हैं।

बी.ई. (सिविल) तक शिक्षित श्री होलानी का जन्म 4 नवम्बर 1944 को ग्राम कांटाफोड़ तहसील कन्नौद, जिला देवास (म.प्र.) में स्व. श्री बाबूलाल होलानी के यहाँ हुआ था। कांग्रेस की सक्रिय सदस्यता से अपनी राजनीतिक यात्रा प्रारम्भ करने वाले श्री होलानी वर्ष 1970-72 तक युवक कांग्रेस कांटाफोड़ अध्यक्ष, 1978-93 तक ब्लाक कांग्रेस उपाध्यक्ष रहे। वर्ष 1993 में म.प्र. राज्य भंडार गृह निगम के अध्यक्ष (राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त) रहे और उत्कृष्ट कार्यों से वर्ष 1997 में अवार्ड फार एक्सीलेंस से निगम को सम्मानित करवाया। वर्ष 1998 में सम्पन्न चुनाव में बागली क्षेत्र से भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री कैलाश जोशी को पराजित कर विधायक चुने गये। वर्ष 2012 - 20 तक देवास जिला कांग्रेस (ग्रामीण) अध्यक्ष रहे। आप वर्ष 2020 से म.प्र. कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा रहे थे। माहेश्वरी समाज को भी आप सदैव अपनी सक्रिय सेवा देते रहे। आप अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन की कार्य समिति के वर्ष 1980 से 1987 तक सदस्य भी रहे।

राशिफल

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष

यह माह आपके लिए अत्यंत लाभकारी रहेगा। इस माह में सोचे हुए कार्य में सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न होगा। स्थाई संपत्ति से संबंधित प्रकरणों में सफलता मिलेगी। रुका हुआ कार्य पूर्ण होगा। न्यायलयीन प्रकरण में सफलता मिलने के योग रहेंगे। पुराने दोस्तों से एवं रिश्तेदारों से मुलाकात होगी। हर्ष उल्लास का वातावरण निर्मित होगा। यात्रा के योग प्रबल रहेंगे। जान पहचान का क्षेत्र विस्तृत होगा। विद्यार्थियों के लिए अनुकूल समय रहेगा। कृषक वर्ग को विशेष परिश्रम करना पड़ेगा। नौकरी पेशा वर्ग को आर्थिक संपन्नता में वृद्धि होगी।

वृषभ

इस माह में आपको पुराने कार्यों में परेशानी के साथ सफलता मिलने के योग प्रबल रहेंगे। पाचन तंत्र से संबंधित कष्ट के योग का सामना करना पड़ेगा। धार्मिक यात्रा-तीर्थ यात्रा के योग प्रबल रहेंगे। नित नवीन व्यंजन का लुत्फ उठाएंगे। विद्यार्थियों के लिए आसानी से सफलता मिलने के योग प्रबल रहेंगे। विवाह संबंध तय होने के योग रहेंगे प्रेम प्रसंग में सफलता मिलेगी। सुखद दांपत्य जीवन की प्राप्ति के योग एवं दांपत्य जीवन का सुख आनंद का लाभ उठाएंगे। नवीन कार्य व्यवसाय में सफलता मिलने के योग प्रबल रहेंगे, विरोधी परास्त होंगे।

मिथुन

यह माह आपको स्थाई संपत्ति से संबंधित प्रकरण में सफलता प्रदान करने वाला होगा। नए कार्य व्यवसाय में वृद्धि के योग रहेंगे। आय के नवीन स्त्रोत की प्राप्ति होगी। विरोधी नई-नई रचना करेंगे, परंतु वे सफल नहीं हो पाएंगे। मित्रों की संख्या बढ़ेगी। नवीन मित्र से लाभ होगा। दूर देश की यात्रा के योग प्रबल रहेंगे। शिक्षा से जुड़े लोगों को अनुकूलता रहेगी। पाचन तंत्र से कष्ट के योग का सामना करना पड़ेगा। घर के बुजुर्ग के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी। जिस तेजी से आय होगी, उतनी ही तेजी से खर्च के द्वारा धन खर्च होगा। कृषक वर्गों को आय में वृद्धि होगी।

कर्क

यहां माह आपको शुभ कार्य के लिए विशेष रूप से लाभकारी होगा। विवाह संबंध तय होने के योग, दांपत्य जीवन की प्राप्ति, पति-पत्नी में लंबे समय से चली आ रही अनबन से मुक्ति मिलेगी। न्यायालयीन प्रकरणों में भी सफलता मिलने के लिए योग प्रबल रहेंगे। धार्मिक भावना से परिपूर्ण कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। आय के नए स्त्रोत की प्राप्ति होगी। तीर्थ यात्रा के योग रहेंगे। पाचन तंत्र से कष्ट के योग रहेंगे। मित्रों से स्नेह और सहयोग की प्राप्ति होगी। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। दिया हुआ पैसा प्राप्त होगा। मित्रों से सहयोग मिलेगा। पुराने मित्र से मुलाकात होगी।

सिंह

यह माह आपके लिए भूमि भवन से संबंधित प्रकरणों में अनुकूलता प्रदान करने वाला होगा, भाग्य का उदय होगा। नौकरी में पद प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा पदोन्नति होगी। स्थान परिवर्तन होगा। आय के नए स्त्रोत की प्राप्ति होगी। किसी विषय को लेकर मन उदास रहेगा। ऊपर से चुपचाप एवं शांत जरूर दिखाई देंगे किंतु मन में बेचैनी बनी रहेगी। अज्ञात भय बना रहेगा। राजकीय पक्ष से रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। राजनीतिक संपर्क का लाभ मिलेगा। हड्डी एवं दाढ़-दांत से कष्ट के योग रहेंगे। धार्मिक यात्रा के योग रहेंगे। भौतिक सुख-सुविधाओं पर खर्च करेंगे। लंबी यात्रा एवं मनोरंजन के संसाधनों पर खर्च करना पड़ेगा।

कन्या

यह माह आपको पुराने रुके हुए कार्यों में सफलता प्रदान करने वाला होगा। संतान से संबंधित कार्यों में सफलता मिलेगी। पाचन तंत्र कष्ट, पेट गैस की व्याधि का सामना करना पड़ेगा किंतु धार्मिक यात्रा एवं शुभ कार्यों में खर्च के योग रहेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में विशेष सफलता व यश कीर्ति मिलेगी। स्थाई संपत्ति से संबंधित प्रकरणों में सफलता मिलेगी। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। आय के नवीन स्त्रोत की प्राप्ति के योग प्रबल रहेंगे। किसी विशेष तकनीकी शिक्षा प्राप्ति के योग रहेंगे। अचानक धन प्राप्ति के योग प्रबल बने रहेंगे विरोधी परास्त होंगे।

तुला

यह माह आपके लिए राजकीय पक्ष के सहयोग से परिपूर्ण रहेगा। शासन सत्ता में रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। राजनेताओं के संपर्क का लाभ मिलेगा। स्थाई संपत्ति से संबंधित प्रकरण में सफलता मिलेगी। तेजी मंदी से संबंधित प्रकरण में विशेष लाभ प्राप्ति के योग प्रबल रहेंगे। समाज सेवा एवं धार्मिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेंगे एवं दान देना होगा। संतान से संबंधित प्रकरण में सफलता मिलेगी। राजकीय पक्ष से पुरस्कार प्राप्ति के योग प्रबल रहेंगे किंतु पति-पत्नी में वैचारिक मतांतर बने रहेंगे। शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े लोगों को अनुकूलता रहेगी। कृषि-कृषक वर्ग को कठिन परिश्रम के उपरांत सफलता प्राप्त होगी।

वृश्चिक

यह माह आपको विरोधी पर विजय प्रदान करने वाला होगा । न्यायालय के प्रकरण में रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। साहसिक कार्य करेंगे। रक्त विकार से संबंधित कष्ट का सामना करना पड़ेगा । चुनौती भरे कार्य को हाथ में लेकर पूर्ण कर विशेष सम्मान प्राप्त होगा। धार्मिक यात्रा के योग रहेंगे। भाई परिवारजनों का स्नेह एवं सहयोग प्राप्त होगा। अचानक धन प्राप्ति के योग प्रबल रहेंगे। याददाश्त कमजोर रहेगी। हड्डी एवं दाढ़ दांत से संबंधित कष्ट के योग प्रबल रहेंगे। लंबी यात्रा होगी शिक्षा में अनुकूलता रहेगी। कृषक वर्ग को लाभ होगा।

धनु

यह माह आपके लिए विशेष लाभ देने वाला होगा। विगत कुछ वर्षों से रुके हुए कार्यों में सफलता मिलेगी। सोचे कार्यों में सफलता मिलने से मन प्रसन्न होगा। हर्ष उल्लास का वातावरण निर्मित होगा। आर्थिक संपन्नता में वृद्धि होगी। शिक्षा के क्षेत्र में विशेष सफलता की प्राप्ति के योग प्रबल रहेंगे। आय के नवीन स्त्रोत की प्राप्ति, पद प्रतिष्ठा में वृद्धि, आर्थिक संपन्नता में वृद्धि, रुका हुआ कार्य पूर्ण होगा। नवीन मित्र बनेंगे मित्रों से लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति, परिवार जनों से भी सहयोग-स्नेह प्राप्त होगा। हर्ष उल्लास का वातावरण निर्मित होगा। नवीन यात्रा एवं सुखद यात्रा के योग प्रबल बने रहेंगे, स्थाई संपत्ति में वृद्धि होगी।

मकर

इस माह में आपको कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। प्रत्येक कार्य में रुकावट आएगी किंतु अंतः तक कार्य में सफलता प्राप्त जरूर हो जाया करेगी विवाह संबंध होने के योग, लंबी यात्रा के योग तथा मकान एवं स्थाई संपत्ति के निर्माण से आर्थिक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। पद एवं प्रतिष्ठा बढ़ेगी स्थान परिवर्तन होगा किंतु परेशानी का भी सामना करना पड़ेगा। इस अवधि में स्वास्थ्य संबंधित एवं गलत निर्णय होने से आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। घर में बुजुर्गों की सेवा का अवसर प्राप्त होगा। हड्डी एवं पांव में तकलीफ का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ

यह माह आपको मानसिक समस्याऐं प्रदान करने वाला होगा परंतु जिस प्रकार से परेशानी आएगी। उसी प्रकार से निवारण भी हाथों-हाथ हो जाएंगे केवल समय लगेगा और एक विशेष समय के लिए तनाव का सामना करना पड़ेगा। धार्मिक यात्रा के योग, घर में शुभ एवं मांगलिक कार्य होंगे। पाचन तंत्र से संबंधित कष्ट का सामना करना पड़ेगा। सुस्वाद उत्तम भोजन का लुत्फ उठाएंगे। चुनौती भरे कार्यों को हाथ में लेना और कर देने से विशेष सफलता और उत्साह की प्राप्ति होगी। वाणी के कारण कार्यों में व्यवधान एवं विलंब होगा। खर्च पर पूर्ण नियंत्रण रहेगा।

मीन

यह माह आपके लिए आय में वृद्धि कारक रहेगा। इस माह में रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। पद एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के नवीन स्त्रोत की प्राप्ति होगी। नवीन कार्य व्यवसाय होगा। बेरोजगारों को लाभ होगा किंतु संतान से संबंधित प्रकरण में परेशानी का सामना करना पड़ेगा। आय के नवीन स्त्रोत के कारण घर से दूर जाना पड़ेगा। तेजी मंदी से संबंधित प्रकरण में सफलता मिलेगी। लाटरी सट्टा शेयर बाजार आदि में निवेश करने से पहले एक बार विचार अवश्य कर लेवे। पाचन तंत्र से कष्ट धार्मिक यात्रा के योग प्रबल बने रहेंगे। आंखों से कष्ट के योग रहेंगे। सुखद समाचार की प्राप्ति होगी। परिवार में नवीन विवाह संबंध के योग प्रबल रहेंगे। दांपत्य जीवन में अनुकूलता रहेगी।

माहेश्वरी समाज में सर्वाधिक पढ़ी जाने वाली

अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की मासिक पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

का आगामी अंक होगा

नारी शक्ति को समर्पित

महिला विशेषांक

जिसमें समाहित होगी ऐसी
माहेश्वरी महिलाओं की कहानी जो
अपनी विशिष्ट प्रतिभा से लिख रही हैं
राष्ट्रीय स्तर पर **''सफलता की कहानी''**

अनुरोध - यदि आपकी जानकारी में भी ऐसी कोई महिला हैं, जो राज्य, राष्ट्र अथवा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर किसी भी क्षेत्र में ऐसा कार्य कर रही हैं, जो समाज की महिलाओं के लिये प्रेरणास्पद हो सके, तो हमें सम्पर्क नम्बर सहित लिख भेजिये। हम करेंगे इसका प्रकाशन। प्रकाशन का अंतिम निर्णय सम्पादक मंडल का होगा।

90, विद्या नगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
दूरभाष - 0734-2526561, 2526761 मोबाइल - 094250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com

Aditya Birla Group: Making a life changing difference

We work in 7000 villages. Reach out to 9 million people. A glimpse:

HEALTHCARE

Over 100 million Polio vaccinations

5,000 Medical camps / 20 Hospitals: 1 million patients treated

Over 50 deaf and mute children moved from the world of silence to the sound of music through the cochlear implant

Reach out to over 4,000 children. Extending financial support for the chemotherapy sessions. Encouraging them in a holistic manner to get back quickly on the road to recovery.

Engaged in prevention of cervical cancer through the administration of the HR-HPV vaccines in Maharashtra. Over 1800 girls have been vaccinated.

More than 6,600 persons had their vision restored through the Vision Foundation of India

100,000 persons tested on 32 health parameters through HealthCubed

EDUCATION

Our 56 schools accord quality education to 46,500 students

Mid-day meals provided to 74,000 children

Solar lamps given to 4.5 lakh children in the hinterland

Foster the cause of the girl child through 40 Kasturba Gandhi Balika Vidyalayas

SUSTAINABLE LIVELIHOODS

100,000 people trained in skill sets

45,000 women empowered through 4500 SHGs

200,000 farmers on board our agro-based training projects

And much more is being done through the Aditya Birla Centre for Community Initiatives and Rural Development, spearheaded by Mrs. Rajashree Birla. Because we care.

NUMBERS MEAN A LOT
BUT A SMILE MEANS EVERYTHING!

ADITYA BIRLA GROUP
Engage. Uplift. Empower

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2020-2022
Despatch Date - 02 February, 2021

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761 , Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com

https://www.facebook.com/smtmagazine/
http://srimaheshwaritimes.com/